शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, रविवार 18 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 130 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना

हर बहना को हर साल ₹12 हजार

रक्षाबंधन

के शुभ अवसर पर

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (JMMSY) का शुभारंभ

- रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर आज से योजना का हो रहा शुभारंभ
- केवल 2 सप्ताह में 43 लाख निबंधन एक बड़ी उपलब्धि
- अब तक 37 लाख बहनों के आवेदन की जाँच एवं प्रशासनिक स्वीकृति भी पूरी कर ली गई है
- 31 अगस्त से पहले सभी बहनों के खातों में होगी एक हज़ार रुपये की सम्मान राशि (पहली किस्त)
- सितंबर से हर महीने की 15 तारीख़ को हर बहन के खाते में बिना देर पहुँचेगी सम्मान राशि

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

▪ दो अक्तूबर से पहले राज्य सरकार करेगी बीमा योजना की शुरुआत ▪ राज्य के साढ़े तीन लाख सरकारी कर्मियों को मिलेगा बीमा योजना का लाभ

सरकारी कर्मियों के स्वास्थ्य बीमा के लिए टाटा एआईजी के साथ 20 को होगा एमओयू

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के सरकारी कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ दो अक्टूबर से पहले मिलने लगेगा. इसके लिए टाटा एआइजी जेनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ 20 अगस्त को एमओयू होगा. राज्य के लगभग साढ़े तीन लाख कर्मियों को इस बीमा योजना का लाभ मिलेगा. इसमें लगभग एक लाख पेंशनधारी भी शामिल हैं. स्वास्थ्य बीमा के तहत सरकारी कर्मियों और पेंशनधारियों को पांच लाख रुपए का मुफ्त इलाज होगा. इसमें आयुष्मान भारत योजना के तहत चिन्हित किए गए अस्पताल भी शामिल होंगे.

अब कर्मियों को 500 रुपये मिलेगा चिकित्सा भत्ता : स्वास्थ्य बीमा योजना लागू होने सरकारी कर्मियों को 1000 रुपये की जगह 500 रुपये चिकित्सा भत्ता मिलेगा. इस हिसाब कर्मियों को सालाना 12 हजार रुपये की जगह 6000 रुपये ही चिकित्सा भत्ता मिलेगा. शेष राशि बीमा योजना के प्रीमियम में एडजस्ट की जाएगी. बताते चलें कि इस योजना के लिए 25 अक्तूबर 2014 में ही संकल्प जारी किया गया था, लेकिन पिछले 10 सालों से यह योजना लंबित रही थी.

10 साल बाद रास्ता हुआ साफ

राज्य के कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने में 10 साल से अधिक का वक्त लग गया. 2014 में कार्यरत कर्मियों और पेंशनधारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ देने की पहल की गई थी. इसका संकल्प 25 अक्तूबर 2014 को जारी किया गया. फिर संशोधन के साथ 31 जुलाई 2023 को दूसरा संकल्प जारी किया गया.

इस योजना को लेकर अब तक क्या-क्या हुआ

- विधानसभा की प्रत्युक्ता समिति के हस्तक्षेप के बाद 2023 में इस योजना को लागू करने की प्रक्रिया तेज हुई
- 25 जुलाई 2023 में स्वास्थ्य बीमा योजना का प्रस्ताव पास हुआ
- स्वास्थ्य विभाग ने 31 जुलाई 2023 को संशोधन के साथ दूसरा संकल्प जारी किया
- पहले ऑनलाइन टेंडर डालने की तिथि 28 दिसंबर 2023 से तीन जनवरी 2024 निर्धारित की गयी
- टेक्निकल बिड खोलने की तिथि में भी बदलाव किया गया
- 31 जनवरी 2024 को टेक्निकल बिड खोला गया
- आचार सहिंता लगने के कारण प्रक्रिया लंबित रही
- इस टेंडर प्रक्रिया में टाटा एआइजी, नेशनल इंश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस, बजाज एलियांज और आइसीआइसी लोंबार्ड ने हिस्सा लिया था
- वित्तीय बिड के निपटारे के बाद टाटा एआइजी जेनरल इंश्योरेंस कंपनी को जिम्मेवारी सौंपी गई

सरकार की ओर से आश्रित परिजनों को मिलेंगे एक करोड़ 29 लाख रुपये

चौहान हेंब्रम के परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा

- मुख्यमंत्री ने परिजनों को दिलाया भरोसा - दोषी को जल्द किया जाएगा गिरफ्तार
- परिजनों से कहा - राज्य सरकार सदैव आपके साथ खड़ी रहेगी

प्रमुख संवाददाता। रांची

सीएम आवासीय कार्यालय में चौहान हेंब्रम के परिजनों से मिलते सीएम हेमंत और कल्पना सोरेन.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हजारीबाग जिला बल के हवलदार स्वर्गीय चौहान हेंब्रम के परिजनों ने मुलाकात की. मुख्यमंत्री ने हवलदार स्वर्गीय चौहान हेंब्रम की पत्नी जोमोती देवी, पुत्र महेश हेंब्रम तथा पुत्री स्वाति हेंब्रम सहित अन्य परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की. मुख्यमंत्री ने परिजनों को विश्वास दिलाया कि उन्हें हर हाल में न्याय मिलेगा.

कहा कि राज्य सरकार की ओर से डीजीपी सहित वरीय पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि दोषी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो. कहा कि दुःख की इस घड़ी में राज्य सरकार सदैव आपके साथ खड़ी है.

परिजनों को राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद दिए जाने का आश्वासन दिया. विधायक कल्पना सोरेन ने भी हवलदार स्वर्गीय चौहान हेम्ब्रम के परिजनों को प्रति संवेदना जतायी तथा उनका ढांढस बंधाया.

हवलदार के आश्रित को अनुकंपा के आधार पर मिलेगी नौकरी

सीएम हेमंत सोरेन ने हवलदार स्वर्गीय चौहान हेंब्रम के परिवार में एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की. मुख्यमंत्री ने परिजनों से कहा कि जल्द ही अनुकंपा के आधार पर वर्ग 3 अथवा 4 में नियुक्ति हेतु सभी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी. इस निमित्त अधिकारियों के निर्देश दिया जा चुका है. आश्रित परिवार को राज्य सरकार की ओर से लगभग एक करोड़ 29 लाख रुपये प्रदान की जाएगी.

इन मदों के तहत मिलेगी राशि

हजारीबाग जिला बल के हवलदार स्वर्गीय हेंब्रम के कर्तव्य के दौरान मृत्यु होने के उपरांत राज्य सरकार द्वारा इनके आश्रित परिजनों को लगभग 1 करोड़ 29 लाख रुपए प्रदान की जाएगी. देय राशि इस प्रकार हैं - गृह,कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के संकल्प के आलोक में 60 लाख रुपए क्षतिपूर्ति भुगतान, एसबीआइ के माध्यम से किए गए पुलिस सैलरी पैकेज का लाभ 50 लाख रुपये, उपादान की राशि 11 लाख 25 हजार रुपये, उपार्जित अवकाश वेतन 5 लाख 62 हजार 500 रुपये, भविष्य निधि की राशि एक लाख रुपये , ग्रुप बीमा की राशि 37 हजार रुपये, परोपकारी कोष से आवश्यक वित्तीय सहायता 30 हजार रुपये एवं पारिवारिक पेंशन 9 हजार रुपये. बताते चलें कि गिरिडीह जिला के ग्राम-पिंडाटाड़ निवासी चौहान हेंब्रम हजारीबाग जिलाबल में हवलदार के पद पर कार्यरत थे. ड्यूटी के दौरान बीते 12 अगस्त को एक अपराधी द्वारा उनकी निर्मम हत्या कर दी गई थी.

राज्य के हर प्रखंड में तैयार करें जैविक गांव: कर्मवीर सिंह

रांची। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने शनिवार को किसान मोरचा के कार्यकर्ताओं में जोश भरा. कहा कि राज्य के प्रत्येक प्रखंड में एक जैविक गांव तैयार करें, जिसमें जैविक कृषि के माध्यम से खेती की जा सके. गो पालन को बढ़ावा देने में भी अपनी भूमिका सुनिश्चित करें. वे शनिवार को किसान मोरचा की संगठनात्म बैठक में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि राज्य की जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए प्रदेश के किसानों के बीच मोरचा जन आंदोलन चलाएगी. किसान मोरचा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने कहा कि मोरचा के कार्यकर्ता राज्य सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ हमेशा संघर्ष के लिए तैयार रहे हैं. उन्होंने 23 अगस्त को राजधानी में आहूत विशाल युवा आक्रोश रैली में राज्य भर के युवा किसानों से हजारों की संख्या में शामिल होने का आग्रह किया.

अमन साहू गिरोह से निकाला गया चंदन

संवाददाता। रांची

रांची जेल में बंद शूटर चंदन साव को अमन साहू गिरोह से निकाल दिया गया है. गिरोह के मयंक सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस बात की जानकारी दी. मंयक सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि रांची जेल में बंद पतरातू थाना के सांकुल निवासी चंदन साव को गैंग से निकाला जा चुका है. आज के बाद उसका गैंग से कोई लेना-देना नहीं है. चंदन के बारे में मार्केट के छोटे-छोटे व्यापारी और जो सही तरीके से अपना व्यापार कर रहे हैं, उनसे गलत तरीके एवं जबरन वसूली की शिकायत मिल रही थी. चंदन को बार-बार समझाया गया कि ऐसा रोड छाप काम ना करे. इसके बावजूद चंदन के आचरण में सुधार नहीं हुआ, जिसके चलते मुझे मजबूरन छोटे व्यापारी और अन्य के हित में यह निर्णय लेना पड़ा. मंयक सिंह ने व्यापारियों को आगाह किया कि अगर अमन साहू और मयंक सिंह के नाम से चंदन किसी भी व्यापारी को फोन कॉल या मैसेज करता है तो उसे नजरअंदाज करें. अगर वह किसी तरह की घटना, धमकी या अन्य कुछ भी करता है तो उसका जिम्मेवार वह खुद होगा.

रांची जेल में बंद शूटर चंदन साव

खास बातें

- अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने जारी की प्रेस विज्ञप्ति
- फिलहाल बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल,रांची में बंद है शूटर चंदन

अपना गैंग बनाने की सोच रहा था चंदन साव

अमन साहू के सबसे खास और शार्प शूटर चंदन साव को एटीएस ने बीते 19 जुलाई 2023 को रांची के ओरमांझी से गिरफ्तार किया था. एटीएस की पूछताछ में चंदन ने चौंकाने वाले खुलासे किये थे. चंदन अमन को बॉस बोलता था. जब से अमन जेल गया था, तब से जेल के बाहर गैंग की कमान चंदन ही संभाल रहा था. हजारीबाग में रित्विक कंपनी के जीएम शरद बाबू की हत्या के साथ-साथ रंगदारी के लिए लगभग एक दर्जन स्थानों पर हुई गोलीबारी और धमकी जैसी घटनाओं को चंदन अंजाम देता था. अमन ही चंदन को जेल से संदेश पहुंचाता था. इसके बाद चंदन उस पर अमल करते हुए आगे का काम करता था. चंदन के कहने पर ही रांची के अरगोड़ा में रहने वाले कोयला कारोबारी रंजीत गुप्ता पर साव गिरोह के शूटर वारिश अंसारी ने फायरिंग की थी. इस गोलीबारी को सिर्फ इसलिए अंजाम दिया गया था, ताकि रंजीत गुप्ता से रंगदारी वसूली जा सके.

हिमंता-बाबूलाल के बेंगाबाद दौरे के बाद सीएम की खुली नींद: अमर

घड़ियाली आंसू बहाने लगे : बाउरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि शनिवार की सुबह तक चौहान हेंब्रम के परिजनों की सुध नहीं लेने वाले मुख्यमंत्री विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंत विश्व सरमा और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के बेंगाबाद दौरे के बाद घड़ियाली आंसू बहाने लग गए. साथ देने में स्थानीय विधायक कल्पना सोरेन भी शामिल हो गई। अच्छा होता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन उस लाचार वृद्ध मां,अबला पत्नी, अनाथ बच्चे की पीड़ा उसी दिन समझ लेते जिस दिन चौहान हेंब्रम की एक अपराधी ने हत्या कर दी. मुख्यमंत्री जी के ऊपर वोट बैंक का इतना कर्जा हो गया है कि उनका ध्यान किसी गरीब आदिवासी,दलित महिला की पीड़ा, दुख दर्द की ओर जाता ही नहीं. मुख्यमंत्री जितना भी मदद का आश्वासन दे लें लेकिन एक गरीब आदिवासी के बेटे की जान उनकी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण गई है. बार-बार इस राज्य में आदिवासी दलितों पर घुसपैठियों,और धर्म विशेष के अपराधियों द्वारा अत्याचार किया जा रहा लेकिन हेमंत सरकार मौन साधे बैठी रहती है.भाजपा मुख्यमंत्री और उनकी धर्म पत्नी द्वारा स्वर्गीय चौहान हेंब्रम के परिजनों से मुलाकात को भाजपा की जीत मानती है. भाजपा सदैव प्रदेश की जन भावनाओं के साथ खड़ी है.

बसंत सोरेन बनाए गए प्रश्न और ध्यानाकर्षण समिति के सभापति

रांची। पूर्व कैबिनेट मंत्री सह झामुमो विधायक बसंत सोरेन को झारखंड विधानसभा के प्रश्न और ध्यानाकर्षण समिति का सभापति बनाया गया है. पहले जारी हुए आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए समिति में एमएलए कोचे मुंडा, अमित मंडल और राजेश कच्छप को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है. शनिवार को विधानसभा के प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर के हस्ताक्षर से इसका आदेश जारी कर दिया गया.

केशव महतो के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

झारखंड कांग्रेस को मिलेगी मजबूती : अभिलाष साहू

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को बधाई देते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अभिलाष साहू ने कहा कि जननेता राहुल गांधी जो कहते हैं. वो करते हैं. झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मनोनयन से यह साबित हुआ राहुल गांधी लगातार पिछड़ी जाति के हक अधिकार के लिए एवं उनके प्रतिनिधित्व देने के प्रति लगातार प्रयास कर रहे हैं. इसी क्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पिछड़ी जाति से केशव महतो कमलेश को नेतृत्व देकर झारखंड के तमाम पिछड़ी जातियों को यह संदेश दिया है कि आपका हक अधिकार के लिए कांग्रेस कृतसंकल्प है. राहुल गांधी हमेशा कहते हैं जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी मिलेगी. अभिलाष साहू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव केसी वेणुगोपाल, झारखंड के प्रभारी गुलाम अहमद मीर का आभार प्रकट किया और उम्मीद जताई कि केशव महतो कमलेश का प्रदेश अध्यक्ष बनने से झारखंड कांग्रेस को मजबूती प्रदान होगी, साथ ही पूर्व आईपीएस अधिकारी काफी अनुभवी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को विधायक दल नेता बनने से कांग्रेस संगठन जमीनी स्तर पर दिखेगा, पिछड़ी जातियों व आदिवासी समाज का झुकाव कांग्रेस पार्टी की ओर अवश्य होगी, जिससे आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को लाभ मिलेगा.

आरयू: खेल व सांस्कृतिक विभाग का कैलेंडर जारी

खेल संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय खेलकूद एवं सांस्कृतिक विभाग सत्र 2024-25 की वार्षिक बैठक शुक्रवार को मैनेजमेंट स्टडीज हॉल में संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने की. डीएसडब्ल्यू ने 2024 सत्र की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया. इस वर्ष खेलकूद में 14 स्पर्धाओं के अंतर कॉलेज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जबकि 12 खेलों का चयन परीक्षण होगा. इस वर्ष बैडमिंटन योग और टेबल टेनिस के स्पर्धा अंतर कॉलेज प्रतियोगिता के तहत होंगे. बाकी 12 खेल (हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, बॉलीबाल, एथलेटिक्स, कबड्डी, अर्चरी, खोखो) की स्पर्धाएं होंगी, जो पिछले साल संपन्न हुई थी. बैठक में खेल एवं सांस्कृतिक विभाग के भी कई निर्णय लिए गए.

इसके अलावा खिलाड़ियों के कोचिंग कैंप और सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूपरेखा भी तैयार की गई. इस अवसर पर रांची विवि कुलपति के अतिरिक्त कुल सचिव डॉ विनोद नारायण, डीएसडब्ल्यू डॉ. सुदेश कुमार साहू, फॉक्टर डॉ. मुकुंद मेहता एग्जामिनेशन कंट्रोलर डॉ. विकास कुमार, सीसीडीसी प्रकाश झा, उप निदेशक स्मृति सिंह सहित कई कॉलेज के प्रिंसिपल तथा प्रतिनिधि कई विभाग अध्यक्ष सहित कई अधिकारी उपस्थित थे. शनिवार को रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने प्रेसवार्ता में जानकारी दी कि खेलकूद में चयन प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए विभाग ने टोकन मनी को 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये किया गया है. साथ ही इस सत्र के लिए खेल विभाग में 99 लाख और सांस्कृतिक विभाग के लिए 42 लाख का बजट रखा गया है.

कुलपति ने कहा कि इस वर्ष से कई खेलों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया जाएगा तथा इसके लिए कमेटी भी बनाई जाएगी.

वार्षिक बैठक के दौरान रांची विवि के पदाधिकारी.

इंटरमीडिएट में नामांकन प्रक्रिया 24 से शुरू होगी

रांची। रांची विवि अंतर्गत इंटरमीडिएट में नामांकन प्रक्रिया 24 अगस्त से शुरू होगी. इसके लिए 24 अगस्त को एडमिशन पोर्टल खोला जाएगा. शनिवार को रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने एडमिशन को लेकर नोटिफिकेशन जारी करवाया. इससे पहले एबीवीपी ने रांची विवि के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा का लगभग डेढ़ घंटे तक घेराव किया था. इस दौरान नामांकन प्रक्रिया शुरू नहीं होने से गुस्साए एबीवीपी के सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने विवि प्रशासन के खिलाफ जम कर नारेबाजी भी की थी. सभी इंटर में नामांकन प्रक्रिया शुरू करने के लिए धरने पर बैठ गए थे.

प्रदेश भाजपा महिला मोरचा के जिलाध्यक्षों की सूची जारी

संवाददाता। रांची

प्रदेश बीजेपी महिला मोरचा के जिलाध्यक्षों की सूची शनिवार को जारी कर दी गई. इसमें पायल सोनी को रांची महानगर व नेहा सिंह को रांची ग्रामीण की जिम्मेवारी सौंपी गई है. खूंटी में सीमा देवी, गुमला में गौरी किंडो, सिमडेगा में सुषमा, लोहरदगा में शर्मिला भगत, पलामू में रीना किशोर, गढ़वा में अनीता, चतरा में अनामिका, लातेहार में शीला देवी, हजारीबाग में साक्षी राणा, रामगढ़ में शीतल सिंह, कोडरमा में सुनीति, गिरिडीह में उषा कुमारी, धनबाद में विभा रानी सिंह, धनबाद ग्रामीण में दीपा, बोकारो में गिरिजा, जामताड़ा में पुष्पा, दुमका में ममता साहा, पाकुड़ में शबरी पाल, साहिबगंज में गरिमा, देवघर में रूपा केसरी, गोड्डा में रिंकी साहा, जमशेदपुर में नीलू मछुआ, पू. सिंहभूम में कृष्णा पॉल, प. सिंहभूम में दुर्गा व सरायकेला में रीतिका मुखी को जिलाध्यक्ष बनाया है.

चंपाई पर प्रमाणिक जानकारी नहीं: दीपक

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद दीपक प्रकाश ने कहा, मैंने यह बात सिर्फ खबरों में सुनी है. मेरे पास कोई प्रामाणिक जानकारी नहीं है... वे (चंपाई सोरेन) एक अच्छे मुख्यमंत्री के तौर पर झारखंड की सेवा कर रहे थे. सब कुछ केंद्रीय नेतृत्व पर निर्भर करता है. वह एक बहुत बड़ी शख्सीयत हैं. झारखंड के 3.5 करोड़ लोग उनके काम से खुश थे, लेकिन जिस तरह से उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाया गया, वह दुर्भाग्यपूर्ण था.

रखी मांग सीपीएम के सचिव ने सीएम को लिखा पत्र

विस्थापन आयोग का जल्द गठन हो

खास बातें

- प्रकाश विपल्व ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र भेजा
- पत्र में राज्य में हो रहे विस्थापन पर चिंता जताई

प्रमुख संवाददाता। रांची

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने राज्य सरकार से विस्थापन आयोग के गठन की मांग की है. इसको लेकर पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विपल्व ने सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है. पत्र में कहा है कि पार्टी ने मुख्यमंत्री से मांग की थी कि इस विस्थापन आयोग को केवल खनन मामलों तक ही सीमित नहीं रखा जाए. खनन मामलों के अलावा एचईसी, बोकारो स्टील प्लांट सहित कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उधोगों की स्थापना सहित कई डैम व सिंचाई परियोजनाओं और सेना की छावनियों के निर्माण सहित कई अन्य परियोजनाओं से भी बड़ी संख्या में रैयतों और किसानों का उनके पूरे परिवार सहित विस्थापन हुआ है. वैसे विस्थापितों का मुआवजा, नौकरी और पुनर्वास की समस्याएं अब तक लंबित है. मुआवजा के भुगतान के मामलों में भी भारी अनियमितता है. विस्थापितों की समस्या का समाधान नहीं होने के कारण राज्य के कई स्थानों पर खनन कार्य करने वाली कंपनियों और स्थानीय रैयतों के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है और कानून व्यवस्था की भी स्थिति उत्पन्न हो जा रही है.

हाईकोर्ट के रिटायर जज के नेतृत्व में आयोग गठित हो

राज्य सरकार की घोषणा के आलोक में केवल खनन नहीं बल्कि सभी तरह के विस्थापन के मामलों के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त जज के नेतृत्व में राज्य विस्थापन आयोग का गठन किया जाना चाहिए जो एक तय समय सीमा के अंदर विस्थापित हुए लोगों के रोजगार, पुनर्वास और मुआवजा के संबंध में फैसला करे. पार्टी ने मुख्यमंत्री से यह भी अनुरोध किया था की इस मुद्दे पर विधानसभा के चालू सत्र में ही चर्चा करा ली जाए, लेकिन ऐसा नहीं हो सका. मुख्यमंत्री से आग्रह है कि अपनी घोषणा के अनुरूप उनके द्वारा पहल की जाए. अभी झारखंड में केंद्र सरकार द्वारा कई कोल ब्लाक की नीलामी की गई है और दूसरे कई महत्वपूर्ण खनिजों की भी नीलामी किए जाने के लिए राज्य सरकार पर केंद्र का दबाव बढ़ता जा रहा है.

सदान मोर्चा के रांची जिला ग्रामीण के अध्यक्ष बने मुरारी

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने मुरारी गुप्ता को रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष मनोनीत किया है. मूलवासी सदान मोर्चा का रांची जिला ग्रामीण के अध्यक्ष बनाए जाने पर मुरारी गुप्ता ने केंद्रीय अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त किया है. मुरारी गुप्ता को रांची जिला ग्रामीण का अध्यक्ष बनाए जाने पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, धनंजय राय, वासुदेव महतो, विशाल कुमार साहू, विश्व नाथ गोप, राजेश पासवान, राहुल कुमार, मंजूर खान आदि ने बधाई दी है.

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, रविवार 18 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 130 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	26.5	14.5
जमशेदपुर	28.1	14.4
डालटनगंज	25.9	10.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

पेज 10

मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं : विनेश फोगाट

कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर की हत्या के विरोध में आईएमए की हड़ताल

अस्पताल परिसर में सुरक्षा देने की मांग करतीं जूनियर महिला डॉक्टर.

विरोध प्रदर्शन करते हुए रिम्स परिसर से आईएमए भवन जाते रिम्स के जूनियर डॉक्टर. (फोटो : रमीज)

झारखंड समेत देश भर में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहीं

पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म कर उसकी हत्या के विरोध में देशभर के डॉक्टरों में भारी आक्रोश है. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा 24 घंटे के देशव्यापी हड़ताल की घोषणा के बाद शनिवार को स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सीय सेवा चरमरा गई. अस्पतालों में ओपीडी और वैकल्पिक सर्जरी सेवा को बंद रखा गया. हालांकि, इस दौरान आपातकाली सेवाएं जारी रहीं. आईएमए के हड़ताल का असर कई राज्यों में दिखा. बंगाल और झारखंड के अलावा उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, असम, ओडिशा, केरल, गुजरात, गोवा, नागालैंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश सहित अन्य कई राज्यों में डॉक्टर हड़ताल पर रहे.

संवाददाता। रांची

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की घटना के विरोध में आईएमए द्वारा बुलाई गई 24 घंटे की हड़ताल का असर झारखंड में भी देखने को मिला. शनिवार को झारखंड के सभी मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सीय संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं. आईएमए के प्रदेश सचिव डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि रविवार सुबह छह बजे तक स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहेंगी. उन्होंने कहा कि हमलोग कोलकाता की ट्रेनी महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हैं और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में की गई तोड़फोड़ की निंदा करते हैं. आईएमए की प्रदेश इकाई के प्रमुख डॉ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि सभी सरकारी और निजी अस्पतालों के साथ ही डायग्नोस्टिक सेंटर भी हड़ताल में शामिल हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि हड़ताल के दौरान सभी वैकल्पिक सेवाएं, ओपीडी सेवाएं और वैकल्पिक सर्जरी बंद रहेंगी. हालांकि, आपातकालीन सेवाओं को हड़ताल से मुक्त रखा गया है. आईएमए झारखंड, राज्य स्वास्थ्य संघ (जेएचएसए), आरडीए-सीआईपी और अन्य प्रतिष्ठानों के सदस्य रांची में मार्च भी निकाला.

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए सरकार कदम उठाए : आईएमए : आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशोकन ने कहा कि देश के हर कोने से अन्याय के खिलाफ डॉक्टर एकजुट होकर खड़े हैं. इमरजेंसी सेवाओं का ध्यान रखते हुए हर जगह डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं. हम सरकार से इस दिशा में कदम उठाने की उम्मीद करते हैं, क्योंकि यह सुरक्षा का एक बुनियादी सवाल है, विशेष कर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर. न केवल डॉक्टर, बल्कि देश की सभी महिलाओं की सुरक्षा का सवाल है. उन्होंने आगे कहा कि सरकार से हम उनसे मौलिक अधिकार मांग रहे हैं, जीवन का अधिकार. इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र लिखेंगे. अब उनके हस्तक्षेप का समय आ गया है.

अपराधी को सरकार फांसी की सजा दे : महिला डॉक्टर

रांची। कोलकाता में महिला रेजिडेंट चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में शनिवार को रांची के सभी निजी अस्पतालों ने डॉक्टरों ने सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों के साथ संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया. जेडीए, रिम्स, आईएमए, झासा, आरडीए, सीआईपी और एएचपीआई के सदस्य रिम्स परिसर से मार्च करते हुए आईएमए भवन पहुंचे और यहां प्रदर्शन किया. बता दें कि कोलकाता की घटना के बाद झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में भी चिकित्सकों का आंदोलन जारी है. डॉक्टरों का कहना है कि जिस प्रकार आज देश की बेटी दरिंदों का शिकार हो गयी, दोबारा किसी बेटी के साथ ऐसा कुछ ना हो. इसलिए राज्य भर के डॉक्टर ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अपराधी को फांसी देने की मांग कर रहे हैं. रिम्स में कार्यरत महिला डॉक्टरों ने कहा कि हम तमाम रांची के डॉक्टर बहुत दुखी है, क्योंकि कम उम्र की ट्रेनी महिला डॉक्टर, जो रात-दिन मरीज की सेवा में लगी रहती हैं. मगर उन्हें क्या मिलता है, दर्दनाक मौत. इस प्रकार की घटना से मन विचलित है. ऐसे दरिंदों को सरकार तुरंत फांसी की सजा दे.

रांची की सड़क पर तख्ती लेकर विरोध प्रदर्शन करतीं नर्सिंग स्टाफ.

- झारखंड में चिकित्सकों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं
- निजी अस्पतालों के डॉक्टरों का संयुक्त विरोध प्रदर्शन

स्वास्थ्य मंत्री बोले

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए समिति बनाएंगे

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव उपाय सुझाने के मद्देनजर एक समिति गठित की जाएगी. सरकार ने ये फैसला डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की बैठक के बाद लिया. स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि राज्य सरकारों सहित सभी हितधारकों के प्रतिनिधियों को समिति के साथ अपने सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा. मंत्रालय ने देशभर में आंदोलन कर रहे डॉक्टरों से अनुरोध किया है कि व्यापक जनहित को देखते हुए आप अपने काम पर लौट आएं.

हेमंत ने डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की

- सरकार आपकी वेदना में आपके साथ खड़ी है

- मरीजों को स्वस्थ बनाने में डॉक्टर सार्थक सहयोग दें

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यभर के डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की है. उन्होंने 'एक्स' कर पोस्ट कर कहा है कि बंगाल की घटना की जितनी भी निंदा की जाए, कम है. बंगाल सरकार और केंद्र सरकार की एजेंसियां दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रयत्नशील हैं. मुझे पूरी उम्मीद है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा. सीएम ने आगे लिख है कि राज्य के सभी डॉक्टरों से अपील करना चाहूंगा कि आपकी सरकार, आपकी वेदना में आपके साथ खड़ी है, परंतु राज्य के मरीजों का इलाज भी अत्यंत आवश्यक है. अतः आप काम पर लौटें और मरीजों को स्वस्थ बनाने में अपना सार्थक सहयोग दें.

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए डीजीपी को निर्देश : सीएम ने यह भी कहा है कि मैंने डीजीपी को राज्य के अस्पतालों में भी काम करने वाले सभी कर्मियों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने का निर्देश दिया है. बताते चलें कि राज्यभर के डॉक्टर शनिवार को पांचवें दिन भी हड़ताल पर रहे.

रांची सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने भी कार्य बहिष्कार किया

रांची। आईएमए के आह्वान पर देश भर के डॉक्टर 24 घंटे के लिए हड़ताल पर हैं. इसी कड़ी में रांची के सदर अस्पताल के भी सभी डॉक्टर शनिवार को कार्य बहिष्कार कर धरने पर बैठे रहे. डॉक्टरों ने कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ घटी जघन्य वारदात के सभी दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और त्वरित सुनवाई कर सख्त से सख्त सजा देने की मांग की. इसके साथ ही स्वास्थ्य संस्थानों को विशेष संरक्षित क्षेत्र घोषित करने, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को अत्याचार से बचाने के लिए केंद्रीय कानून बनाने और मेडिकल छात्रों और डॉक्टरों की सुरक्षा से संबंधित नियमों को लागू करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद को सशक्त बनाने की मांग की.

ब्रीफ खबरें

केसी वेणुगोपाल लोक लेखा समिति के अध्यक्ष

नयी दिल्ली। लोस सचिवालय ने प्रमुख संसदीय समितियों के गठन की घोषणा कर दी है. लोक लेखा समिति की अध्यक्षता कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल करेंगे. वहीं, भाजपा के संजय जायसवाल प्राक्कलन समिति, जबकि भाजपा सांसद बैजयंत पांडा सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति के अध्यक्ष होंगे. ओबीसी कल्याण समिति के अध्यक्ष भाजपा के गणेश सिंह, जबकि केंद्रीय इस्पात राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते एससी और एसटी कल्याण समिति के अध्यक्ष होंगे.

नेताजी के पार्थिव अवशेष को लाने की अपील की

कोलकाता। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र कुमार बोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जापान के रेंकोजी मंदिर में रखे नेताजी के पार्थिव अवशेषों को भारत लाने की अपील की है. प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में बोस ने शनिवार को कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि 18 अगस्त की पूर्व संध्या पर मैं आपसे नेताजी के अवशेषों को रेंकोजी से भारत लाने की एक बार फिर अपील करता हूं. उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन किंवदंती बन गया है.

समुद्री बचाव समन्वय केंद्र का उद्घाटन आज

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को चेन्नई में एक नवनिर्मित अत्याधुनिक भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) बल के समुद्री बचाव समन्वयन केंद्र (एमआरसीसी) भवन का उद्घाटन करेंगे. रक्षामंत्री रविवार को ही दो अतिरिक्त प्रमुख सुविधा केंद्र चेन्नई में क्षेत्रीय सामुद्रिक प्रदूषण प्रतिक्रिया केंद्र (आरएमपीआरसी) और पुडुचेरी में तटरक्षक वायु एन्क्लेव (सीजीएई) का भी उद्घाटन करेंगे. रक्षा मंत्रालय की तरफ से यह जानकारी दी गयी है.

वायुसेना, थलसेना का पैरा-ड्रॉप अभियान पूरा

नयी दिल्ली। भारतीय वायुसेना और थलसेना ने संयुक्त रूप से लगभग 15 हजार फुट की ऊंचाई पर 'आरोग्य मैत्री हेल्थ क्यूब' पहल के तहत अपनी तरह के पहले सटीक पैरा-ड्रॉप अभियान को अंजाम दिया. रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को जानकारी देते हुए कहा कि वायुसेना ने क्यूब को एयरलिफ्ट करने और सटीक रूप से पैरा-ड्रॉप करने के लिए अपने उन्नत सामरिक परिवहन विमान सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस का इस्तेमाल किया.

तहव्वुर राणा को प्रत्यर्पित कर सकता है अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने मुंबई में आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के आरोपी एवं पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को बड़ा झटका दिया है. अदालत ने कहा कि उसे संधि के तहत भारत को प्रत्यर्पित किया जा सकता है. राणा ने कैलिफोर्निया में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के आदेश के खिलाफ यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर नाइंथ सर्किट में याचिका दायर की थी. - पेज 12 देखें

पाकुड़ में मंईयां सम्मान योजना का शुभारंभ आज

महिलाओं के बीच 4.90 करोड़ रुपये बांटेंगे सीएम

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को पाकुड़ में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का शुभारंभ करेंगे. कार्यक्रम गायबथान पंचायत के तिलका मांझी चौक स्थित आयोजन स्थल पर होगा. इस दौरान सीएम 16,937 लाभुकों के बीच करीब 121 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण करेंगे. इसमें मंईयां सम्मान योजना के तहत महिला लाभुकों के बीच कुल 4.90 करोड़ रुपये का वितरण किया जाएगा. हर महिला लाभुक के खाते में डीबीटी के माध्यम से एक हजार रुपये की सम्मान राशि हस्तांतरित की जाएगी.

201 योजनाओं शिलान्यास करेंगे सीएम : कार्यक्रम के दौरान सीएम हेमंत सोरेन पांच विभागों की 72 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से 201 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे. जिन योजनाओं का शिलान्यास होगा, उनमें ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल की 18 करोड़ 81 लाख रुपये लागत की 65 योजनाएं, ग्रामीण कार्य विभाग की 19 करोड़ 13 लाख रुपये लागत की 13 योजनाएं, लघु सिंचाई प्रमंडल की 9 करोड़ 54 लाख रुपये की लागत की 9 योजनाएं शामिल हैं. इसके अलावा सीएम झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड की 3.83 करोड़ की लागत की एक योजना और भवन प्रमंडल की 22.04 करोड़ लागत वाली 113 योजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे.

14 योजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा : मुख्यमंत्री 32 करोड़ 88 लाख रुपये की विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन विभागों की 32 करोड़ 87 लाख रुपये की 14 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे. इस दौरान वे ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल की 26 करोड़ 47 लाख रुपये की लागत की 6 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे. सिंचाई प्रमंडल की एक करोड़ 72 लाख रुपये की 5 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे. झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड की 2 करोड़ 36 लाख रुपये की एक योजना का उद्घाटन करेंगे. भवन प्रमंडल विभाग की 2 करोड़ 32 लाख रुपये की 2 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे.

- सीएम हेमंत पांच विभागों की 72 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से 201 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे.

16,937

लाभुकों के बीच 121 करोड़ की परिसंपत्तियों का वितरण किया जाएगा

सुल्तानगंज-अगुवानी पुल का हिस्सा गंगा में समाया

खगड़िया में निर्माणाधीन फोरलेन पुल का ध्वस्त स्ट्रक्चर.

लगातार न्यूज नेटवर्क। खगड़िया

सुल्तानगंज-अगुवानी फोरलेन पुल का सुपर स्ट्रक्चर शनिवार की सुबह ढह कर गंगा नदी में समा गया. दो साल के अंदर यह तीसरी घटना है, जब सुल्तानगंज को खगड़िया से जोड़ने वाले इस पुल का हिस्सा गिरा है. जानकारी के मुताबिक, खगड़िया के अगुवानी घाट की तरफ से पुल के पिलर नंबर नौ और 10 बे बीच का हिस्सा गंगा नदी में समा गया.

खगड़िया के डीएम अमित कुमार पांडेय ने बताया कि अगुवानी-सुल्तानगंज पुल का एक स्लैब शनिवार की सुबह करीब आठ बजे गिर गया. उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन पुल का पूरा ढांचा, जिसमें खामियां हैं, वहां निर्माण कार्य पहले ही रुका हुआ है. पटना हाईकोर्ट के निर्देश पर खामियों वाले ढांचे को ठेकेदार पर तोड़ने का काम चल रहा है. उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है. गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में बिहार में कई पुल ढह गए हैं, जिससे पुल के निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं.

4 जून 2023 व 30 जून 2022 को भी गिरा था स्ट्रक्चर : एक साल पूर्व चार जून 2023 को भी उत्तर बिहार को पूर्वी बिहार से जोड़ने वाली सुल्तानगंज -अगुवानी पुल का सुपर स्ट्रक्चर नदी में गिर गया था. इस घटना में पुल पर ड्यूटी कर रहे दो गार्ड भी लापता हो गये थे. उस वक्त भी अगुवानी की तरफ से पुल का के पिलर नंबर 11 व 12 के बीच सुपर स्ट्रक्चर का करीब 200 मीटर का हिस्सा टूट कर नदी में समा गया था. इससे पहले भी 30 जून 2022 को तड़के करीब साढ़े तीन बजे सुल्तानगंज-अगुवानी फोरलेन पुल का सुपर स्ट्रक्चर ध्वस्त हुआ था.

निर्माण कंपनी एसपी सिंगला पर उठते रहे हैं सवाल : सुल्तानगंज-अगुवानी फोरलेन पुल का निर्माण एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किया जा रहा है. पटना में एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन द्वारा 80 फीसदी फ्लाईओवर का निर्माण किया गया है. हालांकि, इस कंपनी की कार्यशैली पर पूर्व से ही सवाल उठते रहे हैं.

खास बातें

- दो साल में तीसरी बार गिरा है फोरलेन पुल का स्ट्रक्चर
- कोई हताहत नहीं, हाईकोर्ट के आदेश पर बंद है काम
- पुल के खामियों वाले ढाचे को तोड़ने का चल रहा है काम

वे डोलत रस आपने उनके फाटत अंग

विश्लेषण

चंद्रमौली

इस बार स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से जो कुछ कहा, वह भाजपा के सहयोगियों के लिए विचारणीय है. प्रधानमंत्री का भाषण अकाडमिक भी था और उसमें पुराने भाषणों का दोहराव भी समाहित था. लेकिन जो नया था, वह देश की राजनीति के लिए उत्प्रेरक भी हो सकता है. उन्होंने कहा कि देश में सेक्युलर समान नागरिक संहिता (सीसीसी) लागू होनी चाहिए और वर्तमान कम्युनल सीसीसी खत्म होनी चाहिए. हालांकि देश में कोई समान नागरिक संहिता है ही नहीं. जो संहिता है, वह असमान यानी सभी धर्मों के लिए अलग-अलग. शायद इसीलिए वह कम्युनल है. ऐसा हो पाएगा या नहीं और होगा भी कैसे, यह तो मोदी और भाजपा वाले ही बता पायेंगे. लेकिन क्या इसके लिए नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, अनुप्रिया पटेल जैसे सहयोगी तैयार होंगे? नेताओं ने हमेशा उस सीसीसी का विरोध किया है, जिसे प्रधानमंत्री सेक्युलर बता रहे हैं और वह भी लाल किले से.

अब सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री यह तथ्य नहीं जानते हैं कि मुस्लिम मतों का सौदागर विपक्ष तो ऐसी किसी भी पहल का पुरजोर विरोध करेगा ही, एनडीए के घटक दल भी मुंह फुलाएंगे, उन्हें सब पता है. बावजूद इसके वह इस बाबत अपना संकल्प दोहरा रहे हैं, तो जाहिर है वह अपनी सरकार को खतरे में डालने की हद तक आगे बढ़ने को तैयार हैं. यदि इस मुद्दे पर सरकार गिर गई, क्योंकि भाजपा के पास अकेले स्पष्ट बहुमत नहीं है, तो मोदी शायद इसी मुद्दे पर मध्यावधि चुनाव में उतरने की योजना पर काम कर रहे होंगे. भाजपा के साथी दलों ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है, लेकिन मुस्लिम मतों की तिजारत से उन्हें भी गुरेज नहीं है.

याद कीजिये, एनडीए तब बना था जब भाजपा ने अपने महत्वपूर्ण मुद्दे राम मंदिर, धारा 370 और सीसीसी को ठंडे बस्ते में डालकर गंठबंधन के लिए हाथ बढ़ाया था. कभी अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बन पायी थी. तब लालकृष्ण आडवाणी ने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से कहा था कि वैचारिक प्रतिबद्धताओं की एक सीमा होती है. इसे छोड़े बगैर बहुमत जुटाना और सरकार बनाना असंभव है. जब संसद में विपक्ष ने प्रधानमंत्री वाजपेयी पर तंज कसते हुए कहा कि आपने अपने मुख्य मुद्दे छोड़ क्यों दिए, तब उन्होंने संसद में ही कह दिया कि हमने अपने मुद्दे छोड़े, क्योंकि हमारे पास बहुमत नहीं है. लेकिन आज बहुमत न होते हुए भी सीसीसी को मोदी सार्वजनिक रूप से उछाल रहे हैं, तो वह देश को बताना चाहते हैं कि हम अपनी प्रतिबद्धता नहीं छोड़ेंगे. वह शायद यह भी इंगीत कर रहे हैं कि यह नये जमाने की नयी भाजपा है, जो विपरित परिस्थिति में भी अपने मुद्दे नहीं छोड़ती है.

भाजपा अपने दो मुद्दे राम मंदिर और धारा 370 पूरे कर चुकी है. एक अदालत के आदेश से पूरा हुआ और दूसरा स्पष्ट बहुमत के कारण. लेकिन तीसरा मुद्दा इस तीसरे कार्यकाल में पूरा कैसे होगा ? इस सवाल के बावजूद मोदी यह संदेश दे रहे हैं कि उनके तीसरे कार्यकाल को भी निरंतरता में ही देखना चाहिए. यानी एनडीए सिर्फ मुखौटा है, असल में सरकार भाजपा की ही है. संभव है सीसीसी पर पेश होनेवाला विधेयक उसी प्रकार संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया जाए, जैसे वक्फ विधेयक को भेज दिया गया था और वह भी एनडीए के साथियों के सुझाव पर. विपक्ष इस पर उम्मीद लगाये बैठा था कि नीतीश, चंद्रबाबू, चिराग की पार्टियां विरोध करेंगी, लेकिन सबने संसद में समर्थन में दहाड़ा और विपक्ष के हाथों के तोते उड़ गये. - शेष पेज 11 पर

राज्यपाल ने कर्नाटक के सीएम के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी

सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलेगा

एमयूडीए घोटाला

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है. यह फैसला टीजे अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा की ओर से दायर तीन याचिकाओं पर आधारित है. कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 26 जुलाई को कारण बताओ नोटिस जारी किया था. उन्होंने मुख्यमंत्री को उन पर लगाए

निर्वाचित सरकार को हटाने की साजिश : सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एमयूडीए भूखंड आवंटन घोटाले के संबंध में राज्यपाल द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दिए जाने के बाद इस्तीफा देने से इनकार किया है. उन्होंने कहा कि मैंने ऐसा कोई गलत काम नहीं किया है, जिससे मुझे इस्तीफा देना पड़े. सिद्धारमैया ने ने कहा कि इस पर अदालत में सवाल उठाया जाएगा और कानूनी रूप से इसका सामना करेंगे. सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि राज्य की निर्वाचित सरकार को हटाने की एक बड़ी साजिश है.

क्या है मामला : सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को मैसूरू में प्रतिपूरक भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी उस भूमि की तुलना में अधिक था. इसे एमयूडीए द्वारा अधिग्रहण किया गया था. एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे. यह घोटाला 5,000 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है.

पर आरोपों पर जवाब देने और यह बताने के निर्देश दिए गए थे कि उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति क्यों नहीं दी जानी चाहिए?

ब्रीफ खबरें

को-आपरेटिव कालोनी में दुर्गा पूजा की तैयारी शुरू

धनबाद। जामाडोबा को-ओपरेटिव कालोनी नुनिकडीह बस्ती स्थित आदि शक्ति दुर्गा मंदिर में दुर्गापूजा को लेकर बैठक की गई. जिसमें वर्ष 2024 के दुर्गा पूजा के लिए नई कमिटी पर चर्चा की गई .बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने पूर्व की गठित कमिटी पर ही सहमति जताई. जिसमें अध्यक्ष अनुराग सिंह ,सह अध्यक्ष संतोष प्रसाद, श्रीनिवास यादव, सचिव मंटु सिंह, सहसचिव राजकुमार सिंह, कोषाध्यक्ष बैजनाथ प्रसाद महतो, सह कोषाध्यक्ष देवाशिष मिश्रा, संदीप बर्मा एवं अन्य सदस्यगण शामिल हैं. बैठक के दौरान अध्यक्ष अनुराग सिंह ने विगत वर्ष की आय एवं व्यय का ब्यौरा दिया.

डेफोडिल्स एकाडेमी व बचपन में सावन महोत्सव

पुटकी। डेफोडिल्स एकाडेमी व बचपन में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया. सावन महोत्सव में राखी बनाओ ,फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के साथ सावन क्वीन , एवं सावन किंग का चयन किया गया. प्राचार्य तापस बनर्जी ने विजयी प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया. छात्र-छात्राओं द्वारा कई तरह के व्यंजन का स्टॉल लगाया गया था. छात्रा ,शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा नृत्य पेश किया गया. मंच संचालन कविता दत्ता एवं डोली प्रसाद ने किया.

37 चीफ पर्सनल मैनेजर का महाप्रबंधक में प्रमोशन

धनबाद. कोल इंडिया में शनिवार को कार्मिक विभाग के 37 चीफ पर्सनल मैनेजर को कार्मिक महाप्रबंधक में पदोन्नति दी गई. सीआईएल द्वारा जारी सूची में बीसीसीएल के कार्मिक विभाग में कार्य कर रहे कुमार मनोज ,सरोज पांडे ,सुनील कुमार जो जीएम पद पर प्रोमोशन दिया गया. इसके अलावा रेखा पांडे सीसीएल,सुजाता रानी एसईसीएल,सुखदेव सेठ एमसीएल ,गिरीश पटनायक एमसीएल, विक्टर कुजूर एनसीएल का नाम जीएम के प्रमोशन सूची में शामिल किया गया है.

फरार वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजा जेल

महुदा। महुदा पुलिस ने शुक्रवार की देर रात छापेमारी कर फरार वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. थाना प्रभारी धीरज कुमार ने बताया कि तेलमोचो निवासी बिरू महतो उर्फ विरेंद्र महतो के खिलाफ न्यायालय में सेशन ट्राईल केस नम्बर 82/2011 चल रहा है. आरोपी को न्यायलय में हाजिर नहीं होने पर गैर जमानती वारंट जारी किया गया था. वाबजूद इसके आरोपी फरार चल रहा था. शुक्रवार की देर रात महुदा पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया. शनिवार को उसे जेल भेज दिया गया. मामले की तहकीकात एएसआई महेन्द्र राम कर रहे हैं.

शहीद मणीन्द्र नाथ मंडल की मनाई गई जयंती

कतरास। जमुआटांड़ में शहीद मणीन्द्र नाथ मंडल की जयंती शनिवार को मनाई गई. इस अवसर पर मणीन्द्र मंडल चौक स्थित शहीद की प्रतिमा पर लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. झामुमो नेता राजेन्द्र प्रसाद राजा और झामुमो किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष शिव प्रसाद महतो ने शहीद की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लिया. मौके पर बाघमारा प्रखंड झामुमो किसान मोर्चा के अध्यक्ष प्रफुल्ल मंडल, झामुमो के वरिष्ठ नेता शिबू मांझी, रामप्रसाद सिंह समेत पार्टी के अन्य नेता मौजूद थे.

सर्पों की देवी मां मनसा पूजा की धूम

भक्तीभाव से की गई पूजा, उपवास के बाद आज भक्त ग्रहण करेंगे प्रसाद

संवाददाता । धनबाद

सर्पों की देवी मां मनसा की पूजा धनबाद के शहरी सहित ग्रामीण इलाकों में धूमधाम से मनाई गई. धनबाद शहर स्थित कोलाकुमा के धीवर बस्ती, सरायढेला दास पाड़ा, मनईटांड़ कुम्हार टोला, गांधी नगर सब्जी बागान मोड़ में मनसा पूजा की धूम रही. जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में दामोदरपुर, करमाटांड़, पलानी सहित कई गांवों में धूमधाम से मनाई गई. शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ मनसा पूजा की शुरुआत हुई. शनिवार को लोगों ने उपवास रखकर मां मनसा की पूजा-अर्चना की. मनसा पूजा बांग्ला श्रावण के अंतिम से शुरू होकर पूरे भादो महीना तक चलती है. शुक्रवार को बांग्ला भादो महीना की संक्रांति पर मां मनसा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की गई. पूजा की रात को बकरा और बत्तख की बलि देने की परंपरा है. अगले दिन पारण के मौके पर इसे प्रसाद के रूप में खाया जाता है.

श्रीश्री मनसा पूजा समित दामोदरपुर मेयरा टोला में श्रद्धा भाव से मनाई जा रही है. उपवास कर श्रद्धालु शनिवार की शाम तालाब गए और वहां से कलश में जल लेकर आए. इसके बाद पूजा अर्चना शुरू हुई. मध्य रात्रि में निशा पूजा फूल, पेड़ा, धान के लावा, पान, सुपारी, दूध, धान, अरवा चावल, जावा आदि पूजन सामग्री से पूजा की गई. उपवास रखे श्रद्धालु रविवार की सुबह पारण करेंगे. इसमें मुख्य रूप से उमा पद मंडल, हाबू मंडल, मनोहर मंडल, फटीक मंडल, संजय मंडल, दिलीप मंडल, राजकुमार मंडल, उत्तम मंडल, तपन मंडल, गोपी मंडल, ध्रुव मंडल, रोहित मंडल, कारण सहित अन्य लोग मौजूद थे.

तालाब से कलश लाते भक्त

कलियासोल प्रखंड के विभिन्न गांवों में मां मनसा की पूजा

निरसा। कलियासोल प्रखंड के आंखद्वारा समेत विभिन्न गांवों में मां मनसा देवी पूजा की धूम मची है. शनिवार को सायंकाल कृष्णा बांध से जल लाकर भक्ति भाव से मां की मूर्ति के सामने घट स्थापित किया गया. रात्रि में उपासकों ने विधि-विधान से मां की पूजा-अर्चना की. रविवार को पारण के दिन प्रसाद वितरण के बाद बकरे की बलि दी जाएगी. मान्यता है कि मां मनसा की सच्चे मन से पूजा करने पर मुरादें पूरी होती है.

पारण आज, दी जायेगी बकरे की बलि

गोमो । रेल नगरी गोमो, खेसमी व नया बाज़ार सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शनिवार को सांपों की देवी मां मनसा की पूजा अर्चना विधिवत की गई. भक्तों ने निर्जला व्रत रखकर रात मां मनसा देवी की आराधना की. रेल नगरी गोमो के लोको कॉलोनी, नया बाजार खेसमी स्थित मंडप मां मनसा देवी की बड़ी प्रतिमाएं स्थापित की गई, पंडाल बनाए भी और क्षेत्र को सजाया गया. खेसमी के पूर्व मुखिया बैजनाथ रजक ने बताया कि आदि काल में पूर्वजों ने मां मनसा देवी की स्थापना की थी, आज कई पीढ़ी बीत गए, आज भी पूजा परम्परागत तरीके से होता आ रहा है. मां मनसा देवी

सच्चे ह्रदय से पूजा अर्चना करने पर सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं. समाजसेवी रविन्द्र महतो ने बताया कि खेसमी पूरा गांव मनसा पूजा को लेकर उल्लास में है. भक्त जन निर्जला उपवास में है और देर रात्रि को मां मनसा देवी की विधिवत पूजा अर्चना की जायेगी. रविवार को पारण के दिन मन्नत पर अनुमानित लगभग ढाई सौ के आसपास बकरे की बलि दी जायेगी. प्रसाद पूरे गांव, रिशतेदारों में वितरण किए जायेंगे. खरियो रामकुंड़ा,नारकोपी सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में भी धूमधाम के साथ मां मनसा पूजा मनाई जा रही है. प्रतिमा स्थापित कर मां मनसा देवी की विधिवत मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना की जा रही है. कई स्थानों पर रंगारंग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया. ग्रामीण क्षेत्र में लोगों ने अपने-अपने घरों में भी प्रतिमा स्थापित की है, सजाया संवारा गया है. तीन दिन चलने वाली मनसा पूजा में रविवार पारण को बकरे की बलि दी जाएगी और प्रसाद वितरण किए जाएंगे.

सीआरपीएफ कैंप में नर्सिंग की छात्राओं ने जवानों को बांधी राखी

धनबाद। सीआरपीएफ कैंप (प्रधानखंता) में धनबाद स्कूल ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने करीब 100 जवानों की कलाइयों पर बांधी राखी. राखी बंधवाकर जवान काफी खुश हुए. जवानों का कहना था कि पिछले 15 साल में वे एक बार भी रक्षाबंधन पर घर नहीं गया. इन बहनों से राखी बंधवाकर मैं अपने आप को बहुत ही गौरवांवित महसूस कर रहे हैं. सीआरपीएफ जवानों में डिप्टी कमांडेंट अमित कुमार झा, इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार, मनमोहन सिंह, मनोज कुमार बिरमा राम दशरथ गोंड,किशन सहाय मीणा तथा धनबाद स्कूल ऑफ नर्सिंग की तरफ से संतोष कुमार सिंह मुकेश कुमार, तारा मिश्रा, टुंपा दास, नूरा खातून, अंकिता,नीतू कुमारी,रेखा, संजू सहित 50 नर्सिंग छात्राएं उपस्थित थी.

रक्षाबंधन प्रोग्राम के पश्चात पौधरोपण का भी कार्यक्रम छात्राओं और जवानों द्वारा किया गया. सभी छात्राओं ने करीब 50 फलदार पौधे लगाए.

एकल विद्यालय की आचार्या ने पुलिस कर्मियों को बांधा रक्षा सूत्र

निरसा। निरसा संच एकल विद्यालय की आचार्या बहनों ने शनिवार को निरसा थाना के पुलिस कर्मियों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके साथ सुरक्षा बंधन से मनाया. उक्त अवसर पर पुलिसकर्मी भी भावविभोर होकर आचार्य बहनों को ढ़ेर सारा आशीष दिया. आचार्य बहनें रानी मरांडी, मालती राय,खुशबू कुमारी, गीता महतो इत्यादि ने बताया कि पुलिसकर्मी आम लोगों की सुरक्षा के लिए अपनी खुशियों को दरकिनार कर देते हैं. हर वर्ग के लोगों के लिए सरकार की ओर से पर्व त्योहार के लिए छुट्टियां निर्धारित की गई है. वे लोग अपने-अपने घरों में जाकर अपने रिश्तेदारों के साथ त्योहार की खुशियां मनाते हैं, इसके विपरीत

हमारे पुलिस के जवान एवं पुलिस पदाधिकारी इन खुशियों से वंचित रह जाते हैं. रक्षाबंधन पर भाई अपने बहनों के पास जाएंगे तथा अपनी कलाई पर राखी बंधवाएंगे. इसके विपरीत पुलिस के जवान पर्व के दिन अपने-अपने थानों एवं चेक पोस्टों पर हमारी एवं कानून की रक्षा के लिए तैनात रहेंगे.इसी कारण एकल विद्यालय द्वारा निष्ठा से ड्यूटी निभा रहे पुलिसकर्मियों के साथ रक्षाबंधन त्योहार मनाते हैं. ताकि पुलिसकर्मियों को बहनों की कमी महसूस ना हो. पुलिस कर्मियों को रक्षा सूत्र बांधते हैं. जिससे उन्हें भाई की कमी महसूस ना हो तथा वे नई ऊर्जा के साथ क्षेत्र में सुख शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें. थाना प्रभारी मंजीत कुमार सिंह ने कहा कि एकल विद्यालय की बहनों द्वारा सभी पुलिसकर्मियों को रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें उनके कर्तव्य की याद दिलाए. आचार्य बहनें उनकी बहन बनाकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें बहन की कमी महसूस नहीं होने दी।

उच्च शिक्षा से ही चंद्रवंशी समाज का उत्थान : उत्पाद आयुक्त

जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी ने उत्पाद आयुक्त को किया सम्मानित

संवाददाता । धनबाद

धनबाद जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी के नेतृत्व में एलसी रोड स्थित आवास में चंद्रवंशी समाज के लोगों की एक बैठक हुई. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उत्पाद आयुक्त रामलीला रवानी उपस्थित थे. बैठक का संचालन पत्रकार राजेन्द्र वर्मा ने किया. सर्व प्रथम जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी एवं गिरिडीह लोक सभा के सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी ने उत्पाद आयुक्त रामलीला रवानी को बुके एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया.सरिता देवी ने कहा

कि उत्पाद आयुक्त का धनबाद में पदस्थापित होने से निश्चित रूप से समाज के बच्चों को कुछ सीखने का अवसर मिलेगा. वहीं उत्पाद आयुक्त रवानी ने कहा कि समाज उत्थान में शिक्षा बहुत ही जरूरी है. क्योंकि शिक्षा के बगैर आप मुकाम तक नहीं जा सकते हैं.उन्होंने समाज के लोगों से कहा कि यदि आप समाज या परिवार को उत्थान की ओर ले जाना चाहते हैं तो सबसे पहले आप अपने बच्चों को उच्च शिक्षा की और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें. शिक्षा पर खर्च करें.क्योंकि शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिसके सहारे आप अपने परिवार के साथ-साथ अपने समाज को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकते हैं.उन्होंने समाज के लोगों को शराब सेवन नहीं करने की सलाह दी है. मौके पर राष्ट्रीय मानव अधिकार के प्रदेश अध्यक्ष सह झामुमो के नेता सुरेंद्र रवानी,भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष सह चंद्रवंशी समाज के पूर्व जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार रंजन, चंद्रवंशी समाज के अमरजीत कुमार, रंजीत कुमार,जितेंद्र कुमार, चमारी राम, दिलीप सिंह, मगधीश कुमार ,संजय कुमार, जोराखन सिंह, विजय कुमार हरिओम, छोटू सिन्हा, अशोक प्रसाद, सुनील रवानी, राजेश कुमार,मनोज कुमार रवानी, शिबू चंद्रवंशी, अजय कुमार,सुचित कुमार चंद्रवंशी एवं कई समाज के लोग शामिल थे.

बीसीसीएल : प्रतिदिन उत्पादन रिपोर्ट

एरिया		कोल		ट्रांसपोर्ट	
बरोरा	-	17000	टन	16166	टन
ब्लॉक-2	-	14524	-	14740	-
गोविंदपुर	-	1218	-	3480	-
कतरास	-	6140	-	6346	-
सिजुवा	-	8013	-	3998	-
कुसुंडा	-	11007	-	4390	-
पंजाब	-	666	-	0	-
बस्ताकोला	-	11018	-	6165	-
लोदना	-	11050	-	0	-
ईजे	-	10010	-	0	-
सीवी	-	1640	-	0	-
डब्ल्यू जे	-	960	-	0	-
कुल		93246		55285	

छात्राओं ने सीआईएसएफ जवानों को बांधी राखी

■ न्यू एंजेल्स होम स्कूल में राखी बनाओ प्रतियोगिता

संवाददाता । धनबाद

डिगावाडीह न्यू एंजेल्स होम स्कूल में शनिवार को राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया .इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बिंदु यादव ने की.प्रतियोगिता में छात्राओं ने एक से बढ़कर एक राखी बनाई .प्रतियोगिता को लेकर छात्राएं काफी उत्साहित दिखीं. इस दौरान स्कूल के प्राचार्य मोहम्मद आफताब आलम और स्कूल के निदेशक मोहम्मद परवेज अख्तर ने देशवासियों को रक्षाबंधन पर सभी को शुभकामनाएं एवं बधाई दी.इस दौरान छात्राओं ने जेलगोरा सीआईएसएफ कैम्प जाकर जवानों की कलाई पर राखी बांधकर देश की सुरक्षा एवं बहनों की रक्षा की कामना की.

निचितपुर में राखी बनाओ प्रतियोगिता

संवाददाता । कतरास

निचितपुर इंस्टिट्यूट ऑफ़ हेल्थ एंड रिसर्च एजुकेशन सेंटर में एएनएम नर्सिंग छात्राओं के बीच लायंस क्लब ऑफ कतरास ने राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जज की भूमिका में लायंस क्लब कतरास की निदेशक सरिता सिंह और डॉ. मधुमाला रही. दोनों जजों ने बेहतर राखी बनाने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया. मौके पर नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल उषा किरण तिर्की, लिली कल्याणी, एस्टर एक्का, श्रावणी महतो, विकास सिन्हा, रमाशंकर तिवारी, राजन प्रसाद, सुनिधि समेत अन्य लोग मौजूद थे.

maya ACADEMY
Classes (BOARDS - CBSE, ICSE, JAC)
VI-X - (English, Social Science, Computer)
XI-XII (ARTS) - (English, History, Geography, Pol.Sc, Computers)
U.G. & P.G Courses
Honour Subjects - English, History
M.A. Subjects - English, History
IGNOU, BBMKU, VINOBA BHAVE (VBU)
By :- SONA BISWAS
M.A (ENGLISH), M.A (HISTORY),M.C.A
DOEACC('A' Level qualified) - New Delhi

चूल्हा चौकी, नावाडीह (असर्फी अस्पताल के समीप, धनबाद)

GC SALES
Mob. : 9431125135
Praveen Agarwal
Housing of Distribution
safari
All Item Ladies Purse Local Toli

Kadmiya Bhawan, Ratanji Road, Purana Bazar, Dhanbad (Jharkhand)

स्वतंत्रता दिवस व रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
शारदा सिंह
अध्यक्ष
जिला परिषद

स्वतंत्रता दिवस व रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
कुमार महतो
विधायक प्रतिनिधि
सिन्दरी

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in धनबाद, रविवार 18 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 130 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

अभाविप ने ममता बनर्जी का फूंका पुतला

धनबाद। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में देशभर के लोग आक्रोशित हैं. इसे लेकर धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया .

मंइयां योजना के सभी आवेदन स्वीकृत

महुदा : झारखण्ड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के तहत पडुगोड़ा पंचायत अंतर्गत अब तक 826 आवेदन प्राप्त हुए है. जिसमें से सभी 826 आवेदनों में 826 आवेदनों की प्रखण्ड स्तरीय स्वीकृति प्रदान हो चुकी है. उक्त जानकारी पंचायत के मुखिया महेश कुमार पटवारी ने दिया. उन्होंने दावा किया है कि इसके साथ ही पूरे प्रखंड में पडुगोड़ा पंचायत में शत प्रतिशत स्वीकृति लेने वाला पहला पंचायत बन गया है.

विभा बनी भाजपा महानगर महिला की जिलाध्यक्ष

धनबाद । भाजपा महिला मोर्चा के जिलाध्यक्षों की घोषणा शनिवार को हो गई. महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह ने सभी जिलाध्यक्ष की घोषणा कर सूची जारी कर दी है. धनबाद की विभा रानी सिंह को भाजपा महानगर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बनाया गया है. विभा रानी को जिलाध्यक्ष बनने पर पूर्व जिलाध्यक्ष रीता प्रसाद ने बधाई दी है.

नवनिर्मित पुस्तकालय भवन का उद्घाटन

धनबाद। बीसीसीएल सीएमडी समीरन दत्ता के मार्गदर्शन में धनबाद और आसपास के क्षेत्रों में सीएसआर गतिविधियों के तहत निरंतर जन कल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं. इसी क्रम में शनिवार को टुंडी ब्लॉक के पोखरिया स्थित शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक हाई स्कूल में पुस्तकालय भवन का उद्घाटन किया गया. नवनिर्मित पुस्तकालय का निर्माण सीएसआर स्कीम के तहत 29 लाख की लागत से किया गया है. मौके पर बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) मुरलीकृष्ण रमैया, स्थानीय विधायक मथुरा प्रसाद महतो समेत अन्य बीसीसीएल अधिकारी मौजूद थे.

सफाई कर्मियों को मिला रेन कोट

धनबाद । बारिश में बचाव के लिए शनिवार को नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त की ओर से सभी सफाई कर्मियों एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक को रेन कोट का वितरण किया गया. नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने सभी 55 वार्डो के सफाई कर्मियों, सुपरवाइजर एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक को रेन कोट दिया. मौके पर नगर आयुक्त ने बताया कि 800 कर्मियों को रेन कोट दिया गया. मौके पर सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार, प्रसून कौशिक, फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार सहित निगम के नगर प्रबंधक मौजूद थे.

ट्रेनी डॉक्टर की दुष्कर्म-हत्या मामले में 24 घंटे का हड़ताल

सड़क पर उतरे डॉक्टर, इलाज नहीं होने पर परेशान रहे मरीज

संवाददाता। धनबाद

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले का देशव्यापी विरोध हो रहा है. शनिवार को आईएमए के आह्वान पर धनबाद के सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक 24 घंटे हड़ताल पर रहे. हड़ताल की शुरुआत शनिवार सुबह 6 बजे हुई जो रविवार सुबह 6 बजे तक चलेगी.

इस दौरान शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, (एसएनएमएमसीएच) सदर अस्पताल तथा सभी निजी क्लिनिकों एवं अस्पतालों में इमरजेंसी सेवा के अलावा अन्य सेवाएं बंद रही. ओपीडी सेवा बंद रहने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा.

एसएनएमएमसीएच इलाज कराने पहुंचे मरीज सुधीर शर्मा ने बताया कि हड़ताल के कारण परेशान हूं. इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है. दूसरे मरीज मोहित चौहान ने बताया कि मुझे अपना इलाज कराना जरूरी है. इलाज नहीं होने से परेशान हूं. मेरे पास उतने पैसे नहीं कि दूसरे जगह जाकर इलाज कराउं.

हड़ताल के बारे में आईएमए धनबाद के अध्यक्ष डॉ. बीएन गुप्ता ने बताया कि यह दुखद घड़ी में. हम मृतका डॉक्टर के परिजनों, दोस्तों और सहकर्मियों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं. सरकार आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दे. केंद्र सरकार अलग से कानून बनाकर डॉक्टरों को सुरक्षा प्रदान करे.

आईएमए धनबाद के सचिव डॉ. राकेश इंदर सिंह ने बताया कि हम कोलकाता की जघन्य घटना का कड़े शब्दों में विरोध करते हैं. सरकार और आम लोगों से आग्रह है कि इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाए.

आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर मेजर चंदन ने कहा कि होनहार महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले ने चिकित्सकों को गहरे शोक में डाल दिया है. हालात वाकई चिंताजनक है. डॉक्टरों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए.

झारखंड राज्य चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने भी हड़ताल का समर्थन किया है. संघ के महामंत्री संजूत कुमार सहाय ने बताया कि सरकार से मांग की है कि महिला डॉक्टर की हत्या के आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले. चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए देशभर में केंद्रीय मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए.

महगामा : छेड़खानी का आरोप लगाकर चिकित्सक की पिटाई

गोड्डा। छेड़खानी का आरोप लगाकर कुछ लोगों ने चिकित्सक के आवास में घुसकर तोड़फोड़ किया एवं डॉक्टर तथा उनके परिजनों के साथ मारपीट की. घटना महगामा थाना अंतर्गत एनएचएस कॉलोनी की है. बीते रात्रि करीब साढ़े नौ बजे चिकित्सक शिवेश कुमार सिंह अपने सरकारी क्वार्टर में थे. इसी बीच किसी ने दरवाजे पर दस्तक दिया. पुत्र द्वारा दरवाजा खोले जाने पर बताया कि डॉक्टर से दिखाना है. डॉक्टर के बाहर निकलते ही आधे दर्जन से अधिक लोगों ने डॉक्टर पर लाठी डंडा से हमला बोल दिया. बचाने के लिए आए पत्नी, बच्चे को भी नहीं छोड़ा गया. बगल से आए बाहरी लोगों को भी पीटा गया. बाद में सभी हमलावर घर के अंदर प्रवेश कर गए और घर में रखा सामान, टीवी, फ्रिज, फर्नीचर सभी को तोड़ फोड़ कर तहस नहस कर दिया. आरोप है कि घर में रखे अलमीरा को भी तोड़ डाला और नगदी सहित अन्य सामानों को लूट लिया. पुलिस पर भी लापरवाही का आरोप लगाया जा रहा है. पीड़ित परिवार के अनुसार मौके पर जब महागामा पुलिस पहुंची तो उस वक्त हमलावर मौजूद थे, लेकिन पुलिस ने कोई भी एक्शन नहीं लिया. सभी आरोपी आराम से पुलिस के सामने ही चलते बने. किसी को पकड़ा भी नहीं गया. घटना में शामिल चार हमलावर की पहचान की गई है, जो बगल के ही बताए जाते हैं. पुलिस इस मामले में चुप्पी साधे हुए है.

हैवानियत करने वाले आरोपियों को फांसी हो- डॉ. शिवानी झा

कतरास। आरजी कर अस्पताल की घटना का विरोध करते हुये श्री कृष्णा मातृ सदन की संचालिका सह प्रसिद्ध महिला चिकित्सक डॉ. शिवानी झा ने कहा कि इस घटना से हम सभी मर्माहत हैं. ऐसी जघन्य घटना की सभ्य समाज मे कल्पना नहीं की जा सकती. एक तरफ चिकित्सकों को समाज में भगवान का दर्जा दिया जाता है. वहीं दूसरी ओर इसी समाज में चिकित्सकों के साथ अमानवीय बर्ताव किया जाता है.

निजी अस्पतालों से मायूस लौटे मरीज

धनबाद/ तोपचांची। धनबाद के एशियन जालान अस्पताल के सेंटर हेड डॉ. सी राजन ने कहा कि आईएमए के आह्वान पर निजी और सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर 24 घंटे के देशव्यापी हड़ताल पर है. इस अस्पताल के अधिकारी मोहम्मद ताजुद्दीन ने कहा कि अस्पताल के मुख्य द्वार पर सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों ने हड़ताल किए. वहीं तोपचांची सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी हड़ताल पर रहे. इस दौरान ओपीडी कार्य पूरी तरह बंद रखा गया, जिससे मरीज परेशान रहे. आईएमए ने 24 घंटे के हड़ताल का आह्वान किया था. इस दौरान अस्पताल परिसर में डॉक्टरों ने नारेबाजी की और आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग सरकार से की.

गोफ में गिरने से मजदूर झुलसा, हालत गंभीर

संवाददाता। झरिया

शनिवार को लोदना क्षेत्र के कुजामा आउटसोर्सिंग परियोजना में काम करने के दौरान नंदन यादव नामक कर्मी गोफ में समा गया. उसके चिल्लाने पर आसपास काम कर रहे कर्मी दौड़कर आए और उसे बाहर निकाल आनन-फानन में धनबाद के एक निजी अस्पताल ले जाया गया. जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. घटना की जानकारी पाकर जनता श्रमिक संघ के लोग कुजामा आउटसोर्सिंग परियोजना पहुंच गए काम बंद करा दिया. इसके बाद जनता मजदूर संघ बच्चा गुट के लोग भी पहुंच गए. आउटसोर्सिंग प्रबंधन द्वारा मामले को भांपते हुए कई थानों की पुलिस बुला ली गई. बताते है कि कुजामा आउटसोर्सिंग परियोजना में नंदन हेल्पर के पद पर कार्यरत है.आउटसोर्सिंग परियोजना पूरी तरह से अग्नि प्रभावित क्षेत्र में है. कोयला निकालने से पहले आग को बुझाया जाता है. इसी क्रम में नंदन पाइप के द्वारा आग पर पानी डाल रहा था, अचानक जमीन धंस गई और वह उसमें समा गया. संजोग अच्छा था कि आसपास काम कर रहे कर्मी दौड़े और उसे बाहर निकाला. तब तक गर्दन से नीचे पैर तक उसका पूरा शरीर झूलस चुका था. जहां धनबाद के एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है. उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है . इधर यूनियन नेताओं का कहना है कि आउटसोर्सिंग प्रबंधन उसका इलाज का पूरा खर्च वहन करे. नंन्दन के परिवार में चार पुत्र एवं एक पुत्री है. जिसमें पत्नी अनीता देवी, पुत्र प्रिंस, पिंकेश, अंकित, मुकेश, पुत्री रागनी सभी लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है.

चाय दुकान पर छापेमारी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

तेतुलमारी। उत्पाद विभाग व तेतुलमारी थाना पुलिस ने शुक्रवार की देर रात चंदौर पहाडी स्थित एक चाय दुकान पर संयुक्त रूप से छपेमारी कर भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब और बियर की बोतलें जब्त की तथा दुकान संचालक को हिरासत में ले लिया. जब्त शराब और बियर की बोतलें अलग-अलग ब्रांड की है. इस संबंध में जानकारी लेने के लिए तेतुलमारी थानेदार को फोन किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया. बता दें कि तेतुलमारी थाना से मात्र कुछ ही दूरी पर अवैध अंग्रेजी शराब बेचने का धंधा काफी दिनों से चल रहा है, लेकिन पुलिस दुकान संचालक के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही थी. स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की मिली भगत से शराब का धंधा चल रहा था. पुलिस चाहती तो पहले ही धंधा बंद करवा देती, लेकिन अवैध कमाई करने के चक्कर में पुलिस ऐसा नहीं की.

गोविन्दपुर : ठीकेदार से एक लाख रुपये की लूट

संवाददाता। गोविंदपुर

1. मारपीट कर रुपये छीनने का आरोप, पुलिस को वारदात पर संदेह
2. खंगाले गए फुटेज में पुलिस को नहीं दिख रहा रुपये भरा बैग
3. जख्मी ठीकेदार का अस्पताल में चल रहा इलाज

गोविंदपुर थाना क्षेत्र गहिरा डाउन पुल के समीप प्राइवेट ठीकेदार साकिब अंसारी से दो लोगों ने शनिवार दोपहर एक लाख रुपए लूट लिए. बताया जाता है कि वह अपने साइट में मजदूरों का भुगतान करने मालिक से रुपए लेकर जा रहे थे. इस दौरान घटना हुई . अपराधियों ने उन्हें मारकर जख्मी कर दिया. घटना की सूचना पाकर पुलिस इंस्पेक्टर रविकांत प्रसाद दलबल के साथ पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की पुलिस को इस मामले में संदेह है. पुलिस का कहना है कि उसने बताया कि वह मोटरसाइकिल से गिर गया और दूसरे मोटरसाइकिल से जा रहे दो लोगों ने उसके बैग ले लिया. वह बैग मोटरसाइकिल में टंगा हुआ था. हालांकि सीसीटीवी में बैग नहीं दिखाई दिया है. पुलिस इंस्पेक्टर ने कहा कि शरीर में कटने व चोट के निशान भी नहीं है. उसके बयान के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है. पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है. साकिब गोविंदपुर थाना क्षेत्र के सरकारी नीचे टोला निवासी नूर मोहम्मद का पुत्र है. कल कारखानों में

नशे के कारोबारियों ने युवक पर किया जानलेवा हमला

संवाददाता। धनबाद

शहर के दामोदरपुर स्थित शिव मंदिर के पास नशे में धुत्त दो युवकों ने एक आटो चालक अशोक रवानी पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसका सिर फोड़ दिया है. गंभीर अवस्था में उसे एसएनएमसीएच में भर्ती कराया गया है. घटना की सूचना मिलने के बाद धनबाद थाना पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है. घायल अशोक रवानी ने बताया कि वह तेलीपाड़ा में रहता है और आटो चलाने का काम करता है. शनिवार की दोपहर वह कोर्ट मोड़ से अपने घर जा रहा था, तभी उसे दामोदरपुर के ही दो युवक मिले. उसने उन्हें अपने आटो में बैठा लिया. दामोदरपुर स्थित शिव मंदिर पहुंचने पर अशोक ने उनसे भाड़ा की मांग की तो दोनों गाली गलौज करने लगे. अशोक ने जब इसका विरोध किया तो दोनों युवकों ने पास में रखी एक कुल्हाड़ी उठा कर अशोक के सिर पर दे मारा. इससे अशोक के सिर से खून बहने लगा. घटना को अंजाम देने के बाद दोनों युवक वहां से फरार हो गए. इधर स्थानीय लोगों ने अशोक को अस्पताल में भर्ती कराया और पुलिस को मामले की सूचना दी. अशोक की मानें तो दोनों युवक नशीली दवाओं का भी कारोबार करते हैं. धनबाद थाना पुलिस ने मामले को लेकर अशोक से दोनों युवकों के बारे में जानकारी प्राप्त किया है. दोनों को गिरफ्तार करने का पुलिस प्रयास कर रही है.

205 वोटर करेंगे चैंबर चुनाव में मतदान

धनबाद : फेडरेशन ऑफ धनबाद जिला चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की होने वाले 22 अगस्त को चुनाव के लिए चुनाव प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह, राजेश दूधानी, ललित जनानी द्वारा वोटर लिस्ट जारी कर दी गई है. सभी 7 उम्मीदवार को वोटर लिस्ट भी सौंप दी गई. चुनाव प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कुल 55 चैम्बर्स आफॅ कॉमर्स की लिस्ट मे 205 वोटर का लिस्ट में नाम है. एक नाम में गड़बड़ी होने की वजह से आज उनका नाम को शामिल नहीं किया जा सका. कल तक यदि सुधार हो गया तो कुल 208 वोटर की संख्या हो जाएगी. सभी वोटर की आईडी कार्ड फोटो के साथ तैयार की जा रही है. 20 अगस्त तक सभी वोटर को आई डी कार्ड दी जाएगी. 22 अगस्त को प्रातः 10:30 बजे से वोट शुरू की जाएगी, जो शाम 3 बजे समाप्त कर दी जाएगी. शाम छह बजे तक परिणाम आ जाएंगे.

संजय के सरेंडर के बावजूद उसके भाई-चाची को पकड़ कर प्रताड़ित करने का आरोप

शंकर रवानी हत्याकांड : पुलिस हवा में चलाती रही तीर, सरेंडर के बाद छापेमारी

- हनुमान नगर से संजय के संबंधियों को भी पकड़कर जबरदस्ती थाने ले गई थी पुलिस

रजत नाथ । बोकारो

शंकर रवानी हत्याकांड में फरार आरोपी संजय सिंह ने 14 अगस्त को कोर्ट में सरेंडर कर दिया था लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी. सेक्टर तीन- सतनपुर निवासी और बीएमपी मोड़ स्थित भोजपूर जेनरल स्टोर चलाने वाले संजय कुमार सिंह ने 14अगस्त को ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट फस्ट क्लास, एन आर लकड़ा के कोर्ट में सीपी केस संख्या 737/2020 के अंर्तगत 14 अगस्त को आत्मसमर्पण किया.संजय के आत्मसमर्पण के बावजूद 15 अगस्त की देर शाम सेक्टर बारह और हरला पुलिस ने हनुमान नगर स्थित संजय सिंह के संबंधियो के घर पहुंचकर उसके भाई रंजय सिंह, संजय सिंह की चाची लालमुनि देवी और लालमुनि देवी की गोतनी पुष्पा देवी को जबरन पकड़कर सेक्टर बारह थाने ले आई थी. पुलिस रंजय सिंह की स्कूटी की जब्त कर थाने ले गई. परिवार वालों का कहना है कि इस कार्रवाई के दौरान कोई भी महिला पुलिस कर्मी साथ नहीं थी. हालांकि देर रात पुलिस ने दोनों विधवा महिला को छोड़ दिया था. रंजय सिंह को हरला थाने ले गई, आरोप है कि उसके साथ मारपीट भी की गई थी. हालांकि रंजय को भी शुक्रवार की चशाम पुलिस ने छोड़ दिया. जबकि रंजय, लालमुनि और पुष्पा का केस में कही भी नाम नहीं है. इस संबंध में संजय सिंह की वकील बियाडा स्टाफ कॉलोनी निवासी प्रीति प्रसाद ने सेक्टर बारह थाने को हल्फनामा दायर कर संजय कुमार सिंह की कोर्ट कस्टडी के बारे में जानकारी की आवेदन जमा किया. लालमुनि देवी और पुष्पा देवी ने पुलिस कप्तान को लिखित शिकायत भी की है. जिसमें सेक्टर बारह और हरला थानेदार द्वारा धमकाने, गाली गलौज और घर में जबरन घुसकर अभ्रद व्यवहार करने की बात कही गई है. आवेदन में इस बात को उल्लेख है कि सेक्टर बारह थाना और हरला थाना उनके घर मे जबरन घुस गई. उनके भतीजे संजय के बारे पूछने लगी.

पुलिस ने कहा कि संजय को वो छिपा कर रखे हैं. उन्होंने पुलिस को कहा कि संजय ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है लेकिन पुलिस ने उनकी बात नहीं सुनी और पूरे घर में तोड़फोड़ की. उनके साथ अभद्र व्यवहार कर उनको पकड़ थाना ले गई. पूरी कार्रवाई में एक भी महिला पुलिस कर्मी और अधिकारी मौजूद नहीं थी. उल्टे पुलिस ने यह धमकी दी अगर ज्यादा हल्ला करोगी तो महिला थाना को बुलाकर पीटवा दिया जाएगा. आवेदन की प्रति डीजीपी,झारखंड को भी संलग्न की गई है.

बरसात में बढ़ जाती है कीटाणु जनित रोगों के प्रसार की आशंका

मध्याह्न भोजन से दूर होगी पत्तेदार सब्जियां

खास बातें

- शिक्षा विभाग ने स्कूलों के लिए जारी किया गाइडलाइन
- बारिश के मौसम को देखते हुए बरती जा रही सावधानी

संवाददाता। धनबाद

वैसे तो हरी व पत्तेदार सब्जियां सेहत के साथी होते हैं लेकिन मौसम बारिश का हो तो हरी पत्तेदार सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकती हैं. शिक्षा विभाग ने मध्याहन भोजन के तहत छात्र-छात्राओं को देने वाली पततेदार सब्जियों पर रोक लगा दी है. विभाग की तरफ से सरकारी स्कूलों को एक मानक और गाइडलाइन भी जारी किया गया है. अब एमडीएम में भिंडी, करेला, परवल और तोरई की सब्जी ही देने का निर्देश दिया गया है. जिला शिक्षा अधीक्षक ने इस आदेश के अनुपालन का निर्देश दिया है.

जारी गाइडलाइन में बताया गया है कि बरसात के दिनों में जड़ वाली सब्जियों और हरी पत्तेदार सब्जियों में कई तरह बैक्ट्रिरया पाए जाते हैं. इनके सेवन से बच्चों में कीटाणु जनित कई तरह के रोग हो सकते हैं. ऐसे में ऐसी सब्जियों के सेवन से पूर्व विशेष रुप से सावधानी बरतने की जरूरत है. इसके अलावा एमडीएम कीचन की प्रतिदिन सफाई करने, बर्तनों को साफ रखने और स्वच्छता के प्रति छात्र-छात्राओं को भी हिदायत दी गई है. कहा गया कि बच्चों के भोजन में लहसुन का भी भरपूर प्रयोग करें. लहसुन में कई औषधीय गुणों की भरमार है. सब्जियों के साथ-साथ बच्चों को मौसमी फल देने की भी बात कही गई है.

बीमारी के खतरे में पोषण से मिलेगी शक्ति

पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत ही मध्याह्न भोजन का संचालन होता है. मध्याह्न भोजन बनाने वाली महिलाओं को भी इस मौसम की सब्जियों के बारे में जानकारी होनी चाहिए. मौसम के अनुरूप निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाना है. चूंकि बरसात के दिनों में बहुत से बीमारियों के प्रसार का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे में छात्र-छात्राओं की सेहत का देखभाल करना विभाग का दायित्व भी है. इसलिए जरूरी है कि पोषण युक्त भोजन उन्हें उपलब्ध कराया जाए, ताकि उनकी सेहत पर किसी प्रकार का बुरा असर न पड़े.

मामा का हत्यारा भांजा गिरफ्तार

निरसा। अपने मामा की हत्या का आरोपी एक भांजा को निरसा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. घटना निरसा थाना क्षेत्र के तलबेड़िया गांव की है. 27 जून 2024 को घरेलू विवाद में मामा कालीपदो हांसदा की हत्या कर दी गई थी. पुलिस थाना में दर्ज मामले में भांजा सुरेश मरांडी को हत्या का आरोपी बनाया गया था. घटना को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गया था. शनिवार को पुलिस को पता चला कि आरोपी घर आया हुआ है. पुलिस ने तत्काल उसके घर पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया. मौके पर से हत्या में इस्तेमाल किए गए कुदाल का बेंत, हसुआ व डंडा जब्त किया गया. पुलिस की छापेमारी टीम में थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर मनजीत कुमार, केस के अनुसंधानकर्ता विकास कुमार और पुलिस जवान शामिल थे.

डोभा में डूबने से बच्चे की मौत

संवाददाता। कसमार (बोकारो)

कसमार थाना क्षेत्र के मंजूरा पंचायत अंतर्गत झरमुंगा गांव में मनरेगा के तहत निर्मित डोभा में शनिवार दोपहर एक 7 वर्षीय बालक प्रमोद घांसी की डूबने से मौत हो गई. बालक प्रमोद पुरनाटांड़ टोला निवासी सखीराम घांसी का पुत्र था. घटना की सूचना पाकर कसमार थाना के सब इंस्पेक्टर कुंदन कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पंहुचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया.

बताया जाता है कि प्रमोद अन्य दो साथी बालकों के साथ दोपहर को खेल रहा था. खेलते-खेलते वह घर के निकट मनरेगा के तहत बने डोभा की ओर चला गया. पानी से लबालब भरे डोभा में पैर फिसल कर गिर गया और वह डूब गया. प्रमोद को डूबते देख अन्य बच्चों ने हल्ला तो मचाई लेकिन आसपास में कोई नहीं होने के कारण उसे बचाने अन्य कोई नहीं पहुंच पाया. बालक की मां मायके गयी हुई थी एवं पिता मनसा पूजा की तैयारी को लेकर बाजार गया था. बच्चे की सौतेली मां धाई का काम करने बगल के गांव गई थी. बच्चा घर में अकेला था. एकलौते पुत्र की मौत से माता-पिता तथा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. सखीराम घांसी के बड़े पुत्र का भी 15 वर्ष पूर्व कुएं में ही डूबकर मौत हो गई थी. इसके बाद पुत्र की लालसा में दूसरी शादी कर ली. जिससे एक पुत्र व पुत्री हुई. लेकिन दूसरे पुत्र की भी मौत हो गई. पहली पत्नी की तीन पुत्रियां हैं. स्थानीय प्रतिनिधियों ने सरकारी मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है.

ब्रीफ खबरें

तालडांगा के स्टोर रूम से चोरी करते एक धराया

चिरकुंडा। तालडांगा के मुखिया गली में स्टोर रूम से चोरी करते हुए एक व्यक्ति को लोगों ने पकड़कर चिरकुंडा पुलिस के सुपुर्द कर दिया. पुलिस ने चोरी के आरोप में गिरफ्तार आसनसोल आजाद बस्ती कसाइ मोहल्ला निवासी मो जाबीर अंसारी उर्फ भुट्टू को जेल भेज दिया. चिरकुंडा थाना में स्टोर के मालिक शमसुद्दीन अंसारी ने लिखित शिकायत दर्ज कराई है. उन्होने कहा है कि शुक्रवार को समय 3 बजे खाना खाकर वे घर में सो रहे थे. तभी उनके स्टॉक रूम से टक-टक की आवाज आई, जिससे उनकी नींद खुल गई.

दर्जनों महिलाओं ने थामा जदयू का दामन

कतरास। कतरास के श्यामडीह मोड़ स्थित यूथ फोर्स प्रधान कार्यालय में शनिवार को जदयू का सदस्यता अभियान चलाया गया. बतौर मुख्य अतिथि जदयू के प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह शरीक हुए. कार्यक्रम में दर्जनों महिलाओं ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में आस्था व्यक्त करते हुए जदयू की सदस्यता ग्रहण कीं. दीपनारायण सिंह ने उनका स्वागत किया. सदस्यता ग्रहण करने वाली महिलाओं में शिला देवी, शकुंतला देवी, सीता देवी, जयंती देवी, चंपा देवी, गुड़िया देवी, मीरा देवी, प्रमिला देवी, कोमल देवी,जमनी देवी,हेमंती देवी, गायत्री देवी, जीवानी देवी, पार्वती देवी, बसंती देवी, मुनिया देवी, धनेश्वरी देवी,लिलाबती देवी, मीरा देवी आदि शामिल हैं.

9 नंबर साइडिंग में मजदूरों की सभा

झरिया। झंडा या बैनर का सवाल नहीं है. मजदूर हित के लिए हमेशा सिंह मेंशन परिवार आगे बढ़कर लड़ाई लड़ता है और आगे भी लड़ता रहेगा. 9 नंबर साइडिंग की लड़ाई भी मजदूर ही जीतेगा. उक्त बातें भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह जनता श्रमिक संघ के महामंत्री रागिनी सिंह ने शनिवार को 9 नंबर साइडिंग में मजदूरों के आंदोलन के समर्थन में सभा में कही. उन्होंने कहा कि मजदूर लगातार अपनी हक की लड़ाई लड़ रहा है. बीसीसीएल प्रबंधन के साथ वार्ता हुई वार्ता संतोषजनक नहीं होने से मजदूरों में आक्रोश है.

प्रिंट रेट से अधिक वसूली जा रही अंग्रेजी शराब की कीमत

खास बातें

- ऑन लाइन पेमेंट नहीं लेते ऐसे दुकानदार
- प्रशासन मौन, ग्राहक परेशान दुकानदार मालामाल

संवाददाता। निरसा

धनबाद जिला के निरसा अनुमंडल क्षेत्र में सरकारी शराब दुकानदार दिन दहाड़े लोगों का जेब काट रहे हैं. ग्राहकों में आक्रोश है लेकिन सिस्टम के आगे मजबूरी में ही ऊंची कीमत में शराब खरीदने को मजबूर हैं. निरसा, मैथन, चिरकुंडा, पंचेत क्षेत्र के सभी सरकारी शराब दुकानों में यह खेल चल रहा है. कभी-कभार प्रिंट रेट से अधिक मूल्य पर कीमत लेने के कारण ग्राहक और दुकानदारों में तू-तू, मैं-मैं भी हो जाती है.

कुछ ही दिन पहले कुमारधुबी के एक सरकारी शराब दुकान में ग्राहक अधिक मूल्य लेने पर मारपीट की नौबत आ गयी थी. प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ था. अंग्रेजी शराब के एक फाइल बोतल पर 40 से 50 रुपये अवैध जबरन वसूली की जा रही है. वहीं बीयर लेने पर 20 रुपये अधिक लिया जाता है. सूचना मिलने पर चिरकुंडा, पंचेत और मैथन स्थित सरकारी शराब दुकान पर चौंकाने वाले हालात से रूबरू होना पड़ा. यहां ग्राहकों से सरकारी प्रिंट रेट से अधिक पर शराब और बीयर बेची जा रही है. पूछे जाने पर कहा गया यह ऊपर से आदेश है. इस कारण अधिक रेट लिया जाता है. वहीं दुकानों में यह भी देखा गया कि सीधे-साधे व बिना पढ़े लिखे किस्म के लोगों से 50 से 60 रुपये अधिक लिया जाता है. जब हमने ग्राहकों से पूछा तो उनका कहना है कि क्या करे जब सरकार और जिला प्रशासन ही चुप रहती है. कोई कार्यवाही नही करती है तो आम लोग क्या करे. सरकार की सरकारी शराब दुकान पर ये हाल है. तो भी कोई एक्शन नहीं लेती है. ग्राहकों का कहना है कि बगल में ही पश्चिम बंगाल है. बांगला में प्रिंट रेट पर ही शराब मिलती है, लेकिन झारखंड में लूट मची है. अब सवाल यह कि सरकारी शराब दुकानों में अधिक रेट पर शराब बिक्री पर जिला प्रशासन क्यों चुप्पी साधे रहते हैं.

ग्राहकों से अवैध वसूली करने वाले दुकानों के खिलाफ जिला प्रशासन क्यों नहीं कार्यवाही करती है. ग्राहक जब शराब लेने पर एक बार टैक्स देते हैं फिर दुकानदार दूसरा टैक्स क्यों लेती है.

मजेदार बात यह है कि दुकानों में शराब की लेन देन ऑनलाइन नहीं बल्कि नगद भुगतान लिया जाता है. लोगों का मानना है कि ऑनलाइन पेमेंट करने से दुकानदार मनमानी रेट नहीं वसूल पायेगा. इसलिए दुकानदार ग्राहक से नगद पैसा लेते हैं.

पीबी एरिया में श्रमिकों ने किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता। पुटकी

पीबी एरिया के भागाबान्ध प्रबन्धन द्वारा मैनुअल अटेंडेंस सिस्टम को कोलियरी पिट पर से कार्यालय में शिफ्ट किये जाने के खिलाफ श्रमिकों ने विरोध प्रदर्शन किया. शनिवार को प्रथम पाली में दो हाजरी क्लर्क प्रबन्धन के आदेश पर मैनुअल हस्ताक्षर बनानेवाले रजिस्टर समेत कोलियरी कार्यालय चले गए. कोलियरी पिट पर लगे बायोमैट्रिक सिस्टम पर तो फर्स्ट शिफ्ट के करीब सवा सौ श्रमिकों से अटेंडेंस कराया लेकिन कार्यालय में जाकर रजिस्टर में हस्ताक्षर बनाने से इनकार कर दिया. सभी मजदूर विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रबन्धन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी. ओवरमैन लक्ष्मण प्रसाद महतो ने कहा कि कोलियरी के प्रारम्भ काल से पिट पर ही मजदूरों का मैनुवल हस्ताक्षर बनाने का सिस्टम चला आ रहा है लेकिन प्रबन्धन आउटसोर्सिंग कम्पनी ईगल को लाभ पहुंचाने के लिए मजदूरों का मैनुअल अटेंडेंस कार्यालय में शिफ्ट कर दिया. जो अन्याय पूर्ण निर्णय है. निजी कम्पनी ईगल को पूर्ण रूपेण कोलियरी को हस्तांतरण किये जाने के बाद ही व्यवस्था में परिवर्तन किया जाना चाहिये. इधर अटेंडेंस में बदलाव होते ही कथित रूप से मजदूरों ने कोलियरी व आवसीय इलाके की बिजली आपूर्ति को ठप कर दिया. ज्ञातव्य रहे कि ईगल कम्पनी ने पीबी प्रोजेक्ट व भागाबान्ध कोलियरी को एमडीओ मोड़ लिया है. जहां कई निर्माणाधीन कार्य हो रहे हैं. भागाबान्ध कोलियरी काफी अर्से से बन्द है. जहां मजदूर हस्ताक्षर बनाकर बैठे रहते है.

कृषि, वन उपज से होने वाले लाभ सीधे कृषकों तक पहुंचे : पालीवाल

संवाददाता। गोविंदपुर

सिद्धो-कान्हो कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ लिमिटेड धनबाद ने अग्रसेन भवन गोविंदपुर में शनिवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया. इस प्रखंड स्तरीय कार्यशाला में गोविंदपुर प्रखंड के सभी पैक्स अध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया. डीएफओ विकास पालीवाल ने कृषि एवं वन उपज से होने वाले लाभ को बिना बिचौलियों के सीधे कृषकों को कैसे उपलब्ध हो, इसके बारे में बताया. जिला सहकारिता पदाधिकारी वेद प्रकाश यादव ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा प्रगतिशील किसानों को इस संगठन के बारे में विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने प्रगतिशील किसानों को इस संगठन के बारे में विस्तार से बताया और इसके कार्यान्वयन की जानकारी दी. उन्होंने कार्यशाला के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों एवं संस्था को सिद्धो कान्हो कृषि एवं वनोपज सहकारी संगठन से जोड़ने पर जोर दिया. साथ ही सहकारिता विभाग के द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं एक प्रखंड एक उत्पाद के सिद्धांत पर कार्य करने पर जोर दिया. जिला सहकारिता पदाधिकारी ने कहा कि सभी पैक्स के लिए गोदाम बनाया जाएगा. इसके लिए अध्यक्षों को विभाग में आवेदन करना होगा तथा अंचलाधिकारी से अनापत्ति प्रमाण पत्र जमीन का लेना होगा. उन्होंने कहा कि पैक्स में प्रज्ञा केंद्र का संचालन होगा तथा सभी तरह के बीज, खाद आदि उपलब्ध रहेगी. सभी पैक्स को मजबूत बनाया जाएगा. उन्होंने पैक्स में अधिक से अधिक महिलाओं को भी जोड़ने की अपील की. कार्यक्रम में सहायक निबंधक सहयोग समितियां डब्लू कुमार साव, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी जयप्रकाश दीक्षित, घनश्याम मंडल, अजीत सिंह, कार्तिक उरांव, कंसारी चंद्र दास, सुब्रत सिंह चौधरी, समरेश चौधरी, कार्तिक उरांव, प्रियव्रत सिंह चौधरी, संजीव मिश्रा, शिव शंकर दास, अबुल कलाम, इब्राहिम अंसारी, उद्धेश्वर पांडेय, मोहसिन अकरम, आरिफ अंसारी, जाबिर हुसैन, संतोष साव, डेगलाल साव, नौशाद अंसारी, संतोष महतो, रेणू विश्वकर्मा, रूपा देवी, शक्तिपद महतो आदि मौजूद थे.

भाजयुमो की युवा आक्रोश रैली 23 अगस्त को रांची में

तोपचांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की युवा आक्रोश रैली आगामी 23 अगस्त को रांची में होगी. रैली को सफल बनाने के लिए तोपचांची में शनिवार को युवा मोर्चा की बैठक हुई. बैठक को संबोधित करते हुए मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विकास महतो ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार के कुशासन के कारण राज्य में अराजकता का माहौल है. इस सरकार ने युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया. उन्होंने रैली को सफल बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को रांची चलने की अपील की. साथ ही कहा कि रैली से पूर्व 21 अगस्त को तोपचांची में मशाल जुलूस निकाला जाएगा. मंडल अध्यक्ष निवास तिवारी ने कहा कि रैली की जोरदार तैयारी चल रही है. यह रैली ऐतिहासिक होगी. बैठक में तोपचांची मंडल अध्यक्ष निवास तिवारी, सुरेश बढ़ई, नंदलाल मुर्मू, पप्पू तिवारी, रणवीर चौबे, सरोज कुमार महतो, आशुतोष पाल, मितेंदर दुबे, पंकज मंडल समेत दर्जनों की संख्या में मोर्चा कार्यकर्ता मौजूद थे.

बीबीएमकेयू एकेडमिक काउंसिल की बैठक में कई बड़े निर्णय

संवाददाता। धनबाद

बीबीएमकेयू के अधीन कालेजों में भाषा की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है. अब बांगला और उर्दू के छात्र-छात्राओं को परीक्षाओं के दौरान इसी भाषा में उत्तर लिखने होंगे, जबकि शेष अन्य भाषाओं के विद्यार्थी हिंदी या अंग्रेजी में प्रश्नों का जवाब दे सकते हैं. शनिवार को बीबीएमकेयू एकेडमिक काउंसिल की संपन्न हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया. इसके अलावा भी कई अन्य मामलों पर चर्चा की गई है. बैठक में मुख्य रूप से कुलपति डा. राम कुमार सिंह, प्रति कुलपति डा. पवन कुमार पोद्दार, प्राक्टर डा. अजीत कुमार समेत अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे.

एकेडमिक काउंसिल की बैठक के दौरान कुल नौ मामलों पर चर्चा की गई. इसमें यह निर्णय लिया गया कि फार्मा और नर्सिंग की पढ़ाई के लिए फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया तथा इंडियन नर्सिंग काउंसिल के रेगुलेशन को ही ग्रहण किया जाएगा. अब इसी रेगुलेशन के आधार पर ही बीबीएमकेयू के संबंधित सभी फार्मा और नर्सिंग कालेजों में पठन-पाठन किया जाएगा. जबकि नई शिक्षा नीति रेगुलेशन का ड्राफ्ट तैयार कर मंजूरी के लिए जल्द ही मानव संसाधन विकास विभाग को भेज दिया जाएगा. यह प्रस्ताव दिया गया था कि बीएसी इन कंप्यूटर साइंस को बीएससी आनर्स इन कंप्यूटर साइंस किया जाए, इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है. इसके साथ ही क्रेडिट स्कोर पहले की तरह ही रखा गया है.

स्नातकोत्तर के विभागाध्यक्ष की ओर से काउंसिल को यह प्रस्ताव दिया गया था कि आपदा प्रबंधन विभाग के स्नातकोत्तर थ्योरी पेपर 414 सी को अब 414ए और प्रायोगिक पेपर 415सी को 415ए के नाम से किया जाए. काउंसिल ने इसे भी मंजूरी दे दी.

टॉपर ने नहीं लिया फेलोशिप तो सेकंड को मिलेगा मौका : बीबीएमकेयू में यह प्रविधान है कि पीजी में टॉप आने वाले को विश्वविद्यालय अपने स्तर से फेलोशिप देती है. यह फेलोशिप फर्स्ट या सेकेंड टापर को ही मिलता है, लेकिन अब इसमें भी बदलाव किया गया है. एकेडमिक काउंसिल के निर्णय के अनुसार यदि फर्स्ट या सेकेंड टॉपर इस फैलोशिप को नहीं लेते हैं तो उनकी जगह पर थर्ड, फोर्थ या आगे के क्रम वालों को यह दिया जाएगा. इसके साथ ही यदि फेलोशिप प्राप्त करने वाला बीच माह में विश्वविद्यालय छोड़ देता है तो भी इसका फायदा अगले क्रम वाले को मिलेगा. इस बीबीएमकेयू फैलोशिप के तहत 15 हजार रुपये प्रतिमाह देने का प्रविधान भी है.

आसनसोल

भाजपा कार्यकर्ताओं का डॉक्टर की हत्या के विरोध में सड़क जाम

संवाददाता। बराकर

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक 31वर्षीय महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म एवं हत्या के खिलाफ कुल्टी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक डॉ.अजय पोद्दार के नेतृत्व में नियामतपुर मोड़ पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जी.टी.रोड जाम कर विरोध प्रदर्शन किया. इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के कुल्टी चारो मंडल के अध्यक्ष, जिनमें मंडल एक के संजू घोष, दो के अध्यक्ष मनमोहन राय, तीन के अध्यक्ष सत्यजीत दास ,चार के अध्यक्ष के सहित कार्यकर्ताओं ने आसनसोल बराकर जीटी रोड सड़क तकरीबन आधा धंटे जाम कर विरोध जताया. जहा नियामतपुर पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को समझा बुझाकर सड़क जाम हटाया. इस जाम से सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई. जिसके बाद में परिवहन सेवा बहाल की, इस अवसर पर भाजपा विधायक डॉ.अजय पोद्दार ने कहा कि पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी राज्य स्तर पर जारी कार्य सूची के अनुसार पूरे पश्चिम बंगाल में ब्लॉक स्तर पर दो घंटे का सड़क अवरोध कार्यक्रम निर्धारित किया गया है. इस दौरान विधायक ने कहा की सरकार जिसकी मुखिया एक महिला मुख्यमंत्री होने के बाद बंगाल में महिलाएं सुरक्षित नही है. विगत 9 अगस्त को कोलकाता का जाने माने सरकारी अस्पताल में एक महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म कर मौत के घाट उतार दिया गया और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है. उन्होंने कहा कि बीते बुधवार की रात हजारों की संख्या में उपद्रवियों ने अस्पताल में घूंसकर सीसीटीवी सहित कई सामान की तोड़फोड़ कर घटना की सबूत को मिटाने का काम किया. डॉ. पोद्दार ने कहा कि इस घटना में शामिल अपराधियों को पुलिस बचाने का काम कर रही है. हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुये इस घटना की जांच का जिम्मेदारी सीबीआई को सौंप दिया. उन्होंने कहा जब तक इस घटना में शामिल सभी अपराधियों की गिरफ्तारी नही हो जाती है. तब तक आंदोलन किया जायेगा, इस अवसर पर भाजपा पार्षद ललन मेहरा, जिला उपाध्यक्ष केशव पोद्दार सुब्रतो मिश्रा, पार्टी नेता टिंकू वर्मा मनमोहन राय, अमित घोष, शिल्पी राय, सहित काफी संख्या में पार्टी के पुरुष और महिला कार्यकर्ता शामिल थे.

तृणमूल कांग्रेस का विरोध जुलूस

बराकर। कोलकाता आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक की रेप कर गला घोटकर हत्या के विरोध में कुल्टी ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस की ओर से शनिवार को बराकर में एक विरोध जुलुश का आयोजन किया, कुल्टी ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष कंचन सिन्हा के नेतृत्व में जुलुश का आयोजन किया गया. इस विरोध जुलूस में पार्टी के पूर्व विधायक पार्टी चेयरमैन उज्ज्वल चटर्जी मुख्य रूप से सामिल थे. बराकर स्टेशन से जुलुश आरंभ होकर बैगुनिया मोड स्थित ईश्वरचंद्र विद्यासागर की मूर्ति के समक्ष जाकर समाप्त हुआ,इस दौरान जुलुश में बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता महिला सदस्य शामिल होकर विरोध प्रदर्शन किया.

रानीगंज में जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन

रानीगंज। रानीगंज मंगलपुर औद्योगिक नगरी में सीपीएम की ओर से पूर्व सांसद वंश गोपाल चौधरी के नेतृत्व में जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों की ओर से पूर्व सांसद चौधरी ने कहा कि कोलकाता में मेडिकल कॉलेज के जूनियर चिकित्सक के साथ बलात्कार एवं दुष्कर्म एवं हत्या के मामले में हम लोग सभी न्याय की मांग कर रहे थे. लेकिन 14 अगस्त के रात को जिस प्रकार से टीएमसी कांग्रेस के कुर्मी पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर कॉलेज से हत्या के प्रमाण को मिटाने की कोशिश की गई आज हम लोग उसके विरोध में आंदोलन कर रहे हैं.

अग्रहरि समाज का चुनाव शांतिपूर्ण रूप से संपन्न

मनोज कुमार गुप्ता की जीत युवाओं ने दिखाया उत्साह

संवाददाता। रानीगंज

अग्रहरि समाज रानीगंज का चुनाव शांतिपूर्ण उत्साह पूर्वक संपन्न हुआ. पहली बार रानीगंज के अग्रहरि भवन में मतदान के माध्यम से चुनाव जहां हुआ। बढ़ चढ़कर युवाओं ने हिस्सा लिए। इस चुनाव में दो ग्रुप था ए और बी ,दोनो ग्रुप में 3 प्रत्याशी थे. एक ग्रुप में मनोज कुमार गुप्ता, गणेश गुप्ता, संतोष कुमार गुप्ता और बी ग्रुप में सुरेश गुप्ता, संतोष अग्रहरी ,दिलीप गुप्ता प्रत्याशी थे. जिसमें भारी बहुमत से ग्रुप ए के प्रमुख मनोज कुमार गुप्ता का ग्रुप विजय हुए। चुनाव आयुक्त संदीप अग्रहरि में ने कहा कि सामाजिक एवं लोकतांत्रिक पद्धति के अनुरूप यह चुनाव संपन्न हुआ इस संस्था में हमेशा से ही आपसी समझौता के अंतर्गत चुनाव हुआ करता था लेकिन सहमति न बनने की वजह से बैलट पेपर पर चुनाव करवाने पड़ा विजय प्राप्त करने के पश्चात मनोज कुमार ने कहा कि मैं विश्वास दिलाता हूं कि जी आशा के अनुरूप समाज के लोगों ने हमें अपना मत और सहयोग देकर विजय दिलाई है आशा के अनुरूप पूरे टीम के साथ आप सबके सहयोग से इस संस्था को एक नई दिशा प्रदान करेंगे हमारी प्राथमिकता समाज के बच्चों को प्रथम शिक्षा के प्रति जागरूक करना और उन्हें सहयोग करना होगा.

सांकतोड़िया में महिला के अपहरण केस में कार्रवाई की मांग

संवाददाता। सांकतोड़िया

बीते दिनों सांकतोड़िया शिशुबागान की विवाहिता महिला को उसके पति द्वारा बहलाकर ले जाने के मामले में कोई अनुसंधान नहीं मिलने से कांग्रेस कुल्टी ब्लॉक सेवादल के अध्यक्ष मनीष बर्णवाल ने शनिवार को आसनसोल पुलिस आयुक्तालय में आवेदन देकर उक्त महिला को ढूंढने की गुहार लगाई है. जानकारी के अनुसार कुल्टी थाना के सांकतोड़िया शिशु बागान मुस्लिम पाड़ा की रहने वाली नाजमा खातून अपने पिता मुन्ना खान के घर रह रही थी. घटना के दिन वह अपने घर से अपनी बहन को साथ लेकर बराकर बाजार करने गई थी. आरोप है कि वहीं से उसका पति उसे बहला फुसलाकर दो वर्ष के पुत्र और बहन को छोड़कर लेकर चला गया. तभी से नजमा के परिजन उसे ढूंढ़ रहे हैं. कहीं पता नहीं चलने पर 21 मार्च को बराकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. जिसका मामला संख्या 1207 एफआईआर नंबर 124/24 है. कांग्रेस कुल्टी ब्लॉक सेवादल के अध्यक्ष मनीष बर्णवाल ने बताया कि बाद में मामले को लेकर हुई वार्ता में तत्कालीन पुलिस प्रभारी ने 2-4, दिनों में व्यवस्था का आश्वासन दिया था. लेकिन अब तक कोई व्यवस्था नही हुआ. जिसे लेकर उन्होंने उचित कार्रवाई की मांग पर आसनसोल दुर्गापुर पुलिस आयुक्तालय में आवेदन देकर गुहार लगाई है. इसकी प्रतिलिपि उन्होंने कांग्रेस के जिला अध्यक्ष देवेश चक्रवर्ती तथा अन्यों को भी दी है.

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

कुल्टी। कुल्टी लालबाजार इलाके में बीसीसीएल परिसर में पेड़ से लटके एक युवक का शव मिलने की खबर से पूरे क्षेत्र मे हड़कंप मच गया. इस दौरान स्थानीय पार्षद ललन मेहरा सहित काफी संख्या में लोगों की भीड़ घटना स्थल के समीप जुट गई . इसके बाद पार्षद ने इस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन को दी इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची. इसके बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से पेड़ से लटके मृतक के शव को उतार कर पोस्टमार्टम हेतु आसनसोल जिला अस्पताल भेज दिया . इस घटना को लेकर भाजपा पार्षद ललन मेहरा ने बताया कि मृतक 35 वर्षीय मिलन मंड़ल लालबाजार कुल्टी का रहने वाला है. उन्होने बताया कि मृतक शराब के नशे का आदी था. वह बीते तीन दिनों से अपने घर नही गया था. मृतक के परिजन उसे ढूंढने का प्रयास कर रहे थे परंतु उसका कहीं भी कुछ पता नहीं चल सका. तभी शनिवार को अचानक पेड़ से लटका उसका शव देखा गया. उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा कि यह घटना हत्या या आत्महत्या का है.

स्वतंत्रता दिवस पर प्रियदर्शिनी पब्लिक स्कूल में समारोह

स्कूल के टॉपरों छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

संवाददाता। बराकर

देश के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रियदर्शिनी पब्लिक स्कूल में समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्कूल के टॉपर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया. स्कूल के निदेशक राकेश कुमार तिवारी ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी और ध्वजारोहण किया गया. स्कूल के टॉपर्स और ड्राइंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया. कक्षा 12वीं के बोर्ड टॉपर रावजी बनर्जी को जिला टॉपर और राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त करने के लिए प्रशस्ति पत्र और 25,000 की धनराशि देकर सम्मानित किया गया. रावजी बनर्जी ने दो विषयों केमिस्ट्री और बायोलॉजी में पूर्ण अंक प्राप्त किए थे. स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती रंजना चौधरी, स्कूल कोऑर्डिनेटर श्री रतन सिंह, और स्कूल डायरेक्टर के पी.आर.ओ श्री विजय कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे. कक्षा 10 के टॉपर सोरजो बनर्जी और मुज्तबा हसन को भी प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया. स्कूल निदेशक राकेश तिवारी ने शिक्षकों और अभिभावकों को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया और स्कूल के अच्छे प्रदर्शन को कायम रखने के लिए धन्यवाद ज्ञापन व्यक्त किया.

आदर्श विद्यालय में क्विज प्रतियोगिता

बराकर। इस संबंध में बताया जाता है कि शहर के कचहरी रोड स्थित बराकर आदर्श विद्यालय एच एस स्कूल में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया . जिसमें कक्षा 9 से लेकर 12वीं तक के छात्रों ने हिस्सा लिया . इस दौरान कुल 72 छात्र प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए . सभी शिक्षकों की उपस्थिति में तथा सरकार के दिशा निर्देश का पालन करते हुए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया . इस प्रतियोगिता प्रतियोगिता में सम्मिलित होकर छात्रों ने काफी खुशी जाहिर की और इसी तरह इस प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन करते रहने का आग्रह शिक्षकों से किया . इस संबंध में स्कूल के टीआईसी आर के साहनी ने बताया कि सरकारी दिशा निर्देश का पालन करते हुए सभी शिक्षकों की उपस्थिति में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई है . जिसमें छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया . इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले सभी छात्रों को मंगलवार को स्कूल में पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा .

श्री श्री अकादमी आसनसोल में शैक्षणिक एक्सपो

रानीगंज । श्री श्री अकादमी आसनसोल ने शनिवार को अपने वार्षिक शैक्षणिक एक्सपो का आयोजन किया, जिसमें कक्षा युकेजी से सातवी तक के छात्रों की प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्घाटन अखिल मुखर्जी (ओ सी नियामतपुर) व विद्यालय के संरक्षक श्री सुभाष अग्रवाला जी ने किया, उनके साथ विद्यालय के डायरेक्टर आलोकेश सेन, प्रिंसिपल मौसमी बेनर्जी, विशिष्ट अतिथि वसंत बेनर्जी और बराकर चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री शिव कुमार अग्रवाल और चेंबर के वरिष्ठ मेंबर भी मौजूद थे. इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा गणित, अंग्रेजी, हिंदी, बंगला, संस्कृत, समाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर जैसे विषयों में अपनी समझ और कलात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित किया.

ब्रीफ खबरें

मुख्यमंत्री आज पहुचेंगे राजाभिट्ठा

ललमटिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को गोड्डा जिला अंतर्गत बोआरीजोर प्रखंड के ग्राम राजाभिट्ठा पहुचेंगे. दोपहर डोमन स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित करेंगे. इस अवसर पर मुख्यमंत्री कई योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी करेंगे. इसके अलावा मंईयां सम्मान योजना सहित कई अन्य योजनाओं से संबंधित परिसंपत्तियों का वितरण भी करेंगे. इस बाबत प्रशासनिक स्तर पर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है. मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर झामुमो कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है.

जंगल में मिला फंदे से लटका शव

बेंगाबाद। बेंगाबाद पुलिस ने शनिवार को कर्णपुरा पंचायत के बिराजपुर जंगल से फांसी के फंदे से झूलता हुआ एक शव बरामद किया. शव की पहचान कर्णपुरा निवासी 53 वर्षीय समरू महतो के रूप में हुई है. बताया जाता है कि शव को देखने के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई. बाद में इसकी सूचना बेंगाबाद थाना को दी गई. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया.

डीसी ने 5 बाल मजदूरों को कराया मुक्त

साहिबगंज। साहिबगंज के डीसी हेमंत सती ने शनिवार को तालझारी प्रखंड सह अंचल कार्यालय व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया. उन्होंने प्रखंड कार्यालय परिसर में बीडीओ के लिए बन रहे आवास का जायजा लिया. साथ ही अंचल कार्यालय परिसर में बनाए जाने वाले पुस्तकालय भवन व सीएचसी के भवन का भी मुआयना किया. उन्होंने निर्माण कार्य में लगे पांच बाल मजदूरों को मुक्त कराते हुए संबंधित ठेकेदार के खिलाफ पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया. साथ ही बाल मजदूरों का स्पांसरशिप योजना के तहत पुनर्वास करते हुए सुविधाएं देने को कहा.

विद्युत समस्या को ले तिसरी सब स्टेशन में धरना

तिसरी (गिरिडीह)। तिसरी में लचर बिजली व्यवस्था को लेकर लोग अब आंदोलन को मजबूर हो गए हैं. शनिवार को तिसरी प्रखंड के दर्जनों युवाओं ने विद्युत सब स्टेशन प्रांगण में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया. युवाओं ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पांच सूत्री मांगों को लेकर भाजपा नेता कुणाल सिंह की अध्यक्षता में धरना दिया . जिसमें मुख्य रूप से भाजपा के जिला मंत्री मनोज यादव शामिल हुए. वहीं विद्युत विभाग द्वारा नियमित बिजली देना सुनिश्चित करने, मीटर संबंधित त्रुटियों में जल्द सुधार करने, मनमाना बिजली बिल में सुधार करने, उपभोक्ताओं को प्रति माह बिजली बिल देने और जर्जर तारों को अविलंब बदलने की मांग को लेकर सहायक विद्युत अभियंता के नाम मांग पत्र सौंपा गया.

केंद्रीय सचिव ने किया क्षेत्र का दौरा

गावां (गिरिडीह)। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के केंद्रीय सचिव राजदेश रतन ने शनिवार को गावां प्रखंड के सेरुआ, गावां, अमतरो, बिरने, मंझने, पसनौर, पटना व मंझने पंचायत का दौरा कर लोगों से मिले और उनकी समस्याओं को सुना. इस दौरान उन्होंने कहा कि यह इलाका आज भी शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत सुविधाओं से वंचित है. प्रखंड के कई सुदूरवर्ती गांव आज भी विकास से कोसो दूर है. यहां के विधायक आजतक कभी सदन में क्षेत्र के समस्याओं को नहीं उठाया है. कहा कि अब चुनाव नजदीक आ गया है. राज्य में जयराम महतो जैसा युवा नेता प्रतिनिधित्व करने वाला चाहिए. तभी इस क्षेत्र और राज्य का समुचित विकास हो पाएगा.

कर्तव्यनिष्ठ लोग कभी सेवानिवृत नहीं होते : प्राचार्या

बोकारो। डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-6 में ऑफिस में कार्यरत वरीय अधिकारी हराधन झा के सेवानिवृति होने पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय की प्राचार्या अनुराधा सिंह ने सेवानिवृत हराधन झा को पुष्प गुच्छ एवं शाल द्वारा उनका स्वागत किया. हराधन झा का कार्यकाल काफ़ी सराहनीय रहा है. इस अवसर पर सेवानिवृत हराधान झा ने कहा कि डीएवी 6 शिक्षकों, ऑफिस स्टॉफ से जो उन्हें प्यार और स्नेह मिला उसे वे कभी नहीं भूल सकते हैं.

हवाई तीर्थ दर्शन के तहत चल रहे कार्यों को लेकर अधिकारियों को डीसी का निर्देश

तीर्थस्थलों का हेलीकॉप्टर से कराया जा रहा है आकाशीय दर्शन

संवाददाता। देवघर

उपायुक्त विशाल सागर की अध्यक्षता में आज हवाई परिक्रमा आकाशीय दर्शन के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया. इस दौरान उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गयी कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार झारखंड में पहली बार नागर विमानन (जेएफआई) के सौजन्य से देवघर-बासुकीनाथ तीर्थ स्थलों के हेलीकॉप्टर के माध्यम से हवाई परिक्रमा-आकाशीय दर्शन हेतु चल रहे कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया कि हैली सेवा के व्यापक प्रचार प्रसार की आवश्यकता है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसकी जानकारी मिले और इस सेवा का लाभ व आनंद प्राप्त कर सके. साथ ही उपायुक्त ने जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं जिला पर्यटन पदाधिकारी को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय स्थापित करते हुए हवाई परिक्रमा आकाशीय तीर्थ दर्शन के प्रयास को सार्थक करने की दिशा में कार्य करें.

विशाल सागर ने हवाई परिक्रमा आकाशीय तीर्थ दर्शन के तहत हथगड़ अवस्थित अस्थायी हेलिपैड के समीप एम्बुलेंस व आवश्यक सुविधा सुनिश्चित करने के अलावा अग्निशमन वाहन उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया. आगे उपायुक्त ने देवघर एवं मोहनपुर के अंचलाधिकारी को निदेशित करते हुए कहा कि स्थायी हेलिपैड बनाने हेतु जल्द से जल्द एक एकड़ सरकारी जमीन चिन्हित कर उसका प्रतिवेदन उपायुक्त कार्यालय में उपलब्ध कराया जाय, ताकि अग्रेतर कार्रवाई की जा सके.

बैठक में उपरोक्त के अलावे नगर आयुक्त देवघर रोहित सिन्हा, एयरपोर्ट निदेशक प्रवीण भंडारी, नजारत उपसमाहर्ता शैलेश कुमार सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, जिला अग्निशमन पदाधिकारी गोपाल यादव, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल आदि शामिल थे.

दुर्गापुर गांव में डायरिया से 11 लोग बीमार

पीड़ितों को राजमहल अनुमंडल अस्पताल में कराया गया भर्ती

संवाददाता। साहिबगंज

आज जिला का एक आदिवासी गांव डायरिया के कहर से परेशान है. अब तक उस गांव में 11 लोग इस बीमारी से प्रभावित हैं. सभी का ईलाज राजमहल अनुमंडल अस्पताल में चल रहा है, जहां दो की स्थिति नाजुक बतायी जा रही है. मामला तालझारी प्रखंड के दुर्गापुर गांव का है. जिन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है उनमें लखी मुर्मू उम्र 39, तालामय हांसदा उम्र 40, बहाली सोरेन उम्र 13, सचिन सोरेन उम्र 6, मरांमय मुर्मू उम्र 40, पानों मरांडी उम्र 60, मुन्नी हांसदा उम्र 9, मंदरमुली हेंब्रम उम्र 55, मरांगमय बेसरा उम्र 60, सावित्री सोरेन उम्र 8, मरांमय हांसदा उम्र 48 है.

डायरिया पीड़ित मरीज के परिजनों का कहना है कि गांव के सभी लोग एक पुरानी पथरीली कुआं का पानी पीते हैं. ऐसी आशंका जतायी जा रही है कि उसी पानी को पीने से लोग बीमार पड़े हैं. इस संबंध में जब राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू से जब बात की गयी तो उन्होंने कहा कि सभी मरीजों को एक विशेष वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है. दो मरीज की स्थिति नाजुक है. अन्य सभी खतरे से बाहर हैं. डायरिया से जुड़ी सभी दवाएं उपलब्ध है. मरीज का इलाज किया जा रहा है. इधर अचानक गांव में डायरिया फैलने से लोग काफी भयभीत हैं.

ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पहले एक महिला को भी डायरिया हुआ था. उसके बाद से अचानक सभी लोग एक-एक कर बीमार हो गये. इसमें बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी शामिल हैं. उनका कहना है कि गांव में एक नल जल योजना के तहत जल मीनार बनाया गया, लेकिन नियमित पानी की सप्लाई नहीं होने के कारण लोग कुआं का पानी ही पीते हैं.

साहिबगंज में 24 घंटे हड़ताल पर रहे चिकित्सक

सदर अस्पताल समेत सभी क्लिनिकों में रेगुलर सेवा बाधित, इमरजेंसी सेवा बहाल

संवाददाता। साहिबगंज

शनिवार को आरजीकर मेडिकल कॉलेज कोलकाता में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार के बाद निर्मम हत्या के विरोध में असामाजिक तत्वों की ओर से मेडिकल कॉलेज में तोड़फोड़ व मारपीट की घटना के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन नेशनल हेडक्वाटर के निर्देशानुसार देश भर के डॉक्टर आज हड़ताल पर रहे. वहीं डॉक्टर से लेकर जीएनएम, एएनएम, कर्मचारीगण का हड़ताल शनिवार को साहिबगंज सदर अस्पताल परिसर में सुबह छह बजे से रविवार सुबह छह बजे तक रहेगी. इस दौरान सिर्फ इमरजेंसी सेवा सुचारू रूप से चलेगी, रेगुलर सेवा ठप रहेगी. वहीं डॉक्टर मुकेश कुमार ने प्रेस को बताया कि आज शाम 5 बजे शहर के मुख्य स्थान से कैंडल मार्च निकाला जाएगा. उन्होंने बताया कि हम सभी डॉक्टरों को छह माह से वेतन नहीं दिया जा रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे को लेकर साहिबगंज उपायुक्त और सिविल सर्जन को अपनी समस्या के बारे में बताया गया. समस्या बताने के बाबजूद भी अभी तक हमलोगों को वेतन नहीं दिया जा रहा है.

उन्होंने यह भी कहा कि जब तक हमलोगों को छह माह का वेतन नहीं दिया जाएगा, तब तक हम सभी डॉक्टर अपने ड्यूटी में नहीं लोटेंगे. धरना में डॉक्टर मुकेश कुमार, डॉक्टर तबरेज आलम, डॉक्टर शहनबाज हुसैन, डॉक्टर कुमार सौरभ, डॉक्टर कुमारी स्रेलता, डॉक्टर राबिया अबताब, डॉक्टर पिंकू चौधरी, डॉक्टर शाकिब अंसारी, डॉक्टर सदाम, जीएनएम डोली झा, पूनम कुमारी और अन्य लोग मौजूद थे.

युवाओं ने निकाला कैंडल मार्च

गांडेय। गांडेय प्रखंड में शनिवार शाम को पश्चिम बंगाल के कलकत्ता में महिला डाक्टर के साथ हुई दरिंदगी के विरोध में गांडेय के युवाओं ने संयुक्त रुप से कैंडल मार्च निकाला. यह कैंडल मार्च गांडेय पाठक मार्केट से शुरू होकर मोहदा मोड़ तक पहुंची. कैंडल मार्च में कई युवा अपने हाथ में मोमबत्ती लिए आगे बढ़ रहे थे तो कुछ युवा विभिन्न प्रकार के पोस्टर लिए आगे बढ़ रहे थे. कैंडल मार्च में सभी युवा हत्यारों को फांसी दो, बहन हम शर्मिंदा हैं, तुम्हारे कातिल जिंदा है सहित विभिन्न प्रकार के नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे. मौके पर रितेश पाठक, पीयूष पाठक, रुपेश पाठक, अभिषेक पाठक, मो सरवर, विशाल वर्मा, बबलू साव, मो सोनू, राजेश भट्ट, डाक्टर सुभाष मिश्रा समेत कई युवा शामिल थे.

मछली लदा दो ट्रक जब्त, चालक फरार

डुमरी (गिरिडीह)। डुमरी पुलिस ने शनिवार को कुलगो टॉल प्लाजा के समीप प्रतिबंधित मांगुर मछली से लदा दो ट्रक पकड़ा. वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए. बाद में पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले गयी. इस संबंध में बताया जाता है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि यू पी 41 एटी 7540 और डब्ल्यू बी 25 जे 8222 नंबर की दो ट्रकों में प्रतिबंधित मांगुर मछली को बंगाल के आसनसोल की ओर से लाद कर तस्करी कर बिहार की ओर ले जाया जा रहा है. सूचना पर थाना प्रभारी प्रिनन पुलिस बल के साथ चिन्हित दोनों वाहनों को टॉल प्लाजा के समीप रोका. पुलिस को देख चालक वाहन छोड़कर भाग खड़ा हुआ. पुलिस जब वाहनों की जांच की तो उसमें मांगुर मछली लदा पाया गया। पुलिस मत्स्य विभाग से बरामद मछलियों की जांच करवा रही है. प्रतिबंधित मांगुर मछली की पुष्टि होने पर मामला दर्ज किया जाएगा.

चाकू मारने वाला आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

बोकारो। हरला थाना क्षेत्र के बसंती मोड़ पर आपसी रंजिश में दो गुटों में चाकू बाजी की घटना में चाकूबाज आरोपी विकास कुमार सिंह उर्फ एमएलए को हरला पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया. पुलिस ने बताया कि इसमें शामिल और आरोपी की तलाश जारी है. ज्ञात हो कि 31 जुलाई की रात सेक्टर नौ बसंती मोड़ पर दो गुटों में आपसी रंजिश के कारण चाकू बाजी की घटना हुई थी. जिसमें दो व्यक्ति सेक्टर नौ थाना के पास के रहने वाले जितेन्द्र कुमार के पेट में व दिक्कू कुमार को भी हाथ में चाकू लगी थी. दोनों को इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

चोरी की चेन के साथ दो चोर गिरफ्तार

गोड्डा। नगर थाना अंतर्गत तिलक नगर में हुए चोरी के मामले में नगर पुलिस ने दो चोर को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है. बीते चार अगस्त की रात्रि को पवन मंडल के तिलकनगर फसिया डंगाल स्थित आवास से चोरी कर ली गई थी. चोरों ने घर में प्रवेश कर कीमती जेवरात, नगदी सहित अन्य सामानों की चोरी कर लिया था. चोरी की इस घटना को लेकर नगर थाना में कांड दर्ज किया गया था. नगर थाना प्रभारी दिनेश महली ने छापा मारकर मो सोनू शेख उर्फ अरबाज, पिता मो नौशाद और मो हसन अंसारी, पिता मजिद अंसारी दोनों निवासी फसिया डंगाल को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार चोर के निशानदेही पर चोरी गए सोने का चेन और मोबाइल को बरामद कर लिया गया. गिरफ्तार चोर को जेल भेज दिया गया है. छापेमारी टीम में थाना प्रभारी के अलावा संजय कुमार सिंह, भोला नाथ सिंह और अनूप कुमार साहू सहित पुलिस जवान शामिल थे.

वन विभाग ने मुख्य मार्ग को किया बाधित, लोगों में आक्रोश

संवाददाता। जमुआ (गिरिडीह)

जमुआ प्रखण्ड क्षेत्र के जरीडीह पंचायत के घाघरा से निकलने वाली एकमात्र कच्ची सड़क को आज वन विभाग के निर्देश के अनुसार जेसीबी के माध्यम से लोगों का आवागमन बाधित कर दिया.

बता दें घाघरा के ग्रामीणों के लिए कच्चे रास्ते होकर डोमन पहाड़ी चुंगलो मुख्य मार्ग से जुड़ता है. आवागमन के लिए बने मार्ग को वन विभाग के द्वारा जेसीबी के माध्यम से मार्ग बाधित कर दिया गया. जब ग्रामीणों को इस संबंध में जानकारी मिली तो उन्होंने विरोध करना चाहा तो जेसीबी के चालक द्वारा बताया गया कि वन विभाग के निर्देश के अनुसार हमलोग इस जंगल के जमीन का ट्रेंच कटिंग कर रहे हैं. ग्रामीणों ने इसके लिए विरोध जताया. ग्रामीणों का कहना था कि हमलोग इस रास्ते से आवागमन कर रहे हैं. आज तक जब-जब जंगल लगा है वन विभाग ने रास्ता का जमीन छोड़कर के बाकी जगह पर पेड़ लगाए, किंतु यह पहली बार है जब इस प्रकार का ट्रेंच कटिंग करके हमलोगों का रास्ता बाधित कर दिया गया है. जो बिल्कुल ही गलत है. इस पथ पर मनरेगा के तहत भी कार्य हो चुका है. तब वन विभाग के द्वारा किसी प्रकार की आपत्ति नहीं की गई. ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों से इस रास्ते से आना-जाना कर रहे हैं. अगर वन विभाग के पदाधिकारी इस स्थल पर आकर के हमलोगों के लिए पुनः रास्ता बहाल नहीं करते हैं तो हम लोग किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं.

ग्रामीणों ने कहा कि वन विभाग में कार्य कर रहे जेसीबी को गांव से नहीं निकालने देंगें. ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग के पदाधिकारी को बार-बार संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन किसी भी पदाधिकारी ने फोन उठाना उचित नहीं समझा. कहा कि बच्चों के स्कूल जाने, इलाज के लिए अस्पताल जाने सहित अन्य कार्यों के लिए आने जाने में मुश्किल हो गया है. इतना ही नहीं श्मशान घाट का भी रास्ता बंद हो गया. ग्रामीण वन विभाग के पदाधिकारी के आने के इंतजार में हैं.

मारे गए हवलदार के परिजनों से मिलने पहुंचे असम के सीएम

कहां गया हेमन्त का आदिवासी प्रेम : शर्मा

- झारखंड पुलिस पर भी उठाया सवाल

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

झूठे मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर हजारीबाग में इलाज कराने के दौरान हवलदार चौहान हेंब्रम की हत्या कर फरार हुए आजीवान कारावास का अपराधी शाहिद अंसारी मामले में पुलिस लगातार रेड कर रही है. वहीं दूसरी तरफ असम के मुख्यमंत्री हिमांता विश्वा शर्मा शनिवार को देवघर हवाई अड्डे से गिरिडीह जिले के गांडेय विधानसभा के बेंगाबाद प्रखंड क्षेत्र के विष्णीशरण गांव पहुंचे. जहां मृतक हवलदार चौहान हेंब्रम का पैतृक आवास है. इस दौरान उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी, जमुआ विधायक केदार हाजरा, जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, प्रदेश मंत्री दिलीप कुमार वर्मा, सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव, ओबीसी मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश पोद्दार, मुकेश जालान, सिकंदर हेंब्रम, रामप्रसाद यादव, डॉ शैलेन्द्र चौधरी, सौरभ सागर मिश्रा समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे. असम सीएम ने मौके पर उनकी माता रोशनी देवी और साढु से भेंट किया. जबकि असम सीएम के आने की सूचना पर राज्य सरकार के निर्देश पर गिरिडीह जिला प्रशासन ने मृतक की पत्नी और बेटे, बेटियों को पहले ही घर से हटा दिया था. इसे लेकर भी असम सीएम काफी गुस्से में दिखे. लिहाजा, मां से मिलने के साथ ही उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया और कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद दोषी शाहिद अंसारी को फांसी दिलाना ही भाजपा सरकार की मकशद होगी. पत्रकारों से बातचीत के क्रम में असम सीएम हिमंता विश्वा शर्मा ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि हेमंत सरकार का कोई प्रतिनिधि का इस पीड़ित परिवार के पास नहीं आना और किसी से मिलना नहीं, ये हेमंत सरकार के आदिवासी हितों की बात करना साबित करता है. तुष्टिकरण में डूबी इस सरकार ने मृतक के परिजनों को मुआवजा और नौकरी तो दूर जब मिलने कोई नहीं आया. पत्रकारों से बातचीत के क्रम में कहा कि हेमंत सोरेन खुद भी एक आदिवासी है और चौहान हेंब्रम की हत्या का उन्हें कोई दर्द नहीं हो रहा है. ऐसा क्यों, बातचीत के क्रम में सीएम ने कहा कि एक अकेले हवलदार के भरोसे एक खूंखार अपराधी को इलाज करवाने के लिए छोड़ दिया गया, यहां भी झारखंड पुलिस की लापरवाही दिख रहा है. जबकि एक दारोगा और एक प्लाटून फोर्स रहना चाहिए था और नियम भी है. किसी खूंखार अपराधी को एक हवालदार के भरोसे क्यों छोड़ा गया.

पीड़ित परिजनों से मिलने के दौरान प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हरसंभव मदद दिलाने का भरोसा दिलाया और साथ ही प्रदेश अध्यक्ष श्री मरांडी ने अपने स्तर से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग भी किये. मौके पर दिनेश यादव, नवीन सिन्हा, नुनूलाल मरांडी, चुन्नुकांत, सिकन्दर हेम्ब्रम, शिवपूजन राम, महेंद्र वर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे.

बेरमो विधायक के आवास पहुंचे मंत्री इरफ़ान अंसारी

कथारा। झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री इरफ़ान अंसारी बेरमो दौरे पर थे. उन्होंने बेरमो से कांग्रेस विधायक जयमंगल सिंह से उनके आवास पर मुलाक़ात की. ढोरी स्थित आवास में जामताड़ा विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया गया. इस दरमियान फुसरो नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष चुन्नू सिंह, बेरमो प्रखंड कांग्रेस के अध्यक्ष छेदी नोनियां सहित सैंकड़ो लोग मौजूद थे. इरफ़ान अंसारी ने कांग्रेस विधायक जयमंगल सिंह के पिता और पूर्व मंत्री दिवंगत मजदूर नेता राजेंद्र सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. इरफ़ान आंसरी ने मीडिया से भी बात की और कहा कि जो दाग उनके मंत्रालय पर लगा है, उसे धोने का काम जोर-शोर से किया जा रहा है, ताकि विकास तेजी से हो. इस दौरान इरफ़ान अंसारी ने विधानसभा चुनाव को लेकर बात कही और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व पर भरोसा जताया. इसके साथ ही भाजपा पर भी जमकर बरसे और बाबूलाल मरांडी पर भी चुटकी ली. उनका कहना था विधानसभा चुनाव में बाबूलाल मरांडी मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं होंगे, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर चुनाव लड़ने की तैयारी है. इससे जाहिर है कि बीजेपी आदिवासियों की दुश्मन है. जो कभी भी उनका भला नहीं सोच सकती. उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा का विधानसभा चुनाव में सफाया हो जायेगा.

दो शोकाकुल परिजनों से मिले बाबूलाल मरांडी

तिसरी (गिरिडीह)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह धनवार विधायक बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को तिसरी के दो शोकाकुल परिवारों से मुलाक़ात की. इस दौरान उन्होंने मृतक अनिल यादव और राहुल कुमार के परिजनों को ढाढंस बंधाते हुए हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया. बाबूलाल राजधानी रांची से अपने पैतृक आवास कोदईबांक लौट रहे थे. इसी क्रम में वे पहले गिरिडीह में हत्या किए गए तिसरी निवासी अनिल यादव के पिपराटांड स्थित घर पहुंचे. जहां उन्होंने परिजनों से घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी ली. वहीं परिजनों ने उन्हें गिरिडीह एसपी से बात कर अनुसंधान में तेजी लाने की गुहार लगाई. जिसके बाद बाबूलाल ने मौके से ही गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा को फोन कर परिजनों द्वारा बताई जा रहे तथ्यों पर ध्यान देते हुए मामले में संलिप्त अन्य लोगों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और मामले का पूर्ण उद्भेदन करने की बात कही. जिसके बाद वे गम्हारियाटांड के रहने वाले प्रवासी मजदूर राहुल कुमार के परिजनों से मिलने उनके घर पहुंचे. जहां उन्होंने राहुल की मौत के विषय में जानकारी ली. साथ ही मौके पर उपस्थित मुखिया किशोरी साव से उक्त परिवार को जल्द ही आवास और पेंशन योजना का लाभ दिलाने की बात कही.

डीपीएस बोकारो में बाल मेला 'रिवायत' आयोजित

खेल-खेल में छात्रों ने उद्यमशीलता, वित्तीय कौशल के गुर सीखे

संवाददाता। बोकारो

दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में शनिवार का दिन उल्लास और आनंद से भरा रहा. विद्यालय के वाणिज्य संकाय की ओर से अनुभव आधारित शिक्षा की कड़ी में बाल मेला रिवायत 3.0 का आयोजन किया गया. उल्लासपूर्ण वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान कॉमर्स के विद्यार्थियों ने उमंग, मस्ती और खेल-खेल में उद्यमशीलता तथा वित्तीय कौशल के गुर सीखे. मेला में कक्षा प्री-नर्सरी से 12वीं तक के हजारों छात्र-छात्राएं शामिल हुए. कक्षा पांच तक के बच्चे अपने माता-पिता के साथ आए.

उन्होंने एक तरफ जहां विभिन्न प्रकार के मनोरंजक एवं रोमांचक खेलों का आनंद लिया, वहीं स्वादिष्ट व्यंजनों का भी रसास्वादन किया. मेला में आधा दर्जन से अधिक गेमिंग स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें पेंसिल सैंड, मेटल वायर, चिल एम, स्पिन द व्हील सरीखे कई मनोरंजक व रोमांचक खेल शामिल थे. वहीं, लगभग एक दर्जन खाने-पीने की चीजों के स्टॉल लगाए गए थे.

इसके अलावा फरमाइशी संगीत का कॉर्नर विशेष आकर्षण का केंद्र रहा. रंग-बिरंगे गुब्बारे तथा फूल-पत्तों की आकर्षक साज-सज्जा के बीच बच्चों ने सेल्फी पॉइंट में फोटोग्राफी का भी जमकर आनंद लिया.

विद्यालय की ओर से आयोजित होने वाले इस बाल मेला रिवायत की श्रृंखला में पहली बार विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ शामिल हुए. संगीत के धूम-धड़ाके और उमंग भरी मस्ती के माहौल में विद्यार्थियों ने व्यवसाय के सिद्धांत, एकाउंटिंग एवं अर्थशास्त्र, समायोजन, दिशा-निर्देशन तथा वित्तीय परिस्थितियों को नियंत्रित करने की बारीकियां सीखीं. विद्यालय के अश्वघोष कला क्षेत्र में आयोजित इस मेला का उद्घाटन करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने इसके सफल आयोजन पर सभी विद्यार्थियों एवं सहभागी शिक्षकों व कर्मियों को बधाई दी. उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों में उद्यमशीलता, व्यावसायिक गुण, रचनात्मकता, निर्णय-निर्धारण तथा वित्तीय कुशलता की जानकारी मिलती है. यह आपस में मैत्रीपूर्ण वातावरण तैयार कर टीम-भावना को भी सशक्त करता है.

सिलाई केंद्र की फ्रेंचाइजी का वितरण

बोकारो। ह्यूमैनिटी प्रोगेसिव हैंड ने 78वां स्वतंत्रता दिवस सेक्टर 4 कार्यालय में मनाया गया. जहां ह्यूमैनिटी प्रोग्रेसिव के संस्थापक द्वारा झंडातोलन कर झंडे को सलामी दी एवं समस्त देशवासियों एवं नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं दी. वहीं शुक्रवार को ह्यूमैनिटी प्रोग्रेसिव हैंड्स फाउंडेशन में बोकारो , खूंटी और धनबाद जिला में 28 से 30 की संख्या में ब्यूटीशियन एवं सिलाई का प्रशिक्षण फ्रेंचाइजी खोला गया है. जिसमें ब्यूटीशियन और सिलाई का कोर्स करवाया जायेगा. कोर्स करने के उपरांत सभी प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और रोजगार के लिए संस्था अर्थ भी उपलब्ध कराएगी. संस्था ने सदस्यों से अनुरोध किया है कि संस्था के द्वारा लोगों की मदद करें और उन्हें रोजगार प्रदान करने में भी सहायता दें. इस कार्यक्रम में संस्था के फाउंडर मेंबर सत्यनारायण मिश्रा, रवि मिश्रा, नेहा, अश्विनी कुमार, शीला देवी, विश्वनाथ नायक, ललिता, रजनी , फुल मनी बारला, रितेश कुमार, रति कुमारी, अशोक तुरी, रेखा, कंचन, कलावती, पूजा एवं अन्य उपस्थित थे.

कायस्थ महापरिवार का सावन महोत्सव

बोकारो। लोक नायक सभागार सेक्टर 2 में कायस्थ महापरिवार बोकारो जिला (सृजन) के बैनर तले ज्योति वर्मा की अध्यक्षता में सावन महोत्सव धूम-धाम से मनाया गया. इस आयोजन को सफल और सजीला बनाने में महासचिव वंदना वर्मा का विशेष योगदान रहा. समिति की कैशियर सीमा श्रीवास्तव का भी सहयोग सराहनीय रहा. कार्यक्रम में सम्मिलित महिलाएं गायत्री सहाय, ज्योति वर्मा, ज्योति नाथ, पूनम सिन्हा, कविता कुमार, माला सिन्हा, रीना सिन्हा , कंचन, किरण श्रीवास्तव, दीपा, नीलम सिन्हा, शलिला प्रसाद, सरिता सिन्हा, नवनीता, जमीना प्रसाद, निर्मला श्रीवास्तव, माला, अलका, मीनू राधा, सपना, सुनीता श्रीवास्तव, मांडवी, बिट्टू आदि ने इसे अत्यंत संगीतमय और मनोरंजक बना दिया. सभी महिलाओं के बीच श्रृंगार प्रसाधन चूड़ी, बिंदी, मेहंदी आदि का वितरण भी किया गया.

संत जेवियर्स विद्यालय में दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट प्रारम्भ

बोकारो। संत जेवियर्स विद्यालय, सेक्टर 1 के प्रांगण में बोकारो विकारियट द्वारा आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ. जिसमें बोकारो जिले के 10 स्कूलों की 18 टीमों के बच्चों ने भाग लिया. टूर्नामेंट का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य फॉदर अरुण मिंज के कर कमलों द्वारा हुआ. मसी मार्शल स्कूल कजरकिलो, मसी मार्शल स्कूल पतकी, सेंट लुइस स्कूल बालीडीह, हॉली क्रॉस स्कूल बालीडीह, कार्मेल स्कूल हिंदी मीडियम और इंग्लिश मीडियम, लोयोला स्कूल हिंदी मीडियम और इंग्लिश मीडियम, सेंट जेवियर्स स्कूल बोकारो हिंदी मीडियम और इंग्लिश मीडियम के खिलाड़ी और कोच उपस्थित रहे. अब तक के हुए मैचों में जूनियर वर्ग में मसी मार्शल स्कूल पतकी और लोयोला स्कूल हिंदी मीडियम गोमिया, संत जेवियर्स स्कूल हिंदी माध्यम और संत लुईस स्कूल बालीडीह की टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया.

सबसे ऊपर देश हमारा जन जन का विश्वास चाहिए!

कविता कलम
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जन-गण-मन में देशभक्ति गहराने लगी तो महानगरों से लेकर गांवों तक तिरंगा के रूप में राष्ट्रीय पताका लहराने लगी. हजारों वीर सपूतों के बलिदानों की कीमत पर देश में आजादी के रूप में नया विहान हुआ. स्थान-स्थान पर राष्ट्र के सम्मान में रंगारंग कार्यक्रमों के आयोजन हुए. कवियों के हृदय से देशभक्ति की रचनाएं फूट पड़ीं. संगीतकारों की वीणा के तार तरंगित होने लगे तो मृदंग की ताल भी उसमें घुलमिल कर समां बांधने लगी. गायकों ने अपने मधुर स्वर में गीत समर्पित किये उसी महान तिथि पर देशभर में स्वाधीनता का सम्मान हुआ. वर्ष में एक बार स्वाधीनता दिवस मना लेना, तिरंगा को ऊंचे नभ में फहरा लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्वाधीनता दिवस के बाद से लेकर अगले स्वाधीनता दिवस तक प्रतिदिन देश के हर नागरिक के मन-मस्तिष्क में नागरिकता का बोध होना चाहिए, जो देश की सर्वांगीण प्रगति के मार्ग प्रशस्त हो सकें. हर नागरिक को स्वाधीनता और स्वच्छंदता में अंतर समझना होगा. स्वाधीनता कहती है-अपने अधीन रहो. अपने अधीन रहने का आशय है स्वयं पर स्वयं ही शासन करो. मन बहकने लगे तो उसपर विवेक का अंकुश लगा कर उसे रोक लो और उसे समाज और राष्ट्र के नियमों, कानूनों, बंधनों को सम्मान देने की प्रेरणा दो. स्वयं को स्वच्छंद न समझो, क्योंकि स्वच्छंद का आशय होता है बंधनमुक्त. स्वयं को बंधनमुक्त समझनेवाला कभी नियमों और कानूनों के बंधन को सम्मान नहीं दे पाता और समाज में अराजकता का प्रसार होता है, जिसे हम गाहे-ब-गाहे महसूस करते रहते हैं और कई बार विवश भी हो जाते हैं. कुछ ऐसा ही संदेश दे रहे हैं

दुमका निवासी कवि **शंभुनाथ मिस्त्री**. इनकी कविता का शीर्षक है-आजादी.

आजादी ने यही दिया क्या हम जिसको जो चाहे कह लें,
और आततायी की साजिश आंख मूंद चुपके से सह लें.
छोटा सा पिस्सू भी अपना डंक चुभाना नहीं छोड़ता,
करता है संघर्ष शक्ति भर निर्णय तक मुख नहीं मोड़ता.
हम न आततायी को आगे कभी सहकने दे सकते हैं,
जो विध्वंसक हैं उनको हम नहीं बहकने दे सकते हैं.
आजादी को वचन चाहिए, और हमें देना ही होगा,
देश और संस्कृति की रक्षा का व्रत अब लेना ही होगा.
भारतमाता के सपूत अब निद्रा त्यागो उठो जाग कर,
घर में दुश्मन पनप रहे जो उन्हें फेंक दो ज्वलित आग पर.
उग आये जो झाड़ विषैला धरती का अभिशाप लग रहे,
आजादी कह रही मिटा दो माथे चढ़ता पाप लग रहे.
आजादी का मानदण्ड है सब समान हित के हैं भागी,
स्वत्व सभी का हो समान सब मातृभूमि के हों अनुरागी.
जो दरिंदगी फैल रही है अब बर्दाश्त नहीं हो पाता,
इसे मिटाना है समूल अब चीख रही है धरती माता.
कौन आज खतरा बन बैठा आजादी को चोट दे रहा,
उठे बवंडर रोज कहीं पर किससे क्या संदेश ले रहा.
आजादी को आज हमें फिर नये सिरे से गढ़ना होगा,
मिट्टी के कँकरीले पन को दूर हटाकर बढ़ना होगा.
अब स्वदेश की हर नारी को सम अधिकार रहेगा मिलकर,
पेड़ एक तो हर डाली का फूल, समान, रहेगा खिलकर.
सबसे ऊपर देश हमारा जन जन का विश्वास चाहिए,
आजादी कह रही देश के गद्दारों का नाश चाहिए.

शम्भुनाथ जी प्रदेश के वरिष्ठ कवि हैं. चूंकि लंबी अवधि तक ये शिक्षक के रूप में नन्हे-मुन्नों के व्यक्तित्व गढ़ते रहे हैं, इसलिए इनकी रचनाओं के एक-एक शब्द में एक शिक्षक बोलता महसूस होता है. कवि शम्भुनाथ द्वारा दिये गये संदेश राष्ट्रहित से ओतप्रोत हैं. उन्हें हृदयंगम किया जाना चाहिए. इनके संदेश का प्रमुख भाग यह है कि स्वाधीनता का अर्थ यह नहीं कि हम मनमानी करें और किसी दूसरे की परवाह ही न करें. बल्कि हमें स्वयं से अधिक अन्य लोगों के लिए चिंता करनी चाहिए. जब आसपास के सभी लोग सुखी और संपन्न होंगे तो उसका आनंद आपको भी विभोर करेगा. धनबाद निवासी कवि अनंत महेंद्र तो चाहते हैं कि भारतवर्ष एक बार फिर यलगार शत्रुओं पर आक्रमण करे, यलगार हो कर अखंडित भारत का स्वप्न साकार हो जाये. प्रस्तुत है

कवि **अनंत महेंद्र** की यह ओजस्वी रचना-

भारत भारतवर्ष बनें यलगार हो.
स्वप्न अखंडित भारत का साकार हो.
पुनः पुरातन समृद्धि संधान रहे
चंद्रगुप्त सा ओजस्वी ललकार हो.
पाक अधिकृत कश्मीरी धरती का भी उद्धार करो.
चीन अनैतिक कृत्य करे तो उसका भी प्रतिकार करो.
शस्त्र-शास्त्र से हो भयभीत शत्रु पग वापस नाप उठे.
रौद्र रूप दिखलाओ ऐसा रिपुदल थर-थर कांप उठे.
घर के भी गद्दारों का संहार हो.
हिन्दकुश के पर्वत से जा ब्रह्मदेश की माटी तक.
सिंधु धार से बहते-बहते गंगा जी की घाटी तक.
त्रिविष्टिक , भूटान सहित नेपाल से सिंहलद्वीप सटे.
और कोई भू-भाग कभी न इंच मात्र नक्शे से हटे.
भारत मां की चहूंदिशा जयकार हो.
जन-जन तक बालक मन तक सब वीर कथाएं पहुंचाकर.
भूल गए हैं जिन नायक को, वो किस्से सब बतलाकर.
स्व-इतिहास को संजोकर अब नव इतिहास भी लिख डालें.
विश्व गुरु बन अपना गौरव पुनः प्राप्त कर दिखला दें.
समस्त विश्व को हम ऐसे स्वीकार हो.

आशा ही नहीं, पूरा विश्वास है कि अनंत महेन्द्र जी की इस रचना का सकारात्मक प्रभाव राष्ट्र, समाज और नागरिकों पर पड़ेगा. देश का बच्चा-बच्चा इनकी रचना को अपने दिलों में बसा कर राष्ट्र के कल्याण के प्रति स्वयं को समर्पित कर दे. स्वाधीनता की अक्षुण्णता और राष्ट्र की प्रगति के लिए केवल स्वप्न देखना ही पर्याप्त नहीं है, अपितु मन, वचन और कर्म के प्रति एकता का होना भी अनिवार्य है. निस्संदेह, हमारा भारतवर्ष सबसे अनूठा, सबसे प्यारा देश है. यह हमें प्राणों से प्यारा है, सारी दुनिया से न्यारा है. धनबाद की कवयित्री **डॉ. संगीता नाथ 'संगीत'** की कविता की आत्मा तो यही बोल रही है.

अपना भारत अपना राज दुलारा है,
विश्व पटल पर अद्भुत सबसे न्यारा है.
अमिट रहा इतिहास यहां के वीरों का,
इनके आगे हर इक दुश्मन हारा है.
व्यर्थ न हो,व्यर्थ न हो, व्यर्थ न हो कुर्बानी
इनकी फिर वतन पर न अब घात हो.
रुधिर से अपनी धरती को नहलाया है,
तभी तिरंगा हिमगिरि पर लहराया है.
उत्सर्ग किया सांसो की दे दी आहुति,
कर्ज देश का दे कर प्राण चुकाया है.
कैसे भला, कैसे भला, कैसे भला भूल
सकोगे त्याग बलिदान इनका कहो.
आजादी का जश्न है खूब मनाओ तुम,
कितने खोये लाल भूल मत जाओ तुम.
सच्ची है हर बात यही हकीकत है,
इतिहास मरोड़ तोड़ कर मत समझाओ तुम.
सौंप गये,सौंप गये, सौंप गये खुद को
मिटा कर उन्मुक्त वतन हमको.
संतान मनु के हम सब हिन्दुस्तानी हैं,
त्याग समर्पण की थाती बलिदानी हैं.
हम नहीं डरते शत्रु के प्रतिघातों से,
पगे शौर्य में मर्यादित अभिमानी हैं.
देश मेरे, देश मेरे, देश मेरे जीना हरेक
पल और मरना तुम्हारे लिए.

कवयित्री डॉ. संगीत के इस प्रयास को नमन करता हूं. आशा है इनके पाठकों तक इनके काव्य का प्रकाश पहुंचेगा और फिर पूरे देश को आलोकित करेगा, देश के नागरिकों में राष्ट्रभक्ति का प्रबल भाव भरेगा. हमारा देश भारत विश्व में अपना सर्वोच्च स्थान पुनः प्राप्त करने में सफल होगा. इसी कामना के साथ जय हिंद! जय झारखंड!!

सास

हिन्दी के कवियों को जैसे गीत-गवास लगा करती है,
या नेता-टाइप लाला को, नाम-छपास लगा करती है.
मथुरा के पंडों को लगती है खवास औरों के घर पर,
उसी तरह श्रोतागण पाकर मुझे कहास लगा करती है.
पढ़ते वक्त मुझे बचपन में अक्सर प्यास लगा करती थी,
और गणित का घंटा आते, शंका खास लगा करती थी.
बड़ा हुआ तो मुझे इश्क के दौरे पड़ने लगे भयंकर,
हर लड़की की अम्मा मुझको अपनी सास लगा करती थी.
कसम आपकी, सच कहता हूं, मुझको सास बहुत प्यारी है,
जिसने मेरी पत्नी जाई, उस माता की बलिहारी है.
जरा सोचिए, अगर विधाता जग में सास नहीं उपजाते,
तो हम जैसे पामर प्राणी बिना विवाहे ही रह जाते.
कहो कहां से मुन्नी आती? कहो, कहां से मुन्ना आता?
इस भारत की जन-संख्या में अपना योगदान रह जाता .

- गोपाल प्रसाद व्यास

स्वास्थ्य सेवाएं और मौलिक सुरक्षा

चौराहा
प्रमोद कुमार झा

भारत में आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के शुरू हुए डेढ़ सौ वर्ष से अधिक हो गए. महान चिकित्सक और समाज सुधारक डॉ. रमा बाई पंडिता भी प्रारंभिक दौर में ही चिकित्सा की पढ़ाई करने इंग्लैंड गयी थी, लेकिन आरंभिक काल से भारत में महिला चिकित्सकों को लगातार विभिन्न प्रकार की प्रताड़नाओं, अपमानों और ऐसे व्यवहार का सामना करना पड़ता था, जिसे आजकल 'जेंडर डिस्क्रिमिनेशन' कहा जाता है! पिछले सप्ताह हुए कलकत्ता के मेडिकल कॉलेज में हुई वीभत्स घटना के बाद तो देश के विवेक और अन्तरात्मा पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है! कुछ दशक पूर्व यौन अपराध को ₹पाशविक₹ कहने पर हिंदी के प्रसिद्ध लेखक हरिशंकर परसाई ने कहा था कि इसे 'पाशविक' कहना पशुओं का अपमान करना है, क्योंकि कोई भी पशु बलात्कार नहीं करता! सुअर तक भी बलात्कार नहीं करते! ज़ाहिर है ये जघन्य अपराध और निकृष्ट कार्य सिर्फ मनुष्य ही करते हैं. आश्चर्य की बात है कि यौन अपराधियों की ओर सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक मान्यताएं कैसी हैं. अवश्य ही इनपर एक एक कर विचार करना प्रासंगिक होगा. परिवार में हुए यौन अपराध को परिवार के लोग ही दबाने, छिपाने की पूरी कोशिश करते हैं, क्योंकि इससे ₹परिवार₹टूटने का खतरा रहता है कारण अपराधी भी तो कोई परिवार का सदस्य ही होता है. कई दशकों में जितने तथाकथित धर्म गुरुओं के यौन अपराध में लिप्त होने की बात सामने आती रही है कि अब किसी 'गुरु' जैसे व्यक्ति से विश्वास ही उठ गया है. पुराने समय से बड़े पुराने प्रख्यात मंदिरों में युवा देवदासियों के संग यौन अपराध की सुनियोजित लंबी परम्परा रही है. हमारे समाज ने बहुत हाल में आकर इस व्यवस्था को समाप्त किया और इसकी भर्त्सना की. पर अभी भी धर्म की आड़ में युवा लड़कियों और महिलाओं के संग यौन अपराध किया जाता रहा है. सबसे चिंतनीय है राजनीति में महिलाओं के संग यौन अपराध का राजनीतिकरण. याद कीजिए पटना का बॉबी हत्याकांड, दिल्ली के एक पंच सितारा होटल में एक महिला के तन्दूर में जलाने की घटना इत्यादि. ताज्जुब तब होता है जब हाल के कोलकाता में हुए चिकित्सक के संग सामूहिक बलात्कार और हत्या को भी राजनीतिक रंग दिया जा रहा है. देश के एक प्रमुख राजनीतिक दल के नेता ने इस पर 'लड़के हैं, गलतियां हो जाती हैं' जैसी टिप्पणी की थी. बलात्कार के आरोप में बंद राजनीतिज्ञ के बेल पर जेल से बाहर आने पर बड़े नेताओं द्वारा माला पहनाकर स्वागत, अभिनंदन किया गया, खेलों में महिला खिलाड़ियों के संग यौन उत्पीड़न की आवाज उठाने पर आरोपी को ही संरक्षण दिया गया. गौर करें कि देश की सम्मानित संवैधानिक संस्थाओं में आरोपी सदस्य होते रहे हैं. क्या हमें मानना पड़ेगा कि यह देश यौन अपराधियों का देश है? एक वृद्ध महिला चिकित्सक का अनुभव पढ़ रहा था हाल में. उनका कहना था कि पिछली शताब्दी के चौथे दशक में भी एक मेडिकल छात्रा के रूप में उन्हें और सारे महिला स्वास्थ्य कर्मचारियों को चारों ओर बलात्कारी नज़रों के बीच गुजारना पड़ा था. इसमें वे सारे लोग थे जो अन्यथा भले, सम्मानित लोक हैं! याद कीजिए बहुचर्चित अरुणा शानबाग की दुर्घटना, पिछले दिनों एक महिला वेटिनरी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना और अब इस कोलकाता वाली दुखद दुर्घटना! एक सर्वे के अनुसार भारत में एक चौथाई से अधिक मेडिकल कर्मी मानसिक तनाव से ग्रस्त हैं. किसी प्रांगण में कर्मी की सुरक्षा नियोक्ता की पूरी जिम्मेदारी है. क्या अविलम्ब सभी अस्पतालों में सुरक्षा कर्मी के रूप में सिर्फ महिलाओं को नियुक्त किया जाएगा? क्या प्रत्येक अस्पताल में और मेडिकल कॉलेज में कार्यरत डॉक्टरों और अन्य महिला स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सुरक्षित बेसिक सुविधाओं और आराम की जगह की व्यवस्था की जाएगी? क्या अस्पतालों में चतुर्दिक कैमरे और सुरक्षा की उचित व्यवस्था की जाएगी? अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी, एक राजनीतिक वक्तव्य हो गया है. क्या ऐसे अपराध को पूरी तरह से रोकने की कोई योजना है? यदि नहीं तो ऐसे बलात्कार और हत्याएं होती रहेंगी!

चित्रकूट : अवलोकत अपहरत विषादा

यायावर
डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

महाकवि गोस्वामी तुलसीदास की 527 वीं जयंती के पावन पुनीत अवसर पर 11-12 अगस्त 24 को चित्रकूट जाने का सुअवसर प्राप्त हुआ. दो दिवसीय तुलसी जयंती का आयोजन तुलसी शोध संस्थान मध्य प्रदेश सरकार के तत्वावधान में किया गया था. इसके संकल्पक प्रो अवधेश प्रसाद पाण्डेय और प्रायोजक श्री दीपक कुमार गुप्ता निर्देशक (जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद् , भोपाल) एवं रामेश्वर पटेल थे. चित्रकूट पहले भी अनेक बार गया हूं, लेकिन इस बार का जाना कई अर्थों में शिष्ट और विशिष्ट रहा.इस बार बहुत निकट से चित्रकूट को देखने समझने का सुअवसर प्राप्त हुआ. चित्रकूट की भूमि वह पवित्र भूमि है, जहां प्रभु श्रीराम 14 वर्षों की वनवास की अवधि में लगभग 12 वर्ष चित्रकूट में रहे. इस पवित्र भूमि ने संकट की घड़ी में रहीम का भी साथ दिया था. अब्दुल रहीम खानखाना जब मुग़ल दरबार से किसी कारण वश जहांगीर द्वारा निकाले गये थे तो चित्रकूट में ही शरण मिली थी. रहीम ने चित्रकूट की महिमा का गान करते हुए लिखा है कि विपत्ति की घड़ी में चित्रकूट की भूमि सबका साथ देती है:-

चित्रकूट में रम रहे रहिमन अवध नरेश.
जाके विपदा परत है, सो आवत ऐहि देश.

महाभारत काल में धर्म राज युधिष्ठिर ने वनवास काल में इसी चित्रकूट में तपश्चर्या की थी. महाराज नल विपत्ति काल में दमयंती के साथ कामद गिरि की परिक्रमा करने के बाद ही

अपना खोया राज्य पा सके थे.इसी कामद गिरि की गुफाओं में प्रभु श्रीराम का आश्रम था. इसी कामद गिरि पर राम भरत का आध्यात्मिक संवाद हुआ था. यह संवाद महामुनियों और महाज्ञानियों (बशिष्ठ, विश्वामित्र, महाराज जनक आदि)की उपस्थिति में हुआ था,जिसे सुप्रसिद्ध इतिहासकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने कामदगिरि पर हुई बैठक को आध्यात्मिक घटना की संज्ञा प्रदान करते हुए लिखा है कि चित्रकूट में जो राम और भरत का मिलन हुआ है-वह शील और शील का, स्नेह और स्नेह का और नीति और नीति का मिलन है.इस मिलन से संघटित उत्कर्ष की दिव्य प्रभा देखने योग्य है,जिससे सारा वन प्रांत जगमगा उठा.यह झांकी अपूर्व है.इसी कामतानाथ की महिमा का वर्णन करते हुए महाकवि तुलसीदास ने मानस के अयोध्या काण्ड में लिखा है कि:-

कामद गिरि भे राम प्रसादा.
अवलोकत अपहरत विषादा.

प्रखर समाजवादी चिंतक डा राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि भारत की सामासिक संस्कृति को एक सूत्र में जोड़ने का काम केवल रामकथा कर सकती है.उनकी इसी संकल्प का मूर्त रूप चित्रकूट में अखिल भारतीय रामायण मेला का प्रत्येक वर्ष महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजन है.इस अखिल भारतीय रामायण मेला के आयोजक स्व गोपाल कृष्ण करवरिया जी और आचार्य बाबू लाल गर्ग जी थे.पहले यह रामायण मेला एक दिवसीय था, आज यह रामायण मेला पांच दिवसीय हो गया है और अब इस मेला के संयोजक राजेश कुमार करवरिया के पुत्र श्री प्रशांत करवरिया जी और रामायण मेला के महामंत्री डॉ. करुणा शंकर द्विवेदी जी हैं. इस अद्भुत अखिल भारतीय रामायण मेला के आयोजन के लिए सभी बधाई और प्रशंसा के पात्र हैं. पुण्य शील भारत रत्न नाना जी देशमुख ने इसी चित्रकूट में महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना की है. देश का अकेला विकलांग विश्वविद्यालय श्री रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय इसी चित्रकूट में अवस्थित है. वाल्मीकि रामायण के अनुसार इस चित्रकूट में अनेक ऋषि महर्षि श्री शिवजी के साथ तप कर अपना पुण्य चित्रकूट को देकर स्वर्ग चले गये थे. भगवान शिव ने कामदगिरि को वरदान दिया था कि जो व्यक्ति तुम्हारी तीन परिक्रमा करेगा, तुम्हारी चोटियों के दर्शन करेगा-उसकी सभी कामना पूर्ण होंगी.इसी चित्रकूट में ब्रह्मा, विष्णु महेश तीनों देवों को बालक रूप में जन्म लेना पड़ा था और सती अनुसूया के आश्रम में तीनों देव बालक बन क्रीड़ा करते थे. महर्षि अत्रि का आश्रम यही है. कलियुग ने समस्त संसार पर अपना जाल बिछा दिया था, किंतु प्रभु श्रीराम की कृपा से अद्यावधि चित्रकूट उससे मुक्त है.गुप्त गोदावरी ,भरत कूप, स्फटिक शिला, हनुमान धारा,राम घाट,जानकी घाट, लक्ष्मण घाट यहीं है.जगद गुरु श्री रामभद्राचार्य जी का तुलसी पीठ यहीं है.पयस्विनी और मंदाकिनी का पवित्र संगम यहीं है.इसी चित्रकूट की मंदाकिनी के रामघाट पर हनुमान जी के सौजन्य से तुलसी को राम के दर्शन हुए, जिसके साक्ष्य में ये दोहा बहुप्रचलित है:-

चित्रकूट के घाट पर,भई संतन की भीर.
तुलसीदास चंदन घिंसै,तिलक देत रघुवीर.

दुनिया को मां से समझो

नश्तर
सुधीर राघव

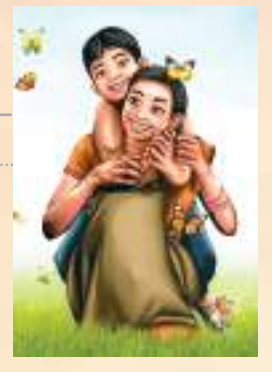

हम एक दुनिया में हैं. हमारे चारों ओर एक दुनिया है. इस दुनिया को ज्ञानियों ने गूढ़ रहस्य बताया है. पुराण तो यहां तक कहते हैं कि इस दुनिया का कोई ओर छोर नहीं है. मगर यह बिना ओर-छोर वाली ज्ञानियों की दुनिया है और ये ज्ञानियों की बाते हैं. शायरों और कवियों की दुनिया जरा अलग हटकर है. उनकी बातें भी अलग हैं. उन्होंने दुनिया को अपने तजुर्बे से जाना है. मियां मिर्जा गालिब दुनिया को बच्चों का खेल मानते थे. वे बाकायदा अपनी कलम से लिखकर गए कि बाचीजा-ए-अतफ़ाल (बच्चों का खेल) है दुनिया मिरे आगे, होता है शब-ओ-रोज तमाशा मिरे आगे. मिर्जा को छोड़कर शहाब जाफरी साहब की बात करते हैं. वह तो इतने नशे में थे कि इक रोज उन्होंने अपने पांव तले ही दुनिया कुचल दी. इस वाकये को उन्होंने कुछ यूं लिखा–चले तो पांव के नीचे कुचल गई कोई शय, नशे की झोंक में देखा नहीं कि दुनिया है. अकबर इलाहाबादी बड़े उस्ताद थे. वह साफ-साफ कह गए कि दुनिया में हूं दुनिया का तलबगार नहीं हूं, बाजार से गुजरा हूं खरीददार नहीं हूं. दुनिया को लेकर निदा फ़ाज़ली साहब का लहजा जरा जुदा रहा है. एक जगह वह कहते हैं – दुनिया जिसे कहते हैं, जादू का खिलौना है, मिल जाए तो मिट्टी है खो जाए तो सोना है.

शेख इब्राहिम जौक दुनिया से दिल लगाने को लेकर सावधान कर गए मगर साथ ही कह गए कि इसके बिना काम भी नहीं चलता– बेहतर तो है यही कि न दुनिया से दिल लगे, पर क्या करें जो काम न बे-दिल-लगी चले. अल्लामा इक़बाल दुनिया को अपने बुझे दिल की नजर से देखते हैं और कहते हैं – दुनिया की महफिलों से उकता गया हूं मैं या रब, क्या लुत्फ अंजुमन का जब दिल ही बुझ गया हो. जौन एलिया साहब दुनिया को ठेंगे पर रखते हैं. उनका अंदाज देखिए – नहीं दुनिया को जब पर्वा हमारी, तो फिर दुनिया की पर्वा क्यूं करें हम. इन सबसे आगे हैं लाला माधव राम जौहर जो दुनिया को रहने के काबिल ही नहीं मानते. वह तो सबसे कह गए कि अपना बोरिया बिस्तर उठाओ–दुनिया बहुत खराब है जा-ए-गुजर नहीं, बिस्तर उठाओ रहने के काबिल ये घर नहीं. हसरत जयपुरी दुनिया को लेकर काफी निराश थे. उन्होंने दुनिया बनाने वाले से ही सवाल पूछ डाला कि तूने काहे को दुनिया बनाई. कैफी आज़मी यहां तक कह गए कि ये दुनिया, ये महफिल मेरे काम की नहीं. प्रेम धवन ने लिखा तेरी दुनिया से होके मजबूर चला, मैं बहुत दूर, बहुत दूर चला. आनंद बख्शी का दुनिया को देखने का नजरिया अलग था, उन्होंने कहा है कि दुनिया में कितना गम है, मेरा गम कितना कम है. दुनिया पर कवियों और शायरों ने जितना रिसर्च किया है उतना तो वैज्ञानिक भी नहीं कर सके. एक बार यूनानी गणितज्ञ आर्कीमीडीज ने कहा था कि मुझे एक पर्याप्त लंबाई का लीवर दे दो और उसे रखने की जगह दे दो, मैं इस पूरी दुनिया को पलट दूंगा. इस तरह यह दुनिया जीवन को पालती ही नहीं है, बल्कि उसे उलटने और पलटने की स्वतंत्रता भी देती है. इतनी स्वतंत्रता अपने बच्चों को एक मां ही दे सकती है. इसलिए दुनिया को समझना है तो मां को समझ लो.

संजय बनर्जी की कलाकृतियों में छोटानागपुर का पठार

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

कलाकार अक्सर प्रकृति से प्रेरणा लेते हैं और अपनी कलाकृति में प्रकृति को शामिल करते हैं. प्रकृति से प्रेरित कलाकार की कलाकृतियां किसी भी माध्यम में हो सकती हैं. इन कलाकृतियों से प्रकृति और प्रकृति के साथ मानवता के रिश्ते के बारे में पता चलता है. प्रकृति से जुड़ी कला केवल प्रकृति की सुंदरता को दिखाने के लिए ही नहीं की जाती, बल्कि इससे पर्यावरण में वैज्ञानिक अवलोकन करने और प्रकृति से जुड़े दार्शनिक विचारों के लिए भी दिमाग खुलता है. प्रकृति से प्रेरित कला उकेरने का पहला कदम प्रकृति में समय बिताना है. विन्सेंट वान गॉग का मानना था कि एक कलाकार को प्रकृति को सही मायने में जानना और समझना चाहिए. ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका प्रकृति के बीच जाकर उसे महसूस करना और काम करना होता है, तभी तो संजय बनर्जी जैसे कलाकार पठारों पर जाते हैं और वहां के प्राकृतिक सौंदर्य की अनुभूति करते हैं. संजय बनर्जी लगभग बीस वर्षों से छोटानागपुर के पठारों पर घूम-घूम कर उसे महसूस करते हैं और फिर उसे अपने कैनवास पर जल रंगों से उकेरते हैं. इन्होंने बिरला एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट्स कोलकाता से डिप्लोमा किया. इस वर्ष जहांगीर आर्ट गैलरी मुंबई और दरबार हॉल आर्ट सेन्टर अर्नाकुलम में इनकी कला की प्रदर्शनी लगी. इससे पूर्व इनकी कला की प्रदर्शनी लोकयात्रा आर्ट गैलरी, नई दिल्ली, कला अकादमी गोवा, चित्रमयी स्टेट गैलरी ऑफ फाइन आर्ट्स हैदराबाद, बिरला एकेडमी ऑफ आर्ट एण्ड कल्चर कोलकाता, चित्रकला परिषद बंगलोर, आनंदी आर्ट गैलरी हावड़ा में लग चुकी है. मुंबई, कोलकाता, भोपाल, अरुणाचल प्रदेश, जमशेदपुर, हैदराबाद के कला शिविरों में भाग ले चुके हैं. कला के क्षेत्र में इन्हें कई सम्मान भी प्राप्त हो चुके हैं.

संजय बनर्जी का कहना है कि छोटानागपुर पठार एक बीती हुई लहर की तरह इनके छोटे से शहर में मिल जाता है, जो इनका गृहनगर और कार्यस्थल दोनों है. यह पहाड़ियों, नदियों और हरी-भरी भूमि के विस्तृत विस्तार से घिरा हुआ है. प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया रंग हमेशा इनके प्लेट पर हावी रहा है. ये प्रकृति को रचनात्मक नजरिये से देखते हैं और उसे कागज और कैनवास पर उतारने की कोशिश करते हैं. इन्होंने सदैव प्रकृति की प्रशंसा की है. चट्टानी नदियों और परिदृश्यों को देख कर इन्हें साहस और रचनात्मक भावना की अदम्य शक्ति का पाठ मिला है. ये इस साहस को ही कैनवास पर तब उतारने की कोशिश करते हैं, जब ये अपने कैनवास के माध्यम से नृत्य करने वाले सभी रंगों को संतुलित करते हैं और सामंजस्य स्थापित करते हैं. कैनवास हो या कागज, इनकी सबसे बड़ी खासियत है जगह का पूरा-पूरा इस्तेमाल. मौसम चाहे जो भी रहा हो, इस कलाकार ने किसी भी तस्वीर में इंच भर जगह को हल्केपन में नहीं लिया. अपने संयोजन में विपरीत रंगों को भी पास-पास रखकर उनकी दोस्ती से खूबसूरती पैदा करने की कोशिश रहती है इनकी. इनके कैनवास पर हर कलाकृति यह साबित करती है कि संतुलन को ये काफी महत्त्व देते हैं.

‘कला-संवाद’ का शतक पूरा

मनोज कुमार कपरदार झारखंड के एक मात्र कला समीक्षक हैं, जिनके पास एक सोच भी है और समर्थ कला भाषा भी . इसलिए ये जो लिखते हैं, उसे पढ़ने का आनंद कुछ अलग ही है . बेशक इनकी लेखनी में आज झारखंड की कला को नई पहचान मिल रही है .

मनोज कुमार कपरदार हिंदी दैनिक शुभम संदेश के लिए दो वर्ष से साप्ताहिक कॉलम कला संवाद के माध्यम से झारखंड के कलाकारों से कला प्रेमियों को परिचित करा रहे हैं . आज इस कॉलम की सौवीं कड़ी पाठकों के सामने है .

आखर

जो मुड़ के देखता हूं

"मेरे चरित्र वही बोलते हैं जो किन्हीं मुनासिब मौकों पर मुझे कहना चाहिए था परन्तु मैं कह न सका. कारण कई हो सकते हैं... शिष्टाचारवश, लोकाचारवश, वर्जनाएं, हीनता-ग्रंथि..! ऐसे में लेखन ही मेरा कांउटर ईगो है"... जाने-माने साहित्यकार राकेश कुमार सिंह की स्वीकोरोक्ति के साथ इस अंक से शुरुआत हो रही एक अनियमित नए कॉलम "जो मुड़ के देखता हूं" की . इसके तहत अगली बार हम एक अन्य महत्वपूर्ण साहित्यकार की लेखन यात्रा से होंगे रू-ब-रू...

लेखन मेरा काउन्टर इगो है

परिचय

राकेश कुमार सिंह

जन्म : 20 फरवरी 1960 पलामू (झारखंड) के गुरहा गांव में.
शिक्षा : स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान (पी.एच.डी.) एवं विधि स्नातक.
कृतियां : हांका तथा अन्य कहानियां, ओह पलामू..!, जोड़ा हारिल की रूपकथा,महुआ मांदल और अंधेरा, कहानी खत्म नहीं होती,तमस कोहरा और..!, रूपनगर की रूपकथा (कथा-संग्रह)
पठार पर कोहरा, जहां खिले है रक्तपलाश,जो इतिहास में नहीं है,साधो,यह मुर्दों का गांव,हुल पहाड़िया,महाअरण्य में गिद्ध, ऑपरेशन महिषासुर,मिशन होलोकॉस्ट,ठहरिए..! आगे जंगल है,खोई हुई कड़ियां,महासमर की सांझ (उपन्यास)
केशरीगढ़ की काली रात,वैरागी वन के प्रेत, नीलगढ़ी का खजाना (किशोर उपन्यास)
कहानियां ज्ञान की विज्ञान की, आदिपर्व, उलगुलान, अग्निपुरुष, अरण्य कथाएं, अवशेष कथा (बालोपयोगी पुस्तकें).

सम्मान : झारखंड का प्रतिष्ठित राधाकृष्ण सम्मान (2004), 'पाखी' पत्रिका का शब्द साधक जनप्रिय सम्मान (2015), आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान (2016) कथाक्रम कहानी प्रतियोगिता (2001 तथा 2002) में प्रथम पुरस्कार,कथाबिंब कहानी प्रतियोगिता (2002) में प्रथम तथा कमलेश्वर स्मृति कथा सम्मान (2008) में प्रथम पुरस्कार.
कहानी 'ठहरिए आगे जंगल है' पर दूरदर्शन द्वारा इसी नाम से टेलीफिल्म निर्मित -प्रदर्शित. कई कहानियां उड़िया, पंजाबी तथा अंग्रेजी में अनूदित.

जीवन के पैंतीसवें वर्ष में लिखना रास आया. अब टीस होती है कि बहुत समय बिना लिखे गंवा चुका हूं. साहित्यिक सक्रियता की दृष्टि से निष्क्रिय खर्च समय की भरपाई अब असंभव है. सपने में भी नहीं सोचा था कि कभी लिखना भी मुझसे संभव होगा. मां-पिताजी के वंशवृक्ष में कई पीढ़ियों तक किसी लेखक-रंगकर्मी-चित्रकार-पत्रकार या गायन का कोई इतिहास नहीं... बावजूद इसके मैं साहित्य की ओर आकृष्ट हुआ तो इसका श्रेय मेरे जीवन में आए चार गुरु जनों का है. ये थे हार्वे सोन भैली हाई इंग्लिश स्कूल - देवरी (जपला) के हमारे हिन्दी शिक्षक स्वर्गीय रामदास तिवारी जी, मेरे गांव के गोतिया बाबा (पितामह) स्वर्गीय धनपत सिंह जी, मेरे महाविद्यालय के अग्रज सहकर्मी (साहित्यकार) डॉ मिथिलेश्वर जी और रांची विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अशोक प्रियदर्शी जी.

दसवीं-ग्यारहवीं कक्षा में तिवारी माट्साब नाटकीय भंगिमा और संवादों के साथ जब "कहानी संकलन" और "साहसिक कहानियां" पढ़ाया करते थे तो मानो वे कथा प्रसंगों -चरित्रों को आंखों के समक्ष मूर्तिमान कर देते थे. वे कहते थे- "लंबी छुट्टियों में प्रेमचंद, प्रसाद, शरच्चंद्र, वृंदावन लाल वर्मा आदि के उपन्यास पढ़ा करो. हिन्दी सुधरेगी."

अभिभावक जहां उपन्यास पढ़ना गंदी आदत बताते थे वहीं हमारे माट्साब वर्जित फल चख लेने को प्रेरित करते थे. कहां गए वे लोग? वे गुरु जन?

डोडो-गोंडावन पक्षियों की भांति विलुप्तप्राय ऐसे शिक्षकों की प्रजाति अब या तो उनकी पारिवारिक तस्वीरों में है या हम जैसे विद्यार्थियों की स्मृतियों में रह गई है.

हमारे धनपत बाबा किसी शाला में शिक्षक भले नहीं थे परन्तु मेरे तईं उनका दर्जा मेरे कथा गुरु का रहा और रहेगा. किस्से-कहानियों की जादुई दुनिया में उतरने वाली सीढ़ियों का एक दहाना धनपत बाबा की खलिहान में भी था.

गर्मियों की सांझ में नदी की रेत पर, शाम ढलने चांद निकलने तक रब्बी-खरीफ के मौसमों में धान-गेहूं के खलिहानों में शीत-बसंत, तोता-मैना, कुंवरविजयमल, आल्हा-ऊदल, राजा भरथरी, सोरठी बृजाभार आदि-आदि की गेय कथाएं ऊंची आवाज में गा-गा कर बांचते थे धनपत बाबा. उनका गुरु गंभीर सातवां सुर तो सीधा कलेजे में उतर जाता था.

अब लगता है कि विदेशी आक्रांताओं या बख्तियार खिलजी जैसे बर्बर हमलावरों द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय दहन जैसे विध्वंसक अभियानों के बावजूद यदि भारतीय साहित्य -संस्कृति अमर रही तो इसे बचाए रखने का श्रेय हमारे आंचलिक कथावाचकों, लोक गायकों और भारतीय वांग्मय की वाचिक परंपरा को ही जाता है.

तिवारी माट्साब ने यदि मेरी मानस-भूमि की जुताई -गुड़ाई कर इसे किस्से-कहानियों के योग्य बनाया तो धनपत बाबा ने उस तैयार जमीन पर कहानियों के बीज बोए. समय की मिट्टी तले सोए-शांत बीजों को अनुकूल मौसम उपलब्ध कराया मेरे तीसरे कथा गुरु ने... मिथिलेश्वर जी.

आरा (बिहार) के सृजनात्मक साहित्यिक पर्यावरण और मिथिलेश्वर जी के सिंचन -पटवन ने मेरे कथा बीज को उगा दिया. वे मिथिलेश्वर जी ही रहे जिन्होंने सर्वप्रथम मेरी पहली अनगढ़ लिखाई को कहानी का मान दिया. मुझे कथाकार की मान्यता दे कर मेरे लिए साहित्य की दुनिया के दरवाजे खोल दिए.

कथा-रसिक श्रोता-पाठक मैं अवश्य था परन्तु लिखना...!

साहित्य और समाज का बदलाव

मुझे लगता है कि साहित्य से समाज को बदल डालने की सदिच्छा लेखक को मानसिक अवसाद की ओर धकेल सकती है. कुछ लोग इसके शिकार हुए भी हैं. जरूरी नहीं कि सभी सहमत हों पर मुझे लगता है कि साहित्य मात्र विचार दे सकता है. आगे सामाजिक बदलाव के औजार दूसरे हैं. मथानी से कड़छी या चिमटे का काम लेना गैर मुमकिन -गैरमुनासिब काम है. बहरहाल मशीनी लेखन मेरे लिए असहज है सो हाथ से ही लिखा और लिखता रहा हूं. मैं मेज-बिस्तर पर नहीं लिख सकता बल्कि मुनीम जी वाली छोटी डेस्क पर, चटाई पर बैठ कर लिखता हूं. रचनाएं भी वहीं भेजता हूं जहां अभी भी हस्तलिखित की कद्र होती है.

ऐसे हुई लेखन की शुरुआत

यह मुश्किल काम शुरू हुआ था संयोग से या कहें हठयोग से. मेरी पत्नी की महती भूमिका रही है जिनकी निगाह में साहित्यकार का स्थान बहुत ऊंचा था. वे खूब पढ़ती थीं. उनकी नजरों में विशिष्ट बनने हेतु मैंने लिखने की ठानी. एक बचकानी कोशिश कह सकते लेकिन यही सच है कि उपन्यास "महासमर की सांझ" से पूर्व मेरे नाम से जो कुछ प्रकाशित होता रहा है वह वस्तुतः हम तीन लोगों का संयुक्त लेखन था. मैं, पत्नी अनीता और हमारे बेटे वरूण प्रभाकर द्वारा परिकल्पित और सृजित. साहित्य में शायद हमारा यह उपक्रम इकलौती मिसाल है. बहरहाल...पहली बार जब तीन फुलस्केप पृष्ठों की पहली कहानी (नक्सलाइट) लिख ही डाली तब साहित्य की सर्वसुलभ पत्रिका 'हंस' ही थी. मैंने कहानी 'हंस' में भेज दी. संपादक "हंस"-स्वर्गीय राजेन्द्र यादव जी के साथ जो पत्र-व्यवहार हुआ वह एक अलग किस्सा है. यहां बस इतना कि बिल्ली के भाग्य से छींका टूटा. बिना सूचना-स्वीकृति पत्र मिले परिवर्तित शीर्षक स्नाम अज्ञातस्के साथ 'हंस' दिसंबर 1995 अंक में कहानी छप गई.

अपने नाम के साथ छपे अक्षरों का का नशा उस दिन चढ़ा तो उतरने का नाम ही न ले. अपने गांव -जवार के जीवित -दिवंगत लोगों और घटनाओं को आधार बना कर हम तीन तिलंगे कहानियां गढ़ने लगे. पत्नी कच्चा माल जुटातीं. कच्चे माल में मैंने अपनी सोच और कल्पना के गोटे-फुंदने टांके और कहानियां संभव होती गईं.

उन दिनों 'नवलेखन अंक' या 'युवालेखन अंक' का चलन नहीं था. "नए पत्ते", "पहला कदम" या "आते हुए लोग" जैसे स्तंभ नहीं होते थे. बावजूद इसके मुझे राजेन्द्र यादव (हंस), प्रभाकर श्रोत्रिय (अक्षरा, वागर्थ, नया ज्ञानोदय), कमला प्रसाद (वसुधा), विभूति नारायण राय, शैलेन्द्र सागर (कथाक्रम), अपूर्व जोशी (पाखी) जैसे सहृदय संपादक नसीब हुए और कारवां बढ़ता गया.

कहानी की जमीं अपना पलामू

उन दिनों स्त्री-विमर्श का शोर था. लवलीन की रसीली कहानी 'चक्रवात' और कृष्ण बिहारी की 'दो औरतें' की खूब चर्चा थी. महाजनो येन गतः सः पंथा...! मैंने भी "मर्सी किलिंग" और "ग्लेशियर" लिख डाली. परन्तु जब फरवरी-1999 के "हंस" में मेरी कहानी "हांका" छपी और पाठकों से जो प्रतिसाद मिला तो मुझे मानो मेरी अपनी जमीन मिल गई. अपनी सीमा और सामर्थ्य का पता मिल गया. अपना पलामू! झारखंड का जनजीवन..!

मेरे पलामू ने ही लगभग मेरे साथ शुरू हुए नवप्रवेशी, स्थापित लेखकों के बाद बचे पृष्ठों पर अपनी जगह ढूंढने में जुटे मधु कांकरिया, नीलाक्षी सिंह, दूर्वा सहाय, संजय सहाय, वसु मालवीय आदि-आदि से मुझे कुछ अलग पहचान दी.

पाठ्य-पुस्तकों के प्रेमचंद, प्रसाद, सुदर्शन, और विश्वंभरनाथ शर्मा कौशिक का रट्टा लगा कर परीक्षाओं में बैठने वाला मैं जब लिखने लगा तो दूसरों को पढ़ने की भूख भी जाग उठी. फिर तो उपन्यासों के शिखर, कहानियों की मीनारें, कविता के कंगूरे, संस्मरणों के गली-कूचे... मैं विज्ञान का विद्यार्थी मानों एलिस की भांति किसी विचित्र देश में आ गया था. साहित्य की इंद्रधनुषी दुनिया! "हंस, वर्तमान साहित्य, वसुधा, कथाक्रम, वागर्थ मेरी नियमित पत्रिकाएं हो गईं. इन्हीं मंचों पर मेरी अधिकांश कहानियां छपी भी हैं. हिंदी उपन्यास में सबसे अधिक प्रभावित किया फणीश्वरनाथ रेणु जी ने.

पढ़ने से इतना समझ में आने लगा था कि रचना अपनी जमीन से ही खाद-पानी ग्रहण करती है. मेरी प्रतिबद्धता की गर्भनाल पलामू के वर्षा वंचित पठार से जुड़ती गई. पलामू और आगे झारखंड के हलवाहों, चरवाहों, सपेरों, मदारियों, बहेलियों, बहुरूपियों, नटुओं, नाविकों, आदिवासी समाज आदि-आदि से जुड़ती गई. इनके दुःख-दैन्य, संघर्ष और अमर्ष ही मेरी रचनाशीलता के उत्स हैं. मैं इनका कर्जाई हूं अस्तु मेरा लेखन दिल्ली-भोपाल-पटना जैसा नहीं हो सकता था. मैं महानगरीय देह-राग की होड़ का हिस्सा बन कर अपनी प्राथमिकताएं नहीं भूल सकता था.

मात्र प्रेमकथा या देहगाथा लिखूं और झारखंड को अपनी किताब से बाहर रख दूं तो मुझे खुद अपनी किताब खोखली लगने लगेगी. आगे-पीछे गत्ते की जिल्द और भीतर रद्दी कागज. झारखंड के इतिहास -संस्कृति -संघर्ष पर लिखते हुए, आदिवासी समाज के जय-पराजय को कहते हुए, अकेले और विस्थापित होते समाज को दर्ज करते हुए भी रिश्ते, भावनाओं, प्रेम आदि के कोण स्वतः स्फूर्त निकल ही आते हैं. मेरी मान्यता बनने लगी कि रचनाओं में दर्ज सच रचनाकार के अपने परिवेश और अनुभव से निकले तभी सर्वस्वीकार्य सच बन सकता है. यदि कोई रचनाकार अपने परिवेश को कभी चित्रित ही न कर सका तो वह ऐसा दृष्टिहीन मछेरा है जो आजीवन ऐसे ताल में जाल फेंकता रहा जिसमें मछलियां तो क्या, पानी ही नहीं था.

मैं और मेरे पात्र

लेखन मेरे भीतर उबलते भावों के लिए प्रेशर कुकर की सीटी की भांति है. मेरे पात्र वही करते हैं जो किन्हीं समयों में मैं करना चाहता था पर कर न सका. मेरे चरित्र वही बोलते हैं जो किन्हीं मुनासिब मौकों पर मुझे कहना चाहिए था परन्तु मैं कह न सका. कारण कई हो सकते हैं... शिष्टाचारवश, लोकाचारवश, वर्जनाएं, हीनता-ग्रंथि..! ऐसे में यह लेखन ही मेरा कांउटर ईगो है. मैं लिखते समय लगभग सम्मोहन की स्थिति में होता हूं और मेरे भीतर का अतृप्त "मैं" मुझसे अपना मनचाहा लिखवाता जाता है.

लिखने के लिए सबसे पहले मन में कोई स्थिति, चरित्र, कथा भूमि या विषय आता है. इसके बाद मुझे अपने चरित्रों के लिए एकदम सजते हुए अर्थपूर्ण नाम चाहिए होते हैं वर्ना चरित्रों से मेरी दोस्ती नहीं हो पाती और लेखन आत्मीय ढंग से नहीं चल पाता. सटीक नामकरण के बाद मुझे अपने चरित्रों से मुहब्बत होने लगती है. इस प्रेम का रंग ज्यों-ज्यों गाढ़ा होता जाता है मेरे पात्र मेरे भीतर जीने लगते हैं. मुझे उनके रंग, रूप, आदतें, स्वभाव, पसंद-नापसंद या तकिया कलाम गढ़ने नहीं पड़ते. मेरे चरित्र मेरे साथ सोते -जगते हैं, मुझसे बतियाते -झगड़ते रचना के कथोपकथन या संवाद देने लगते हैं.

आलोचकों की दृष्टि

लेखन की मेरे अठ्ठाईस सालों के सफर में ईमानदारी से स्वीकारूं तो मेरा अनुभव रहा कि मेरी कहानियां आम पाठकों द्वारा खूब पढ़ी गईं परंतु आलोचना के मानकों पर शायद उतनी खरी नहीं उतर सकीं. संभव है. क्योंकि मैंने अपना लक्ष्य "आम पाठक" चुना न कि 'खास पाठक' या आलोचक. आलोचक के निकष पर खरा उतरने योग्य चीज बलात् लिखने की कोशिश लेखक को हास्यास्पद बना देती है.

आलोचना ने मेरे उपन्यासों का संज्ञान अवश्य लिया. मेरे पास उपन्यास ही अधिक हैं. उपन्यास लिखना ही मुझे रास आता है. कहानी जीवन की एक फांक होती है जबकि उपन्यास पूरा एक जीवन होता है. मैं खंड-खंड चीजें कम पसंद करता हूं. मुझमें संपूर्णता की ललक है और यही ललक मुझे अपने गुरुजी डॉ अशोक प्रियदर्शी जी तक ले गई.

मेरे लेखक के परीक्षा गुरु रहे प्रोफेसर अशोक प्रियदर्शी जी. परीक्षा गुरु इसलिए कि मेरी कहानियां तो उन्हें ठीक-ठाक लगती थीं पर जब मेरा लिखा दूसरा उपन्यास "जहां खिले हैं रक्तपलाश" मेरे लिखे पहले उपन्यास "पठार पर कोहरा" से महीने भर पहले ही छप कर आया तो मानो यह मेरी उत्तरपुस्तिका थी. मैंने इसे गुरुजी के सामने डरते-डरते प्रस्तुत किया और अपना डर प्रकट भी किया कि कृपया धर्यपूर्वक झेल लें. पहली कोशिश है. पता नहीं कुछ बात बनी या...!

वे दिन भी क्या दिन थे जब मैंने साहित्य में प्रवेश पाया था और आज का दिन है कि किसी नई रचना के साथ गुरुजी के समक्ष प्रस्तुत होने में अब भी सहमा रहता हूं.

आखिर में यह कि सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि साहित्य की दुनिया में मेरी जगह कहां बनती है. कहीं बनती है भी या नहीं. बांग्ला, तमिल, कन्नड़, ओड़िया, तेलुगू आदि-आदि में एक-एक साहित्यकार के पास सौ-सौ किताबें हैं. ऐसे में अपनी छोटी-सी पूंजी के साथ मैं इतने से ही संतुष्ट हूं कि हिंदी कथासाहित्य के सौ-सवा सौ वर्षों की सुदीर्घ परंपरा में, जहां अनेक महान और कालजयी साहित्यकार खड़े हैं, मैं भी किसी कोने में उपस्थित हो सका. इस महान परंपरा का अदना-सा एक वारिस मैं भी..? यह मेरे लिए गर्व की बात है.

व्यंग्य

डॉलर वाले बैंगन जी

नूपुर अशोक

ऐसी आदमी जब दोस्तों को इम्प्रेस करना चाहता है तो उन्हें पिज़्ज़ा और बर्गर खिलाता है. वही देसी आदमी जब विदेश पहुंचता है तो रोज़ पिज़्ज़ा बर्गर खाते हुए इस आशा से अपना स्टेटस अपडेट पोस्ट करता है कि हर अपडेट के साथ वह स्वयं को अपडेटेड घोषित कर रहा है और उसकी स्टेट्स में भी इजाफा हो रहा है. लेकिन एक सप्ताह के बाद उसे पिज़्ज़ा और बर्गर की शक्ल वैसी ही लगने लगती है जैसी आज के लड़कों को दो महीने बाद गर्लफ्रेंड की सूरत लगने लगती है- आज भी वही?

जैसे महिला-पुरुष-समानता-शिविर में भाग लेने आई तन्वंगी सुंदरी जिस सौभाग्यशाली पुरुष प्रतिभागी के चाय के निमंत्रण को स्वीकार करती है वह सातवें आसमान पर विचरण करने लगता है. लेकिन जब वही सुंदरी 'चाय' के साथ भारी-भरकम 'शाय' का बिल उन्हें थमाकर, समानता की बातें ताक पर रखकर उन्हें टा-टा करके चल देती है तो उन्हें बिना किसी बिल के रोज़ चाय पिलाने वाली अपनी बेरौनक़ पत्नी वाली ज़मीन याद आने लगती है. ठीक उसी तरह विदेश प्रवास के एक सप्ताह बाद आपको घर की दाल-रोटी की याद सताने लगती है.

इसी याद के सताए हुए हम अपने विदेश प्रवास के एक सप्ताह के स्वर्णिम समय की अवधि पूर्ण करने के उपरांत वहां के सब्ज़ी बाज़ार पहुंचे. अंडरग्राउंड कार पार्किंग, वातानुकूलित भवन, एस्केलेटर लगे प्रवेश द्वार - हम कृष्ण के महल के बाहर खड़े सुदामा की मनोदशा उस समय

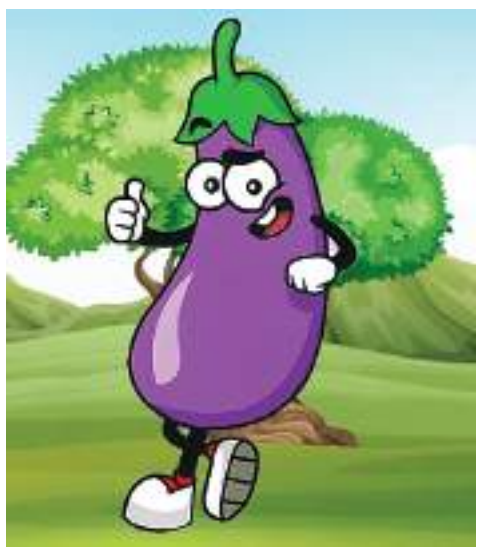

समझ पाए.

बाज़ार में सब्ज़ियां भी इज़्ज़त के साथ शेल्फ में सजी हुईं. हमारे देश के गांवों में तो आज भी दलित आदमी किसी कुर्सी पर बैठने में भी हिचकता है, पता नहीं कब कोई लात मार कर धकिया दे. यहां सब्ज़ियों की शान देख लो, जिस पंक्ति में ब्रोकोली अकड़ रही है, उसी के पास बेअदब मूली भी इतरा रही है. यही ब्रोकोली जब हमारे देश आती है तो अपने विदेशी मेहमानों की तरह हम उसे पूरा सम्मान देते हैं. अदना गाजर-मूली को तो उसके साथ सटने भी नहीं देते. उसे बाकायदा इज़्ज़त से अलग टोकरी में सजा कर रखते हैं. कोहड़ा तो हमारे यहां मुख्य सब्ज़ियों के पीछे कहीं फेंका हुआ सा, कटा-फटा सब्ज़ी विक्रेता के चाकू प्रहार की प्रतीक्षा में भयभीत सा पड़ा रहता है. उसे अपने घर साबुत तो कोई ले जाने से रहा. एकाध टुकड़ा ही जाएगा और वह भी खाने की मेज़ पर क्रिकेट टीम के बारहवें खिलाड़ी की तरह मुंह लटकाए पड़ा रहेगा. वही उपेक्षित कोंहड़ा यहां बाकायदा एक चौथाई टुकड़े में कटा, सेलोफेन में लिपटा, बारकोड के साथ 2 डॉलर का प्राइस टैग दिखाकर मुंह चिढ़ा रहा था. जिसे आज तक हमने बत्तीस रुपए के लायक नहीं समझा उसकी कीमत दो डॉलर यानी सौ रुपए से भी अधिक?

आगे बैंगन जी सजे थे. बैंगन'जी' इसलिए क्योंकि जिस मुए बैंगन को हमने देश में मुंह भी नहीं लगने दिया था, उसे हाथ लगाने के लिए जब 7 डॉलर यानी साढ़े तीन सौ रुपए चुकाने पड़ें तो उसे 'जी सर' तो कहना ही पड़ेगा.

उस दिन मुझे समझ आया कि अपने मुहल्ले के मास्टर साहब के फिसड्डी बेटे ने 'उल्लू के पट्ठे' से 'जी सर' की यात्रा कैसे तय की. जिसे अपने देश की धरती पर कोई स्कूल पास होने देने के लिए तैयार नहीं था और कोई कॉलेज लेने के लिए भी नहीं, वह हवाई मार्ग से विदेशी धरती पर आकर यहां की किसी सुसज्जित शेल्फ में बैठा इतरा रहा था. यहां से जब वह अपने डॉलर वाले अवतार में वापस अपने देश में अवतरित होता है तो सारे लोग उसे 'जी सर, जी सर' कहकर ही संबोधित करते हैं.

उस दिन वह विदेशी बाज़ार मुझे कुरुक्षेत्र की तरह लग रहा था जिसमें बड़े-बड़े महारथी, जिन्हें हम अभी तक फूल गोभी, बंधा गोभी, पालक, बैंगन कहकर हिकारत की नज़र से देखते थे वे सभी कौली फ्लावर, कैबेज, स्पिनेच और एगप्लांट जैसे नामों के टैग लगाए अपने डौलर वाले दामों की तलवारें मेरी ओर चमका रहे थे- कोई तीन सौ, कोई चार सौ- पांच सौ ! उस दिन मुझे कृष्णवर्णी बैंगन ने महाज्ञान दिया – "देखा तुमने, अभी तक तुम मुझे काली-कलूटी-बैंगन-लूटी कह कर चिढ़ाते रहे. मुझे खाने की मेज़ पर देखते ही नाक-भौं चढ़ाते रहे. इसीलिए मुझे अपने देश की धरती का त्याग कर यहां आना पड़ा. यहां एग्प्लान्ट का नाम पड़ते ही मेरी कीमत भी बढ़ गई और इज़्ज़त भी. आज तुम भले ही अपने सात डॉलर बचाकर निकल जाओ लेकिन सत्य यही है कि तुम एक दिन लौट कर आओगे और मुझे मेरी कीमत अदा कर इज़्ज़त के साथ लेकर जाओगे क्योंकि अब तुम जान चुके हो कि यह पिज्जा-बर्गर की दुनिया केवल माया है. असली संतुष्टि मेरे अंदर ही है." उसी बैंगन की कसम, हमने मास्टर जी के बेटे सहित देश के अन्य सभी बैंगनों से क्षमायाचना की, चुपचाप डॉलर वाले 'बैंगन जी ' को उठाया और ससम्मान अपने थैले में स्थापित किया.

कविताएं

शिव

पूजा शकुंतला शुक्ला

मेरे शिव
कुछ अलग से हैं
मेरे भीतर स्थित
मन्दिर में रमे हैं
कई - कई बार
मैंने कोशिश की
अपने घर के
मंदिर में करूं
उनकी प्राण प्रतिष्ठा
लेकिन हर बार
बस मूर्ति ही स्थापित हुई
शिव मेरे भीतर ही रहे
मेरा संबल बन कर
उन्होंने सारा विष पिया
मुझे विषमुक्त रखने को
मेरे हर घाव को गंगा
के जल से धो कर
बेल पत्र से उसका उपचार किया
जब भी पीड़ा पराकाष्ठा
की सीमा लांघने को हुई
उन्होंने भांग धोला मेरे भीतर
और मेरे मुख पर स्मित
उठे अनगिनत धतूरे के फूल
मेरे भीतर जो शक्ति है
वो शिव ही है
आदि, अनादि शिव !

भारत हूं

नीरज नीर

उन्मुक्त स्वीकारता हूं विषाद के क्षण को
विष अगर मिल जाये,
हंसकर मै पीता हूं.
संस्कार की पूंजी, संस्कृति अक्षय धन है.
हिमालय से उतुंग
प्रशांत मेरा मन है.
शिव का वरदान है, शक्ति का उपासक हूं.
सांसो पर अधिकार,
निज मन का शासक हूं.
दुःख हो या उल्लास,
बराबर से गीता हूं.
चाह नहीं विजय की,
भय नहीं कुछ खोने का
पुत्र भरत का, चिड़ियाँ नहीं, शेर सोने का
शिराओं में प्रस्फुटित
काल निनाद होता है,
सबल भुजाओं में, दीर्घ इतिहास सोता है.
उन्मुग्ध रहा विश्व, ज्ञान का अधिष्ठाता हूं.
सभ्यता सिखाता रहा
सदा आदि काल से,
डरा नहीं रक्तरंजित,
देख दन्त कराल के.
विश्व विजय की नहीं की
कभी भी अभिलाषा
नत हो कोई की नहीं कभी ऐसी आशा
निर्विकल्प रहा सदा, रागों से रीता हूं.
पराजित हुआ रहा सदियों तक पराधीन
स्वगौरव कभी लेकिन
हुआ नहीं क्षीण
ठगा गया कई बार,
छल के हाथों हारा
उठा हर बार, स्वयं ही स्वयं को संवारा
मैं अपने भाग्य का, स्वयं ही निर्माता हूं.

ये बूंदें, हां जीवन हैं

अनिल किशोर सहाय

ये बूंदें, हां जीवन हैं
'माधव' की उष्मा में बीता
स्वप्न, हृदय, तन रीता-रीता.
'शुक्र' दिवस ने झुलसाया था
'शुचि' आया कुछ हुलसाया था.
शुचि बीता फिर तो नभ आया
'नभ- नभस्य' की काली छाया.
कुछ बूंदें जब गिरी धरा पर
दिखा मोद इस वसुन्धरा पर.
सदा आदि काल से,
डरा नहीं रक्तरंजित,
देख दन्त कराल के.
विश्व विजय की नहीं की
कभी भी अभिलाषा
नत हो कोई की नहीं कभी ऐसी आशा
निर्विकल्प रहा सदा, रागों से रीता हूं.
पराजित हुआ रहा सदियों तक पराधीन
स्वगौरव कभी लेकिन
हुआ नहीं क्षीण
ठगा गया कई बार,
छल के हाथों हारा
उठा हर बार, स्वयं ही स्वयं को संवारा
मैं अपने भाग्य का, स्वयं ही निर्माता हूं.

(वैदिक काल से प्रयुक्त संस्कृत माधव-बैसाख,शुक्र-जेठ,शुचि-आषाढ़,नभः-सावन,नभस्य -भादो)

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस से स्वदेश लौटने पर स्टार रेसलर विनेश फोगाट का भव्य स्वागत

मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं : विनेश फोगाट

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बावजूद अधिक वजन होने के कारण पदक नहीं जीत पाने वाली रत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट का शनिवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया. बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे स्टार खिलाड़ियों के अलावा पंचायत नेता भी विनेश का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे. विनेश फूल मालाओं से लदी थी. उन्होंने खुली जीप में सवार होकर लोगों का आभार व्यक्त किया. विनेश ने हाथ जोड़कर कहा, मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं. यह विशाल काफिला विनेश के साथ हरियाणा के बलाली गांव तक जाएगा. विनेश के आगमन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी. पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले किए गए वजन में उनका वजन 100 ग्राम अधिक निकला था जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था. विनेश ने संयुक्त रूप से रजत पदक दिलाने के लिए खेल पंचाट में अपील की थी जिसके कारण वह पेरिस में रुकी रही. खेल पंचाट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था. लंदन ओलंपिक के

कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के नेता गगन नारंग ने विनेश को चैंपियन करार दिया. यह दोनों एक ही उड़ान से दिल्ली पहुंचे थे. नारंग ने पेरिस हवाई अड्डे पर विनेश के साथ खींची गई तस्वीर को एक्स पर पोस्ट किया.

वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी : गगन नारंग

गगन नारंग ने लिखा, वह खेल गांव में पहले दिन चैंपियन के रूप में पहुंची थी और वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी. कुछ अवसरों पर करोड़ों लोगों को प्रेरित करने के लिए ओलंपिक पदक की जरूरत नहीं पड़ती. विनेश फोगाट आपने लोगों को प्रेरित किया है. आपके जज्बे को सलाम. विनेश के भाई हरविंदर फोगाट ने कहा, विनेश स्वदेश लौट रही है. लोग यहां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे हैं. लोग हमारे गांव में भी उनका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं. लोग उनसे मिलने को लेकर उत्साहित हैं.

ब्रीफ खबरें

वोंद्रोसोवा व कैम नॉरी अमेरिकी ओपन से हटे

न्यूयॉर्क। विंबलडन 2023 की चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा और कैम नॉरी चोटिल होने के कारण 26 अगस्त से शुरू होने वाली अमेरिकी ओपन टेनिस प्रतियोगिता से हट गए हैं. विश्व रैंकिंग में 18वें नंबर की खिलाड़ी वोंद्रोसोवा के हाथ में चोट लगी है जबकि नॉरी को बांह में समस्या है.

अदिति महिला स्कॉटिश ओपन में कट से चूकीं

इर्विन (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में तीन ओवर 75 के लचर प्रदर्शन के साथ आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन टूर्नामेंट में कट हासिल करने में नाकाम रहीं. लेडीज यूरोपीय टूर पर पांच बार की विजेता अदिति ने पहले दौर में 81 का स्कोर बनाया था.

जीव जांबिया लीजेंड्स में 19वें स्थान पर

लुसाका (जांबिया)। भारत के जीव मिल्खा सिंह जांबिया गोल्फ लीजेंड्स के पहले दौर में पार 72 के स्कोर से संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर हैं. भारत में अगले हफ्ते लीजेंड्स टूर प्रतियोगिता की मेजबानी करने वाले जीव ने एक बर्डी और एक बोगी की जिससे उन्होंने पार का स्कोर बनाया. साइमन खान ने पहले दौर में छह अंडर 66 के स्कोर के साथ पहली जीत दर्ज की ओर हैं.

लाहिड़ी लिव गोल्फ में 38वें स्थान पर

व्हाइट सल्फर स्प्रिंग्स (अमेरिका)। भारत के अनिर्बान लाहिड़ी लिव गोल्फ ग्रीनब्रियर के शुरुआती दौर में पार 70 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 38वें स्थान पर है. लाहिड़ी ने इस 54 होल की स्पर्धा के पहले दिन एक बोगी और एक बर्डी लगाई. टेलोर गूच सात अंडर 63 के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है.

विरोध -प्रदर्शन के कारण डूरंड कप का मैच रद्द

कोलकाता। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच रविवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में होने वाला डूरंड कप मैच को शहर में मौजूदा अशांति के कारण रद्द कर दिया गया है. यह निर्णय कोलकाता पुलिस अधिकारियों और टूर्नामेंट के आयोजकों के बीच एक बैठक के बाद लिया गया.

पेरिस पैरालंपिक का आयोजन 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होगा

पैरालंपिक के सभी खिलाड़ी पदक के दावेदार: झझड़िया

प्रमोद भगत का बाहर होना निराशाजनक

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया ने कहा कि डोपिंग नियमों के उल्लंघन के कारण पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत का भारतीय दल से बाहर होना निराशाजनक है, लेकिन इससे 28 अगस्त से शुरू होने वाले पैरालंपिक खेलों के लिए उनके 25 पदकों के लक्ष्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा. पेरिस पैरालंपिक का आयोजन 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होगा. इसमें भारत के 84 खिलाड़ी 12 खेलों में पदक के लिए जोर लगायेंगे. टोक्यो खेलों के स्वर्ण पदक विजेता (पुरुष एकल एलएल तीन वर्ग) पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को बीडब्ल्यूएफ के डोपिंग निरोधक वेयरअबारट (ठिकाने का पता) नियम के उल्लंघन के कारण 18 महीने के लिये निलंबित कर दिया है. पेरिस पैरालंपिक के लिए भारतीय दल के विदाई समारोह के इतर झाझड़िया ने भाषा को दिये इंटरव्यू में प्रमोद के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इस तरह के मामले से निपटने की पूरी जिम्मेदारी खुद खिलाड़ी की होती है. उन्होंने कहा, देखिए, इस में कोई शक नहीं की प्रमोद भगत हमारे स्टार एथलीट और टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता हैं लेकिन मैंने 25 पदक का जो लक्ष्य बनाया है, वह हमारे मौजूदा 84 खिलाड़ियों के दल से है. इसमें प्रमोद भगत शामिल नहीं है. बीडब्ल्यूएफ ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा था, बैडमिंटन विश्व महासंघ इसकी पुष्टि करता है कि भारत के टोक्यो 2020 पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत को 18 महीने के लिए निलंबित किया गया है और वह पेरिस पैरालंपिक नहीं खेलेंगे. इसमें कहा गया, एक मार्च 2024 को खेल पंचाट (सीएएस) डोपिंग निरोधक प्रभाग ने भगत को बीडब्ल्यूएफ के डोपिंग निरोधक नियम के उल्लंघन का दोषी पाया. वह एक साल में तीन बार अपना ठिकाना बताने में नाकाम रहे थे. 36 वर्ष के एसएल3 खिलाड़ी भगत ने सीएएस (खेल पंचाट) के अपील विभाग में इस फैसले को चुनौती दी थी, जो पिछले महीने खारिज हो गई.

झाझड़िया ने कहा, प्रमोद की देश के लिए उपलब्धि काफी बड़ी है लेकिन खेल के जो नियम-कानून है उन्हें खिलाड़ी को किसी भी हालत में पूरा करना होता है. उनकी तरफ से कही ना कही कमी रही है. पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाले झाझड़िया ने कहा, प्रमोद का भारतीय दल में नहीं होना एक झटका है. अबकी बार 25 पार लक्ष्य पर उन्होंने कहा, मैंने यह लक्ष्य कुछ परख कर बताया है.

पेरिस पैरालंपिक में भारत 12 खेलों में हिस्सा लेगा

नयी दिल्ली। भारत इस बार 12 खेलों में प्रतिस्पर्धा करेगा, जिसमें पैरा साइकिलिंग, पैरा नौकाचालन और दृष्टिबाधित जूडो देश की नई स्पर्धाएं होंगी. भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने घोषणा की है कि यह भारत के पैरालंपिक खिलाड़ियों की बढ़ती विविधता और प्रतिभा को दर्शाता है. आंध्र प्रदेश के अरशद शेख पैरा साइकिलिंग में अपना पैरालंपिक पदार्पण करेंगे. उन्होंने एशियाई रोड पैरा साइकिलिंग चैंपियनशिप में पुरुषों की एलीट व्यक्तिगत टाइम ट्रायल सी2 श्रेणी में रजत पदक जीतकर अपना कोटा हासिल किया था. आंध्र प्रदेश के कोंगानापाले नारायण पैरा नौकाचालन में और हरियाणा की कोकिला कौशिकलाते दृष्टिबाधित जूडो में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी.

सुमित और भाग्यश्री उद्घाटन समारोह में ध्वजवाहक रहेंगे : भारतीय पैरा-एथलीट सुमित अंतिल और भाग्यश्री जाधव को पेरिस 2024 पैरालंपिक उद्घाटन समारोह में संयुक्त ध्वजवाहक के रूप में चुना गया है, जो 28 अगस्त को आयोजित होना निर्धारित है. यह घोषणा भारतीय पैरालंपिक दल को पेरिस के

लिए रवाना करने के दौरान की गई. सुमित अंतिल टोक्यो 2020 पैरालंपिक में स्वर्ण जीतने के बाद पुरुषों की एफ64 श्रेणी में मौजूदा भाला फेंक ओलंपिक चैंपियन हैं. वह दो बार के विश्व चैंपियन भी हैं और 25 वर्षीय एथलीट इस श्रेणी में विश्व रिकॉर्ड धारक भी हैं.सुमित ने पहली बार 2023 विश्व चैंपियनशिप में विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जहां उन्होंने 70.83 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था. उन्होंने हांगझोऊ में एशियन पैरा गेम्स में 73.29 मीटर का थ्रो फेंकते हुए स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर किया था. दूसरी ओर, भाग्यश्री जाधव ने एशियन पैरा गेम्स में एफ34 श्रेणी में महिलाओं की शॉट पुट में रजत पदक जीता. उन्होंने टोक्यो 2020 में भी प्रतिस्पर्धा की थी, जहां उन्होंने सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी. उन्होंने मई में पैरा-एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की एप34 शॉट पुट में भी रजत पदक जीता था.

84 एथलीटों के साथ, भारत पेरिस 2024 पैरालंपिक में अब तक का सबसे बड़ा दल भेज रहा है. टोक्यो 2020 पैरालंपिक में, भारत ने 54 एथलीट भेजे थे. भारतीय एथलीट पेरिस में पहली बार पैरा साइकिलिंग, पैरा रोइंग और ब्लाइंड जूडो जैसे खेलों में भी प्रतिस्पर्धा करेंगे.

सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट : अल्कराज ने रैकेट तोड़ा

हार के बाद रैकेट पर निकाला गुस्सा

एजेंसी। सिनसिनाटी

चार बार के ग्रैंड स्लैम विजेता कार्लोस अल्कराज ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में गेल मोनफिल्स से हारने के बाद अपना गुस्सा रैकेट पर निकाला और उसे कई बार नीचे पटककर तोड़ डाला. मोनफिल्स ने तीन सेट तक चले इस कड़े मुकाबले में 4-6, 7-6 (7-5), 6-4 से जीत दर्ज की. बारिश के कारण यह मैच गुरुवार को पूरा नहीं हो पाया था. दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कराज ने मैच के बाद कहा, मुझे ऐसा लगा जैसे यह मेरे करियर का अब तक का सबसे खराब मैच था. मैंने वास्तव में बहुत अच्छी तैयारी कर रही थी और मैं अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन मैं उस तरह का खेल नहीं दिखा पाया. मैं इस मैच को भूल जाना चाहता हूं और अमेरिकी ओपन में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं. यह टूर्नामेंट 26 अगस्त से शुरू होने वाले

अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण माना जाता है. मोनफिल्स का सफर भी लंबा नहीं चला और शुक्रवार को बाद में खेले गए मैच में वह होल्गर रूण से 3-6, 6-3, 6-4 से हार गए. महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने मार्ता कोस्त्युक पर 6-2, 6-2 की शानदार जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. आर्यना सबालेंका भी एलिना स्वितोलिना पर 7-5, 6-2 से जीत के साथ आगे बढ़ने में सफल रही लेकिन फ्रेंच ओपन और विंबलडन में उपविजेता रही जैस्मीन पाओलिनी को मीरा एंड्रीवा से 3-6, 6-3, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा. एक अन्य मैच में अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन को 7-5, 6-1 से हराया.

नीरज चोपड़ा ने लुसाने डाइमंड लीग में हिस्सा लेने की पुष्टि की

भाषा। नयी दिल्ली

भारत के दोहरे ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शनिवार को 22 अगस्त को लुसाने में होने वाली आगामी डाइमंड लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पुष्टि की. लंबे समय से ग्रोइन की चोट से परेशान नीरज ने हाल में संपन्न पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता था. नीरज ने वर्चुअल बातचीत के दौरान कहा, मैंने अंततः 22 अगस्त को होने वाली लुसाने डाइमंड लीग में हिस्सा लेने का फैसला किया है. आठ अगस्त को ओलंपिक के भाला फेंक फाइनल के बाद कुछ दिन व्यस्त रहने के बाद नीरज ने स्विटजरलैंड में ट्रेनिंग शुरू कर दी है और चोट के बावजूद सत्र को बेहतर तरीके से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. ब्रुसेल्स में 13-14 सितंबर को होने वाली सत्रांत डाइमंड लीग के बाद नीरज अपनी ग्रोइन की चोट को लेकर में डॉक्टरों से परामर्श लेंगे और सर्जरी सबसे संभावित विकल्प है.

पेरिस खेलों में 90 मीटर के अपने लक्ष्य से मामूली अंतर से चूकने के बाद, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने इस लक्ष्य को अब भगवान के भरोसे छोड़ दिया है. नीरज ने पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के थ्रो के

साथ रजत पदक जीता. पेरिस ओलंपिक में उनके छह प्रयास में से यह इकलौता वैध प्रयास था. लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतना किसी भारतीय एथलीट के लिए एक बड़ी उपलब्धि है उनका प्रयास पाकिस्तान के अरशद नदीम के ओलंपिक रिकॉर्ड प्रयास से 92.97 मीटर से काफी कम था. नदीम इस दौरान व्यक्तिगत खेलों में पाकिस्तान के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने. नीरज ने निकट भविष्य में अपने 90 मीटर के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, अब लगता है कि इस तरह के लक्ष्य को 'ऊपरवाले' पर छोड़ना होगा.

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर 239 रन की बढ़त बनाई

प्रोविडेंस। एडेन मार्कराम और काइल वेरेन के अर्धशतकों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन 239 रन की बढ़त हासिल कर ली. अपनी पहली पारी में 160 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 223 रन बनाए हैं. वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 144 रन पर आउट हो गई थी. मार्कराम ने 50 रन बनाए जबकि वेरेन 51 रन बनाकर खेल रहे हैं. उनके साथ दूसरे छोर पर वियान मुल्डर 34 रन बनाकर खेल रहे हैं. इससे पहले वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर ने नाबाद 54 रन की पारी खेली. उन्होंने शमर जोसेफ (25) के साथ दसवें विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को दक्षिण अफ्रीका के स्कोर के करीब पहुंचाया. प्रोविडेंस स्टेडियम में शुरुआती दिन 17 और दूसरे दिन आठ विकेट गिरे. वियान मुल्डर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए चार विकेट लिए. वेस्टइंडीज की तरफ से पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले जेडेन सील्स ने दूसरी पारी में अभी तक 52 रन देकर तीन विकेट लिए हैं. इन दोनों टीम के बीच त्रिनिदाद में खेला गया पहला मैच बारिश से प्रभावित रहा था और ड्रॉ समाप्त हुआ था. दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला खेली जाएगी.

साक्षात्कार कोच हरेंद्र की महिला हॉकी टीम को सलाह, टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने को भूलें

अतीत को भूलकर भविष्य के बारे में सोचो, आगे बढ़ो : हरेंद्र सिंह

भाषा। नयी दिल्ली

अतीत को भुलाकर भविष्य के बारे में सोचो, लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारी में जुटे भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने अपनी टीम को यही सलाह दी है. टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी, जहां पुरुष टीम ने लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता. हरेंद्र ने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, जब मैं इस टीम के साथ फिर जुड़ा तो हमने इस पर विस्तार से बात की. मैं हमेशा सकारात्मक चीजें देखता हूं और मेरा मानना है कि उनके लिये कुछ बेहतर

भविष्य के गर्भ में छिपा है. लड़कियां टूटी हुई थीं और पूरा देश उनके ओलंपिक नहीं खेल पाने से दुखी था, लेकिन मैने उनसे कहा कि कुछ बड़ा आपका इंतजार कर रहा है. इस साल अप्रैल में भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच बनने के बाद अपने पहले इंटरव्यू में उन्होंने कहा, मैंने उनसे कहा कि अतीत को भूल जाओ और भविष्य के बारे में सोचो. मैंने इस मिशन को रोड टू एलए 2028 नाम दिया है और मुझे लगता हे कि यह सफर खूबसूरत होगा. इससे पहले 2017-18 में भारतीय महिला टीम के कोच रहे हरेंद्र ने कहा कि उनका लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक है. उन्होंने कहा, भारत ने हॉकी में पहला ओलंपिक पदक 1928 में लॉस एंजिलिस में ही जीता था जब ध्यान चंद जी उस टीम का हिस्सा थे. इससे बेहतर क्या होगा कि हम सौ साल बाद उसी स्थान पर ओलंपिक पदक जीतें. यह पूछने पर कि वह टीम में क्या बदलाव लाना चाहते हैं, उन्होंने कहा, पिछले चार साल में जो अच्छा काम हुआ है, मैं उसे नहीं बदलूंगा. इसके बाद एक एक करके देखेंगे कि कहां गलतियां हुई है. मैंने खिलाड़ियों से कहा है कि प्रो लीग में अच्छे नतीजे नहीं मिल सकते हैं, क्योंकि हमें एलए 2028 की नींव तैयार करनी है. यह पूछने पर कि अमेरिका पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में अच्छी तनख्वाह छोड़कर उन्होंने लौटने का फैसला क्यो किया, उन्होंने कहा, मैं अपने देश लौटकर और यहां महिला सशक्तिकरण के लिए अपना योगदान देकर खुश हूं. मुझे लगता है कि भारतीय हॉकी की सेवा का यह सुनहरा मौका है.

उन्होंने कहा, मैंने अमेरिका में कोचिंग के दौरान बहुत कुछ सीखा. रियो ओलंपिक के बाद हमें समझ में आया कि अब नहीं जागे तो बहुत देर हो जायेगी. हमारे पास भारत में हॉकी में इतनी प्रतिभा और बेहतरीन बुनियादी ढांचा है, जिसने मुझे प्रेरित किया.

खेलों की शक्ति का उपयोग सामाजिक उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए: यूनुस

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने शनिवार को कहा कि खेलों की शक्ति का उपयोग सामाजिक उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए जैसा कि पेरिस ओलंपिक 2024 के दौरान किया गया था. पेरिस 2024 और उसके साझेदारों ने ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों को आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण की दृष्टि से एक जिम्मेदार प्रतियोगिता बनाने का निर्णय लिया है. नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस ने कहा, मैं खेलों की शक्ति का उपयोग सामाजिक उद्देश्यों के लिए करने के लिए प्रोत्साहित करता रहा हूं. मुझे खुशी है कि पेरिस ओलंपिक 2024 ने इस पर ध्यान दिया. पेरिस ओलंपिक 2024 के

साथ हमने ओलंपिक की एक नई अवधारणा बनाई- सामाजिक व्यवसाय ओलंपिक. यूनुस (84 साल) ने ये टिप्पणियां तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट को संबोधित करते हुए की जिसे भारत ने वर्चुअल रूप से आयोजित किया. जब ढाका में छात्रों के नेतृत्व में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के कारण शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई तब यूनुस पेरिस में थे.

ब्रीफ खबरें

25 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के राजगीर पर्यटक स्थल वनगंगा देवीस्थान के समीप घूमने आये 25 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी. घटना शुक्रवार की रात आठ बजे की बताई जा रही है. मृतक की पहचान भोजपुर के आरा थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा निवासी मंजित के रूप में की गयी है. राजगीर अनुमंडल के पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि युवक दोस्तों के साथ 15 अगस्त को राजगीर घूमने आया था और हर जगह की फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया था.

चोरी गई 10 कंप्यूटर बरामद, 2 गिरफ्तार

नवादा । जिले के धमनी हाई स्कूल में चोरी के मामले का पर्दाफाश कर दिया गया है. पुलिस ने चोरी गई 10 कंप्यूटर, यूपीएस तथा सीपीयू को शनिवार को बरामद कर ली है. साथ ही दो चोरों की गिरफ्तारी भी की गई है. चोरों के पास से एक कट्टा, अपाची बाइक तथा जमुई जिले से चोरी की गई एक पिकअप भी बरामद की गई है. तीन ब्लेड, एक छुरा भी मिला है. गिरफ्तार आरोपितों ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है. नवादा पुलिस द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि कौआकोल थाना कांड सं. 279/24 का उद्भेदन कर लिया गया है.

तीन लाख भारतीय करेंसी के साथ दो गिरफ्तार

अररिया : एसएसबी 56वीं बटालियन ने बथनाहा अंतर्गत पथरदेवा बीओपी के जवानों ने भारत-नेपाल सीमा के समीप दो युवक को तीन लाख भारतीय मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार दोनों युवक नेपाल की ओर से एक चार पहिया वाहन पर सवार होकर भारतीय क्षेत्र में आ रहे थे. इस दौरान सोनापुर पंचायत के कोचगामा गांव के पास एसएसबी ने जब वाहन रोककर जांच की तो सीट के पीछे टूल में रखे पॉलिथीन में तीन लाख भारतीय करेंसी बरामद हुआ. एसएसबी ने बरामद राशि को जब्ती-सूची बनाकर बथनाहा थाना के सौंप दिया.

मुख्यमंत्री ने राजगीर खेल परिसर का किया निरीक्षण, बोले

निर्माण कार्य तेजी से पूरा करें

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राजगीर खेल परिसर का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने इंडोर और आउटडोर स्टेडियम के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया. उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्पोर्ट्स एकेडमी सह निर्माणाधीन स्टेडियम का भी जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बचे हुए निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि इस खेल अकादमी में विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्यों को पूर्ण करें. यह अकादमी देश के लिए अनोखी और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी. यहां कई खेलों के ट्रेनिंग सेंटर के अलावा विश्वस्तरीय खेल पुस्तकालय भी होगा. इन प्रयासों से राज्य में खेल का वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी साथ ही प्रतिभावान युवकों को अवसर भी मिलेंगे. उन्होंने कहा कि राजगीर ऐतिहासिक स्थल है. यहां सभी प्रकार की सुविधाओं का इंतजाम किया गया है. बड़ी संख्या में यहां पर्यटक आते हैं. राजगीर अब पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है. निरीक्षण के दौरान ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधायक कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, पूर्व विधायक चंद्रसेन कुमार, पूर्व विधायक ई सुनील, पूर्व विधान पार्षद राजू यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार आदि मौजूद थे.

सीएम नीतीश कुमार ने दी रक्षाबंधन की सौगात

पटना के सिटी बस में फ्री में यात्रा करेंगी महिलाएं

संवाददाता । पटना

रक्षाबंधन को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को बड़ा गिफ्ट दिया है. 19 अगस्त को पटना में चलने वाली सिटी सर्विस बस में यात्रा करने के लिए महिलाओं को पैसे नहीं देने होंगे. यानी राखी के दिन महिलाएं बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की सिटी सर्विस की बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी. उन्हें किसी तरह का कोई पैसा नहीं देना होगा. बिहार सरकार में परिवहन विभाग की मंत्री शीला कुमारी की ओर से यह निर्देश जारी किया गया. पटना शहरी क्षेत्रों में रक्षाबंधन पर महिलाओं एवं छात्राओं को निः शुल्क यात्रा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है. इधर, परिवहन विभाग के सचिव और सीनियर आईएएस अधिकारी सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा राजधानी में कुल 135 सिटी सर्विस की बसों का परिचालन किया जा रहा है. इसमें 25 इलेक्ट्रिक बसें हैं. बाकी सारी बसें सीएनजी से परिचालित हैं. इन सभी सभी बसों में रक्षाबंधन के दिन महिलाओं एवं छात्राओं के लिए बस सेवा पूरी तरह मुफ्त रहेगी. अगर किसी तरह का पैसा मांगा जाता है कि फौरन विभाग को इसकी शिकायत करें. मंत्री के निर्देश के बाद बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों में यात्रा करने वाली महिलाएं और छात्राओं को फ्री बस की सुविधा सुबह 6:00 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक मिलेगी. पटना नगर बस सेवा के मार्ग संख्या 111, 111A, 222, 444, 555, 666, 888, 888A 100, 200, 999 और पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से परिचालित बसों में यह सुविधा रक्षाबंधन के दिन लागू रहेगी.

राजद नेता के घर कुर्की की हुई कार्रवाई

दरवाजा-खिड़की उखाड़ ले गई पुलिस

संवाददाता । मोतिहारी

मेयर पति व राजद नेता देवा गुप्ता के घर शनिवार को कुर्की की कार्रवाई हुई है. कुर्की करने के दौरान भारी संख्या मे मोतिहारी पुलिस को तैनात किया गया था. यहां आकर उनके हिस्से के घर की पुलिस ने पहचान की और इसका चौकठ जंगला इत्यादि सामान को निकाला गया. बता दें कि देवा गुप्ता मोतिहारी के मेयर प्रीति कुमारी के पति हैं और राजद नेता हैं. देवा गुप्ता को तेजस्वी यादव का काफी करीबी माना जाता है. इनके विरुद्ध चकिया में एक संवेदक की हत्या का मामला लंबित है. इस मामले में शनिवार को कार्रवाई हुई है.

चकिया में संवेदक राजीव रंजन यादव की 22 अगस्त की सुबह हत्या हुई थी. इसमें चकिया थाना से महज कुछ कदम की दूरी पर ठेकेदार राजीव रंजन यादव की हत्या हुई थी. इस मामले में देवा गुप्ता, राहुल सिंह मुखिया, कुणाल सिंह, पुष्कर सिंह और रूपेश सिंह को नामजद बनाया गया था, जबकि दो अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज हुई थी.

केसरिया में ठेकेदारी के लिए राजीव ने टेंडर डाला था, जिससे राहुल सिंह उर्फ मुखिया व देवा गुप्ता इससे नाराज थे और टेंडर नहीं डालने के लिए दबाव बनाए हुए थे.

देव गुप्ता पर मोतिहारी जिले के कई थानों में एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं. मोतिहारी पुलिस देवा गुप्ता को संगठित आपराधिक गिरोह का संचालक मानती है. यह कार्रवाई चकिया थाना कांड संख्या 301/23 में की गई है. देवा गुप्ता के ऊपर मोतिहारी नगर थाना, केसरिया थाना, कोटवा थाना, पिपरा थाना, छतौनी थाना में चार और रक्सौल थाना में दो कांड दर्ज है.

बिहार के तीन जिलों में भारी बारिश, अलर्ट जारी

पटना : बिहार के लोगों को उमस भरी गर्मी से निजात मिल सकती है मौसम विभाग ने शनिवार को तीन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट और नौ जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की आशंका के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है. बिहार के मौसम की चाल काफी धीमी हो गयी है. वहीं अन्य राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है. मौसम विभाग ने केवल तीन जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग ने किशनगंज, रोहतास और कैमूर में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में झमाझम बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई है.

24 अगस्त को आएगा फैसला

पटना । बिहार लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू यादव और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव सहित अन्य आरोपियों को समन भेजने पर फैसला सुरक्षित रखा है. राउज एवेन्यू कोर्ट अब इस फैसले को 24 अगस्त को सुनाएगा. बता दें कि ईडी द्वारा 6 अगस्त को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की गई थी. इस चार्जशीट में लालू, तेजस्वी समेत 11 लोग आरोपित हैं. अब अदालत द्वारा 24 अगस्त को यह फैसला सुनाया जाएगा. इस फैसले में यह निर्णय लिया जाएगा कि घोटाले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनके बेटे तेजस्वी यादव और आठ अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान लिया जाए या नहीं.

लैंड फॉर जॉब का मामला

तीन गिरफ्तार, पैसे के लेन-देन को लेकर हुई थी हत्या

रौनक हत्याकांड का खुलासा

संवाददाता । भागलपुर

जिले के तातारपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत बहुचर्चित दवा व्यवसायी रौनक केडिया हत्याकांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन करते हुए घटना को अंजाम देने वाले शूटर एवं साजिशकर्ता सहित तीन अपराधकर्मी को गिरफ्तार कर लिया है. साथ ही घटना में प्रयुक्त पिस्टल एवं बुलेट बाइक भी बरामद किया गया है. उक्त आशय की जानकारी शनिवार को एसएसपी आनंद कुमार ने एक प्रेस वार्ता के दौरान दी. एसएसपी ने बताया कि बीते 07 अगस्त की रात्रि में तातारपुर थाना अन्तर्गत काजवलीचक के रहने वाले रौनक केडिया को अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. एफएसएल टीम एवं वरीय पदाधिकारियों के द्वारा तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण किया गया. जहां से 5 गोली एवं 1 पिलेट जब्त किया गया. घटना का उद्भेदन एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए राज पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं अजय कुमार चौधरी पुलिस उपाधीक्षक नगर के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित की गई थी.

दुष्कर्म मामले में आरोपी के घर चला बुलडोजर

मुजफ्फरपुर : मुजफ्फरपुर जिले के पारू थाना क्षेत्र में बीते दिनों नाबालिग लड़की के साथ निर्मम तरीके से हत्या मामले में पुलिसिया कार्रवाई तेज हुई है. अब तक बीते 24 घंटे पूर्व हुए इश्तहार को चस्पा करने के बाद मामले में पुलिस ने शनिवार दोपहर बाद कार्रवाई करते हुए कांड में फरार चल रहे मुख्य आरोपी के घर बुलडोजर चलवा दिया, इसके साथ ही कुर्की की कार्रवाई भी की गई है. इस पूरे मामले को लेकर एसडीपीओ सरैया कुमार चंदन ने बताया कि बीते दिनों पारू थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ जघन्य अपराध किया गया था. इस मामले में गांव के रहने वाले संजय अपने अन्य सहयोगी के साथ फरार चल रहा है.

नवादा में युवक की पीट कर हत्या, नदी किनारे मिला शव

संवाददाता । नवादा

नवादा में नदी के किनारे शनिवार को एक युवक का शव मिला है. मृतक के परिजन ने युवक के हत्या का आरोप लगाया है. नगर थाना क्षेत्र के इलाके में नदी किनारे युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है और कहा जा रहा है कि पीट-पीटकर युवक की हत्या की गईं है. मृतक शहर के बड़ी दरगाह मोहल्ला निवासी मो. नूरी आलम खलीफा के पुत्र मोहम्मद आजाद उर्फ छोटू है. हत्या की जानकारी मिलते ही नवादा सदर डीएसपीओ अनोज कुमार घटनास्थल पर पहुंचे. शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है. युवक के शरीर पर जख्म के कई निशान भी पाए गए हैं. घटना के बाद मृतक के परिजन में कोहराम मच गया है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले के जांच में जुट गई है.

बालू खनन करने वाले 54 अवैध कारोबारी व माफिया गिरफ्तार

संवाददाता । पटना

पुलिस ने शुक्रवार देर रात बिहटा के अमनाबाद में बालू माफिया के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया. इस दौरान पुलिस ने सोन नदी में अवैध खनन करते हुए बालू खनन, भंडारण एवं परिवहन करने वाले 54 अवैध कारोबारी एवं माफियाओं को गिरफ्तार किया. इसके साथ ही बालू लदे पांच नाव को भी जब्त किया. जिस पर 45 सौ सीएफटी बालू लदा था. वेस्ट एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि लगातार बालू के अवैध खनन और रंगदारी की सूचना मिल रही थी. जिसे लेकर दो टीम गठित कर भोजपुर सोन नदी से बिहटा दियारा क्षेत्रों में करवाई की गई. जिसमें बालू के अवैध खनन के धंधे में शामिल कुल 54 लोगों को गिरफ्तार किया गया. इसके साथ ही पांच नाव को बरामद किये गए. जिसमें तीन नाव ऐसे हैं जिसमें सक्शन लगा मशीनों के जरिए बड़े-बड़े पाइप के द्वारा गंगा नदी से नायब तरीके से अवैध बालू निकाला जा रहा था. गिरफ्तार 54 लोग बालू के अवैध खनन में शामिल बालू खनन माफिया और कारोबारी सिपाही राय के गुर्गे हैं.

कारोबार

आईएमएफ के साथ सहयोग बढ़ेगा

नयी दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आईएमएफ की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ के साथ बैठक की. इस दौरान सीतारमण ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए और अधिक तरीके तलाशने को तैयार है. बैठक में गोपीनाथ ने राजकोषीय समेकन के लिए सरकार के उपायों के लिए वित्त मंत्री को बधाई दी. वित्त मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वित्त मंत्री ने कहा कि भारत आईएमएफ के साथ अपने संबंधों और निरंतर जुड़ाव को बहुत महत्व देता है.

कच्चे पेट्रोलियम पर अप्रत्याशित कर घटाया

नयी दिल्ली : सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित कर को 4,600 रुपये प्रति टन से घटाकर 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया है. यह कर शनिवार से प्रभावी हो गया है. यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के रूप में लगाया जाता है. डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है. आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि नई दरें 17 अगस्त दिन शनिवार से प्रभावी हो गई हैं. भारत ने पहली बार एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया, जिससे वह उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं.

भारत ने पोलैंड को अंजीर के रस की निर्यात की

नयी दिल्ली : भारत ने पोलैंड से अनूठे कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने की अपनी पहल के तहत अंजीर के रस की पहली खेप पोलैंड को निर्यात की है. वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने जीआई-टैग वाले पुरंदर अंजीर से बने भारत के पहले पीने के लिए तैयार अंजीर के रस के पोलैंड को निर्यात की सुविधा प्रदान की. जीआई टैग उस वस्तु को कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है, दूसरों द्वारा अनधिकृत उपयोग को रोकता है और उत्पाद के निर्यात को बढ़ावा मिलेगी.

रक्षाबंधन के पहले महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी कीमत

संवाददाता । नई दिल्ली

रक्षाबंधन के पहले शनिवार को घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. सोने की कीमत में शनिवार को 110 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है. इसी तरह चांदी भी शनिवार को 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया है.

शनिवार की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 71,780 रुपये से लेकर 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 65,8100 रुपये से लेकर 65,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 84,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है. देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना शनिवार को 71,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 65,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी शनिवार को सोने की कीमत में तेजी आई है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है.

क्रिटिकल मिनरल्स का एक्सपोर्ट किया बंद

भाषा । नयी दिल्ली

खनिज पदार्थ अगर राजस्व का स्रोत होता है तो किसी देश की ताकत का हिस्सा भी होता है. यही वजह है कि हर विकसित देशों की नजर दुनिया के उन देशों पर होती हैं, जहां खनिज पदार्थ पाए जाते हैं.

इस मामले में सबसे शातिर चीन माना जाता है. वैसे दुनिया में कई खनिज पदार्थों के उत्पादन में चीन का दबदबा है. इसी का फायदा उठाते हुए चीन ने अपनी चाल चलते हुए अब कई क्रिटिकल मिनरल्स का एक्सपोर्ट बंद कर दिया है. इसी कड़ी में चीन की सरकार ने अब एंटीमनी और उससे संबंधित एलिमेंट्स के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगाने का फैसला किया है. दुनिया में एंटीमनी के उत्पादन में चीन की हिस्सेदारी पिछले साल 48% थी. यह एक स्ट्रैटजिक मेटल है जिसका इस्तेमाल कई तरह के सैन्य साजोसामान बनाने में होता है. इनमें गोला-बारूद, इन्फ्रारेट मिसाइल, परमाणु हथियार, नाइट विजन गोगल्स, बैटरी और फ ोट ाव ॉल्टि क इक्विपमेंट बनाने में होता है. चीन की सरकार ने एक बयान में कहा कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों तथा अप्रसार के अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने के लिए एंटीमनी के एक्सपोर्ट पर पाबंदियां लगाई जा रही हैं. चीन का कहना है कि यह पाबंदी किसी खास देश या रीजन के लिए नहीं है. लेकिन जानकारों का कहना है कि यह चीन की नई चाल है.

बढ़ेगी मुश्किल

- एंटीमनी का इस्तेमाल सैन्य साजोसामान बनाने में होता है
- एंटीमनी से गोला-बारूद व परमाणु हथियार बनता है

एंटीमनी की सप्लाई बंद होने से अमेरिका और यूरोपीय देशों की सेनाओं पर सबसे ज्यादा असर होगा. चीन ने 15 सितंबर से छह तरह के एंटीमनी के प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगाई है. इनमें एंटीमनी ओर, एंटीमनी मेटल्स और एंटीमनी ऑक्साइड शामिल है. साथ ही गोल्ड-एंटीमनी स्मेल्टिंग और सेपेरेशन टेक्नोलॉजी के एक्सपोर्ट के लिए भी सरकार से अनुमति लेनी होगी. वहीं चीन ने कुछ ग्रेफाइट प्रॉडक्ट्स का एक्सपोर्ट भी बंद कर दिया है. इसके अलावा गैलियम और जर्मेनियम का एक्सपोर्ट भी बंद कर दिया है. जिनका सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में व्यापक इस्तेमाल होता है. बढ़ती डिमांड और टाइट सप्लाई के कारण इस साल एंटीमनी की कीमत रेकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुकी है.

खासकर फोटोवॉल्टिक सेक्टर में इसकी मांग काफी बढ़ी है जहां इसका इस्तेमाल सोलर सेल की परफॉरमेंस सुधारने में होता है. चीन दुनिया में रिफाइंड एंटीमनी का सबसे बड़ा सप्लायर है लेकिन वह थाईलैंड, म्यांमार और रूस जैसे देशों से इसके अयस्क का आयात करता है. बता दें कि अमेरिका और दूसरे देश क्रिटिकल मेटल्स की सप्लाई के लिए काफी हद तक चीन पर निर्भर हैं. इन देशों ने अब चीन के विकल्प पर काम करना शुरू कर दिया है. मसलन अमेरिका में प्रिपेटुआ रिसोर्सेज एंटीमनी और गोल्ड प्रोजेक्ट पर काम कर रही है. उसकी 2028 तक उत्पादन शुरू करने की योजना थी लेकिन चीन की हरकत से उसे अब जल्दी से जल्दी यह काम करना होगा. पिछले साल से चीन कई क्रिटिकल मेटल्स की सप्लाई पर पाबंदी लगा चुका है. दिसंबर में चीन ने रेयर अर्थ मेग्नेट्स बनाने में काम आने वाली टेक्नोलॉजी के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगा दी थी. उससे पहले ही वह क्रिटिकल मटीरियल्स को एक्ट्रैक्ट और सेपरेट करने में काम आने वाली टेक्लोलॉजी के निर्यात पर बैन लगा चुका था.

हाल के वर्षों में भारत ने काफी उन्नति की है : एसोचैम महासचिव

एजेंसियां । मुंबई

उद्योग मंडल एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान और दर्शन विकसित राष्ट्र की दिशा में मार्गदर्शक बन सकता है. उन्होंने शुक्रवार देर शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक पुस्तक के विशेष विमोचन समारोह में कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने जो वृद्धि और उन्नति देखी है, वह देश के नेतृत्व का परिणाम है. सूद ने कहा कि इस पुस्तक ने हमें बताया है कि हमने अपने लक्ष्य की ओर कितनी प्रगति की है. उन्होंने कहा, हमें प्राचीन ज्ञान और दर्शन का आशीर्वाद प्राप्त है, जो विकसित राष्ट्र की दिशा में हमारा मार्गदर्शक प्रकाश बन सकता है. अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक और इस समय क्षमता निर्माण आयोग में सदस्य (मानव संसाधन) आर बालासुब्रमण्यम की किताब 'पावर विदिनः द लीडरशिप लिगेसी ऑफ प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी' भारत के सभ्यतागत ज्ञान को दर्शाती है.

भंडारण क्षेत्र की मांग 77 प्रतिशत गिरी : वेस्टियन

एजेंसियां । नयी दिल्ली

रियल एस्टेट भंडारण

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली में इस वर्ष जनवरी-जून के दौरान भंडारण (वेयरहाउसिंग) और लॉजिस्टिक्स स्थानों की पट्टा गतिविधियों में 77 प्रतिशत की गिरावट देखी गई. रियल एस्टेट परामर्श कंपनी वेस्टियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान चेन्नई में मांग में तीन गुना हो गई. जनवरी-जून, 2024 के लिए वेस्टियन की नवीनतम वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष की पहली छमाही के दौरान जनवरी-जून में सात प्रमुख शहरों में वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स स्थानों का पट्टा आठ प्रतिशत बढ़कर 1.66 करोड़ वर्ग फुट हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.54 करोड़ वर्ग फुट था.

बैठक जीएसटी काउंसिल से रियल एस्टेट डेवलपर्स को मिल सकती है राहत

ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक में हो सकता है फैसला

एजेंसियां । नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल की 9 सितंबर को होने वाली बैठक में रियल एस्टेट डेवलपर्स को राहत मिलने के संकेत मिल रहे हैं. इस बैठक में जमीन के सौदों में डेवलपमेंट राइट्स पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी का विवाद भी सुलझ सकता है.

अगले सप्ताह 22 अगस्त को रियल एस्टेट से संबंधित फैसला लेने के लिए गठित ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा करके ठोस प्रस्ताव तैयार किया जा सकता है. जानकारों के मुताबिक 22 अगस्त को ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा होने के आसार हैं. रियल एस्टेट डेवलपर्स लंबे समय से इस मुद्दे को लेकर सरकार के सामने अपना पक्ष रख रहे हैं. डेवलपर्स का कहना है कि जमीन के सौदों में ज्वाइंट डेवलपमेंट राइट्स पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने से लैंड कॉस्ट में बढ़ोतरी हो जाती है, जिसका असर रियल एस्टेट के ग्राहकों पर पड़ता है. खास कर फ्लैट और होम बायर्स के लिए लागत काफी अधिक बढ़ जाती है, जिसकी वजह से रियल एस्टेट सेक्टर के डेवलपमेंट पर नेगेटिव असर भी पड़ता है.

खास बातें

- 18 प्रतिशत जीएसटी का विवाद भी सुलझ सकता है
- रियल एस्टेट डेवलपर्स अपना पक्ष रखेंगे

मौजूदा नियमों के मुताबिक विकसित होने योग्य भूमि (डेवलपेबल लैंड) की खरीद-बिक्री पर तो जीएसटी नहीं लगता है लेकिन जमीन के विकास के लिए डेवलपमेंट राइट्स लेने पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाई जाती है. ऐसा होने से जमीन की ओवरऑल कीमत में बढ़ोतरी हो जाती है और फ्लैट या घर खरीदने वाले लोगों के लिए सौदा महंगा हो जाता है. सौदा महंगा होने का असर ये होता है कि कुल सौदों की संख्या में कमी आ जाती है.

इसके परिणामस्वरूप रियल एस्टेट डेवलपर्स के मुनाफे पर प्रतिकूल असर पड़ता है. कई बार अपना फंसा हुआ पैसा निकालने के लिए रियल एस्टेट डेवलपर्स को कम मुनाफे पर या मामूली नुकसान पर ही सौदे को फाइलन करना पड़ता है.

पेज एक का शेष

वे डोलत रस आपने...

सीसीसी पर भी ऐसी ही कोई रणनीति बन सकती है. संभव यह भी है कि भाजपा सीसीसी को राज्यवार लागू कराने की सोच रही हो. जैसे उत्तराखंड में यह लागू हो गया है, वैसे ही उसके शासनवाले दूसरे राज्य भी लागू करें और दबाव इतना बढ़े कि संसद में भी अनुकूल माहौल बन जाये. लेकिन यदि भाजपा अपने एजेंडे पर ऐसे ही आगे चलती रहेगी तो साथियों से कब तक निभेगी. रहीम ने लिखा है- "कह रहीम कैसे निभें केर बेर को संग, वे डोलत इस आपने उनके फाटत अंग". देखना है कि लाल किले से सीसीसी पर प्रधानमंत्री के संकल्प का क्या होता है और राजनीति कोई करवट लेती है या नहीं. अपने वैचारिक, सैद्धांतिक आवरण को विदीर्ण होता देख एनडीए के घटक दल कब तक सहनशील बने रहेंगे. आखिर यह कब तक चलेगा कि भाजपा अपने एजेंडे लागू करती रहे और साथी दल अपना मूल चरित्र छोड़कर हां में हां मिलाते रहेंगे.

ब्रीफ खबरें

बंदूकधारियों ने 20 छात्रों का किया अपहरण

अबुजा । नाइजीरिया के उत्तर-मध्य क्षेत्र में बंदूकधारियों ने एक विश्वविद्यालय के छात्रों के वाहनों पर घात लगाकर हमला कर कम से कम 20 छात्रों का अपहरण कर लिया. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. बेन्यू राज्य पुलिस प्रवक्ता कैथरीन एनेन ने बताया कि छात्र जब मेडिकल छात्रों के एक सम्मेलन में शामिल होने के लिए दक्षिण की ओर जा रहे थे, तभी गुरुवार शाम को बेन्यू में उन पर घात लगाकर हमला किया गया. यह हमला बेनुए ओटुकपो मार्ग पर हुआ, जहां अपहरण की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं. उत्तरी नाइजीरिया के कुछ हिस्सों में अपहरण की इस तरह की घटनाएं आम हैं. दर्जनों सशस्त्र समूह सीमित सुरक्षा व्यवस्था का फायदा उठाकर गांवों और प्रमुख सड़कों पर हमले करते हैं.

एंबियंस मॉल को बम से उड़ाने की धमकी

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एंबियंस मॉल को शनिवार को तब खाली करा लिया गया जब एक ईमेल में दावा किया गया कि इसके परिसर में बम रखा है. पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि बम निष्क्रिय करने वाली टीम और श्वान दस्ते मौके पर हैं तथा तलाशी अभियान जारी है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एंबियंस मॉल प्रबंधन को सुबह 9.27 बजे बम की धमकी वाला ईमेल मिला. हिडेनबोन्स101एट द रेट ऑफ जीमेल डॉट कॉम से भेजे गए इस ईमेल में लिखा है, मैंने इमारत में बम लगाए हैं. इमारत के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा, आपमें से कोई भी बच नहीं पाएगा. आप मौत के हकदार हैं.

सांप्रदायिक हिंसा के बाद इंटरनेट सेवा बंद

जयपुर । राजस्थान के उदयपुर में एक सरकारी स्कूल के 10वीं कक्षा के छात्र द्वारा अपने सहपाठी को चाकू घोंपने के बाद पैदा हुए सांप्रदायिक तनाव के बीच जिले के कई इलाकों में शुक्रवार रात से 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं. उदयपुर के सभी सरकारी और निजी स्कूल में आगामी आदेश तक अवकाश घोषित कर दिया गया है. पुलिस ने बताया कि हमले में घायल छात्र का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया गया है. दोनों छात्र नाबालिग हैं. उदयपुर के जिलाधिकारी अरविंद पोसवाल ने बताया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए उदयपुर शहर और उदयपुर के सभी सरकारी और निजी स्कूल शनिवार से अगले आदेश तक बंद रहेंगे.

विद्रोहियों के हमले में 16 ग्रामीणों की मौत

किन्शासा । उत्तर-पूर्वी कांगो में इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध आतंकवादियों के हमलों में कम से कम 16 ग्रामीणों की मौत हो गई और 20 अन्य का अपहरण कर लिया गया. एक स्थानीय नागरिक समाज समूह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. न्यू सिविल सोसायटी ऑफ कांगो के समन्वयक जॉन वुल्वेरियो ने बताया कि 'एलीड डेमोक्रेटिक फोर्सेज' के हमलावरों ने इटुरी प्रांत के मम्बासा क्षेत्र में बुधवार और शुक्रवार के बीच स्थानीय लोगों पर उस समय हमले किए, जब वे अपने खेतों में काम कर रहे थे. उन्होंने बताया, मृतकों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि जो 20 अन्य लोग अपहृत किए गए हैं, उनकी कोई जानकारी नहीं है. अपहृत किए गए लोगों में एक अधिकारी गिल्बर्ट शिवमवेंदा की मां और बहन भी शामिल हैं.

हॉलीवुड के संगीतकार ग्रेग किहन का निधन

सैन फ्रांसिस्को । अस्सी के दशक के लोकप्रिय गीतों 'जेओपार्डी' और 'द ब्रेकअप सॉन्ग' के लिए मशहूर 'रॉक एंड रोल' संगीतकार ग्रेग किहन का निधन हो गया है. वह 75 वर्ष के थे. किहन की वेबसाइट पर जारी एक बयान में उनकी प्रबंधन टीम ने बताया कि संगीतकार का अल्जाइमर बीमारी से मंगलवार को निधन हो गया. बाल्टीमोर में 10 जुलाई 1949 को जन्मे किहन 1970 के दशक में सैन फ्रांसिस्को चले गए थे जिसके बाद उन्होंने 'बेसक्ली रिकॉर्ड्स' के साथ अनुबंध किया. ग्रेग किहन बैंड को पहली सफलता 1981 में द ब्रेकअप सॉन्ग से मिली. उन्होंने कई उपन्यास एवं लघु कथाएं भी लिखीं.

पीएम मोदी ने कहा, आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद गंभीर खतरा

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विकासशील देशों में, विशेषकर खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्रों में वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रभावों पर चिंता व्यक्त की. मोदी ने तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन में अपने शुरुआती भाषण में इसमें भाग ले रहे देशों को डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा क्षेत्र समेत विभिन्न अहम क्षेत्रों में पूर्ण समर्थन देने की भारत की अटूट प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया.

भारत ने डिजिटल रूप से इस सम्मेलन की मेजबानी की. प्रधानमंत्री ने कहा, आज हम ऐसे वक्त में बैठक कर रहे हैं, जब चारों ओर अनिश्चितता का माहौल है. दुनिया अब भी पूरी तरह से कोविड-19 के प्रभाव से बाहर नहीं आयी है.

दूसरी ओर, युद्ध की स्थिति ने हमारी विकास यात्रा के लिए चुनौतियां पैदा कर दी है. उन्होंने कहा, हम न केवल जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, बल्कि अब स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं हैं. प्रधानमंत्री ने आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद की चुनौतियों का भी जिक्र किया.

ग्लोबल साउथ सम्मेलन

यह विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने का एक मंच है

उन्होंने कहा, आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद हमारे समाज के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं. मोदी ने कहा, प्रौद्योगिकी विभाजन और प्रौद्योगिकी से जुड़ी नयी आर्थिक व सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं. पिछली शताब्दी में स्थापित वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थान वर्तमान शताब्दी की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हैं. मोदी ने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने का एक मंच बन गया है.

भारत ने विकासोन्मुखी दृष्टिकोण से जी20 को आगे बढ़ाया है

उन्होंने कहा कि जी20 के भारत के नेतृत्व में हमने ग्लोबल साउथ की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं व प्राथमिकताओं के आधार पर एजेंडा बनाया. मोदी ने कहा कि भारत ने विकासोन्मुखी दृष्टिकोण से जी20 को आगे बढ़ाया है. उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ की ताकत उसकी एकता में है. इसी एकता के बल पर हम नयी दिशा की ओर बढ़ेंगे. उन्होंने कहा, वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन एक ऐसा मंच है, जहां हम उन लोगों की जरूरतों, आकांक्षाओं को आवाज देते हैं, जिन्हें अभी तक अनसुना किया गया है.

मेघालय में कांग्रेस ने दो विधायकों को निलंबित किया

शिलांग । मेघालय में विपक्षी दल कांग्रेस ने अपने दो विधायकों- गैब्रियल वहलांग और चार्ल्स मार्नगर को सत्तारूढ़ एमडीए के साथ मेलजोल बढ़ाने के आरोप लगने के बाद निलंबित कर दिया. राज्य की 60 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के चार विधायक थे. कांग्रेस की प्रदेश इकाई के महासचिव वानसुक सिएम ने एक विज्ञप्ति में कहा कि विधायकों को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निलंबित कर दिया गया है. दोनों विधायकों को भेजे गए पत्र में सिएम ने कहा, पार्टी का यह निर्णय ब्लॉक समिति और प्रमुख संगठन की हालिया रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है, जिसमें आपके पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है.

अफ्रीका में 'एमपॉक्स' के प्रकोप को नजरअंदाज किया गया

अगली वैश्विक महामारी बन सकता है एमपॉक्स

एजेंसी। जोहानिसबर्ग

अफ्रीका में 'एमपॉक्स' का प्रकोप इस तथ्य का एक और उदाहरण है कि कैसे संक्रामक रोगों को किसी दूसरे की समस्या समझा जाता है. विशेष तौर पर गरीबों व विकासशील देशों को प्रभावित करने वाली यह बीमारी अचानक विश्व के लिए अप्रत्याशित रूप से नया खतरा बन सकती है. नजरअंदाज की गई अन्य बीमारियों के उदाहरण वेस्ट नाइल, जीका और चिकनगुनिया वायरस हैं. 'एमपॉक्स' का पता 1958 (बंधक बनाये गये बंदरों में, इसलिए मूल रूप से इसका नाम 'मंकीपॉक्स' रखा गया) में चला था और इंसानों में इसके सबसे पहले मामले की पहचान 1970 में हुई थी. इसके बाद दशकों तक वैज्ञानिकों और जन स्वास्थ्य समुदायों ने इस संक्रामक रोग को नजरअंदाज किया क्योंकि यह अफ्रीका के ज्यादातर दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में फैलने वाला एक असामान्य संक्रमण था, जिसका बाकी दुनिया में कोई नामोनिशान नहीं था. जब 'एमपॉक्स' ने 2022 में विकसित देशों को प्रभावित करना शुरू किया तब जाकर शोधकर्ताओं ने शोध शुरू किये और वैज्ञानिक अध्ययनों की संख्या में इजाफा हुआ. अप्रैल 2022 के बाद से केवल एक 'मेडिकल सर्च इंजन' पर ही पिछले 60 वर्षों की अपेक्षा अधिक शोध किए गए हैं. अफ्रीकी शोधकर्ताओं ने 'एमपॉक्स' के निदान, उसके उपचार और संक्रमण को रोकने वाले उपकरणों में वैश्विक निवेश को बढ़ाने की जरूरत को लेकर बार-बार आह्वान किया, जिसके बावजूद 2022-23 में 'एमपॉक्स' एक वैश्विक प्रकोप के रूप में सामने आया.

आपात कालीन स्थिति घोषित कर दिया : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मध्य अफ्रीका में 'एमपॉक्स' के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक जन स्वास्थ्य आपात स्थिति के रूप में घोषित कर दिया है. यह उन बीमारियों के लिए उच्चतम चेतावनी स्तर है, जो अन्य देशों के लिए जन स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न करती हैं और इनके लिए समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है. हैरानी की वजह बना 2022 का प्रकोप इस बीमारी को 'एमपॉक्स' के रूप में नया नाम अब भी 'मंकीपॉक्स' ही है. इसका 'स्मॉलपॉक्स वायरस' से करीबी संबंध है. एमपीएक्सवी को मध्य और पश्चिमी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में फैली बीमारी के रूप में जाना जाता था.

नया और खतरनाक वायरस

मौजूदा वायरस 'आई एमपीएक्सवी' (जिसे पहले वायरस का कांगो बेसिन प्रकार कहा जाता था) 'क्लेड टू' (पश्चिम अफ्रीकी प्रकार) वायरस की तुलना में अधिक संक्रामक है और इसमें लोगों को जान जाने का खतरा अधिक होता है. मौजूदा संक्रमण का केंद्र पूर्वी डीआरसी का दक्षिण किवु प्रांत है और इसमें एक बड़ी महामारी को आकार देने की क्षमता है. ये वायरस एक अलग किस्म का वायरस है, जो अक्सर यौन संबंध बनाने के कारण मानव-से-मानव में आसानी से फैल सकता है. इसकी संक्रामकता बढ़ सकती है (लेकिन हमें अभी तक पता नहीं है).

ज्यादातर व्यस्कों को करता है प्रभावित

वायरस के नये प्रकार के मामलों में मृत्यु दर 2022 के वैश्विक प्रकोप की तुलना में अधिक है. इस प्रकोप के कारण कई पड़ोसी देशों में 'एमपॉक्स' के मामले सामने आए हैं, जिनमें कुछ (जैसे केन्या) ऐसे देश भी शामिल हैं, जहां इस वायरस का पिछला कोई रिकॉर्ड नहीं है. चुनौती बहुत बड़ी है. पूर्वी डीआरसी क्षेत्र कई समस्याओं से घिरा हुआ क्षेत्र है, जहां प्राकृतिक आपदा और हिंसा के अलावा खसरा, हैजा और पोलियो जैसे रोग फैले हुए हैं.

क्या करने की जरूरत

'द लांसेट ग्लोबल हेल्थ' में हमारे एक हालिया लेख में बताया गया कि इस प्रकोप को रोकने और इसे संभवतः महामारी में बदलने से रोकने के लिए क्या किया जाना चाहिए. नैदानिक जांच, टीकों और एंटीवायरल उपचारों तक पहुंच के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता और वित्तीय निवेश की आवश्यकता है. इसके संपर्क में आने वाले लोगों, संचरण मार्गों और नैदानिक जांच के बारे में अधिक जानकारी जुटाने के लिए वैज्ञानिक जांच की आवश्यकता है.

मंकीपॉक्स सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित, केंद्र सरकार हुई सतर्क

नई दिल्ली । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मंकीपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित करने के मद्देनजर, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय सतर्क हो गया है. शनिवार को मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंकीपॉक्स की स्थिति और तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की. फिलहाल भारत में मंकीपॉक्स का कोई मामला सामने नहीं आया है. मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी हवाई अड्डों, बंदरगाहों और ग्राउंड क्रॉसिंग पर स्वास्थ्य इकाइयों पर अत्यधिक सावधानी बरती जानी चाहिए. इन स्थानों को अधिक संवेदनशील बनाने के साथ परीक्षण प्रयोगशालाओं (लैब) को तैयार करना, किसी भी मामले का पता लगाने, अलग करने और उसका प्रबंधन करने आदि के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को तैयार करने पर जोर देना चाहिए.

उप्र में शिक्षक भर्ती का मामला, नेता प्रतिपक्ष ने कहा-

आरक्षण व्यवस्था से खिलवाड़ पर करारा जवाब : राहुल गांधी

लगातार न्यूज नेटवर्क। लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश में 69 हजार शिक्षकों की भर्ती की मेरिट लिस्ट को रद्द करने का आदेश देने के बाद देशभर में राजनीति गरमा चुकी है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राज्य की योगी सरकार पर सवाल उठाया है. राहुल ने कहा कि 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला आरक्षण व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वाली भाजपा सरकार की साजिशों को करारा जवाब है. उन्होंने कहा कि यह पांच वर्षों से सड़कों पर निरंतर संघर्ष कर रहे अमित मौर्या जैसे हजारों युवाओं की ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले हर योद्धा की जीत है.

भाजपा पर आरक्षण छीनने का आरोप : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि आरक्षण छीनने की भाजपा की जिद ने सैकड़ों निर्दोष अभ्यर्थियों का भविष्य अंधकार में धकेल दिया है. पांच साल ठोकरें खा कर बर्बाद होने के बाद जिनको नई सूची के जरिए नौकरी मिलेगी और जिनका नाम अब चयनित सूची से कट सकता है, दोनों की गुनहगार सिर्फ भाजपा है. पढ़ाई करने वालों को लड़ाई करने पर मजबूर करने वाली भाजपा सरकार सही मायने में युवाओं की दुश्मन है.

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्या आदेश दिये हैं

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश में सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा के तहत 69 हजार सहायक शिक्षकों की नियुक्ति के लिए जून 2020 में जारी चयन सूची और 6800 अभ्यर्थियों की पांच जनवरी 2022 की चयन सूची को दरकिनार कर नए सिरे से सूची बनाने के आदेश दिए हैं. दो जजों की पीठ ने एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए नए सिरे से मेरिट लिस्ट जारी करने का आदेश दिया है. इसके साथ ही सरकार को आरक्षण नियमावली 1994 की धारा 3(6) और बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 का पालन करने का आदेश दिया है.

हरियाणा में 24 घंटे में चार विधायकों ने छोड़ी पार्टी

हरियाणा । हरियाणा में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है. चुनाव के ऐलान के साथ ही जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) में भगदड़ मची हुई है. जेजेपी से पिछले 24 घंटे में 4 विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. इसमें ईश्वर सिंह, देवेंद्र बबली, अनूप धानक और राम करण कला का नाम शामिल है. बता दें कि हरियाणा के टोहाना से जेजेपी विधायक और पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली ने शनिवार को पार्टी के तमाम पदों से इस्तीफा दिया है, उन्होंने पार्टी अध्यक्ष अजय चौटाला को एक पत्र के जरिए अपना इस्तीफा सौंप दिया है. इससे पहले पार्टी के एक और विधायक और पूर्व मंत्री अनूप धानक और रामकरण काला ने भी पार्टी छोड़ दी है. इसके अलावा विधायक ईश्वर सिंह ने भी पार्टी की सभी दायित्वों से इस्तीफा दे दिया है.

दिल्ली कोचिंग सेंटर मौत का मामला

अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने यहां के एक कोचिंग सेंटर में मौतों के मामले में बेसमेंट के चार सह-मालिकों की जमानत याचिकाओं पर 23 अगस्त को अपना फैसला सुना सकती है. पिछले महीने कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में जलभराव के कारण सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की मौत हो गई थी. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने शनिवार को सीबीआई तथा आरोपियों परविंदर सिंह, तजिंदर सिंह, हरविंदर सिंह और सरबजीत सिंह की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया. दलीलों के दौरान, आरोपियों के वकील ने अदालत को बताया कि यह घटना ईश्वरीय कृत्य थी और अगर नागरिक एजेंसियों ने अपना कर्तव्य निभाया होता, तो इसे टाला जा सकता था. वकील ने दलील दी कि बेसमेंट कोई पुस्तकालय नहीं था, बल्कि कक्षाएं शुरू होने से पहले छात्रों के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र है.

उन्होंने दावा किया कि घटना से कुछ दिन पहले परिसर में अग्निशमन विभाग द्वारा निरीक्षण किया गया था, जिसमें बताया गया था कि बेसमेंट का उपयोग भंडारण कक्ष के तौर किया जा रहा था और भवन सुरक्षित था तथा शैक्षणिक केंद्र चलाने के लिए उपयुक्त था. वकील ने यह भी कहा कि गैर इरादतन हत्या की धारा लगाने के लिए, अपराध करने का इरादा भी होना चाहिए.

25 साल बाद गाजा में पोलियो का पहला मामला आया सामने

यूनिसेफ ने युद्ध रोक टीकाकरण की मांग की

एजेंसी। रामल्ला

पोलियो मुक्त गाजा में 25 साल बाद पोलियो का पहला मामला सामने आया है. युद्ध प्रभावित देश के दीर अल-बलाह शहर में एक 10 माह के बच्चे में पोलियो संक्रमण की पुष्टि हुई है. फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी. स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 10 माह के बच्चे में पोलियो के लक्षण पाये गये थे. इसके बाद उसकी जांच करायी गयी, जिसमें संक्रमण की पुष्टि हुई. इस बच्चे को पोलियो रोधी टीके की एक भी खुराक नहीं लगी थी. अधिकारियों ने बताया कि पिछले महीने गाजा के दो प्रमुख शहरों के अपशिष्ट जल से नमूने एकत्र किये गये थे इन नमूनों की जांच करने पर इसमें पोलियो का वायरस पाया गया था. जॉर्डन की राजधानी अम्मान में एक 10 माह के बच्चे में पोलियो के लक्षण पाये गये. जांच करने पर टाइप 2 पोलियो वायरस की पुष्टि हुई.

25 साल से गाजा था पोलियो मुक्त

10 माह के बच्चे में पोलियो का पहला मामला सामने आया

फलस्तीनी बच्चों का टीकाकरण करने का किया आह्वान : संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने इजरायल-हमास युद्ध रोककर लाखों बच्चों को टीका लगाने का आह्वान किया है. संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी (यूनिसेफ) ने भी इजराइल और हमास से सात दिन के लिए युद्ध रोकने की मांग की है. ताकि 6,40,000 फलस्तीनी बच्चों को पोलियो से बचाव का टीका दिया जा सके. हालांकि इस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है.

मेरठ में रानी अवंती बाई की शोभा यात्रा पर पथराव

मेरठ । उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर के संवेदनशील क्षेत्र खैरनगर में शुक्रवार रात निकाली जा रही अवंतीबाई लोधी शोभायात्रा पर कथित पथराव के बाद सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई. हालांकि, पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया. शोभायात्रा पर हमले की सूचना पर भाजपा नेता कमल दत्त शर्मा समेत कई लोग बुढ़ाना गेट चौकी पर जमा हो गए. पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह ने शनिवार सुबह घटना के बारे में बताया कि दो पक्षों में डीजे को लेकर विवाद हुआ था, जिसे शांत करा दिया गया है.

साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे डिरेल

- हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, आईबी करेगी जांच

एजेंसी। लखनऊ

कानपुर और भीमसेन रेलवे स्टेशन के बीच शनिवार सुबह करीब ढाई बजे वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे पटरी से उतर गये. गनीमत रही कि इस हादसे में जान-माल का नुकसान नहीं हुआ. घटना की सूचना पर मौके पर रेलवे, पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी पहुंचे. साथ ही राहत-बचाव टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन किया.

सभी यात्रियों को घटनास्थल से निकाल लिया गया है. इसके बाद उनको बस से वापस कानपुर सेंट्रल स्टेशन भेजा जा रहा है. एक मेमो ट्रेन भी यहां आ रही है. इस हादसे की वजह से कानपुर-झांसी मार्ग पर ट्रेन परिचालन बाधित हुआ है. इस बात की जानकारी उत्तर-मध्य रेलवे (एनसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने दी.

कानपुर-झांसी मार्ग पर ट्रेन परिचालन बाधित : वहीं, रेलवे बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि ट्रेन के इंजन से कोई बड़ा पत्थर आ टकराया, जिससे इसके अगले हिस्से में लगा 'कैटल गार्ड' (जानवरों से बचाव के लिए) बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने बताया कि साबरमती एक्सप्रेस हादसे की वजह से कानपुर-झांसी मार्ग पर ट्रेन परिचालन बाधित हुआ है. सात ट्रेन रद्द कर दी गयी है. जबकि तीन के मार्ग में बदलाव किया गया है.

लगा झटका तहव्वुर राणा का भारत आने का रास्ता साफ, अदालत ने सुनाया फैसला

तहव्वुर राणा को भारत को सौंपा जा सकता : अमेरिकी अदालत

एजेंसी। वाशिंगटन

मुंबई आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के आरोपी और पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को 'यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर नाइंथ सर्किट से बड़ा झटका लगा है. अदालत ने तहव्वुर राणा को भारत अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत को प्रत्यर्पित (सौंपा) किया जा सकता है. कोर्ट ने कहा कि भारत अमेरिका प्रत्यर्पण संधि राणा के प्रत्यर्पण की अनुमति देती है. बता दें कि तहव्वुर राणा अमेरिका की जेल में बंद है. उस पर मुंबई हमलों में संलिप्तता का आरोप है. साथ ही उसे पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली का साथी माना जाता है, जो 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है. इन आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकी नागरिकों समेत कुल 166 लोगों की मौत हो गयी थी.

आदेश के खिलाफ राणा ने दायर की थी याचिका

दरअसल तहव्वुर राणा ने कैलिफोर्निया में अमेरिकी 'डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' के आदेश के खिलाफ 'यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर नाइंथ सर्किट' में याचिका दायर की थी. कैलिफोर्निया की अदालत ने उसकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को अस्वीकार कर दिया था. राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में मुंबई में आतंकवादी हमलों में राणा की कथित संलिप्तता के लिए उसे भारत प्रत्यर्पित किये जाने के मजिस्ट्रेट न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी गयी थी. 'यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर नाइंथ सर्किट' के न्यायाधीशों के पैनल ने 'डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' के फैसले की पुष्टि की. प्रत्यर्पण आदेश की बंदी प्रत्यक्षीकरण समीक्षा के सीमित दायरे के तहत, पैनल ने माना कि राणा पर लगाये गये आरोप अमेरिका और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि की शर्तों के अंतर्गत आते हैं. इस संधि में प्रत्यर्पण के लिए 'नॉन बिस इन आइडेम' (किसी व्यक्ति को एक अपराध के लिए दो बार दंडित नहीं किये जाने का सिद्धांत) अपवाद शामिल है. जिस देश से प्रत्यर्पण का अनुरोध किया गया हो, यदि 'वांछित व्यक्ति को उस देश में उन अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया हो या दोषमुक्त कर दिया गया हो, जिनके लिए प्रत्यर्पण का अनुरोध किया गया है', तो ऐसी स्थिति में यह अपवाद लागू होता है.

बिल गेट्स ने सिएटल में भारत दिवस समारोह की शुरुआत की

एजेंसी। सिएटल/न्यूयॉर्क

प्रौद्योगिकी कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' के सह-संस्थापक और अरबपति परोपकारी बिल गेट्स ने सिएटल क्षेत्र में पहले भारत दिवस समारोह को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि सुरक्षित टीकों के निर्माण से लेकर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे तक हर क्षेत्र में भारत की कुशलता न केवल भारतीयों, बल्कि पूरे विश्व की मदद कर रही है. गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष गेट्स ने भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के मुख्य अतिथि के रूप में ग्रेटर सिएटल क्षेत्र में प्रथम भारत दिवस समारोह का उद्घाटन किया. सिएटल वाणिज्य दूतावास द्वारा शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि गेट्स ने समारोह में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 2,000 से अधिक सदस्यों को संबोधित करते हुए भारत को प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व नवोन्मेष करने वाला एक वैश्विक नेता बताया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)